।। श्री हरिः ।।

नमामि देवी नर्मदे

अमृत दर्शन

RNI No. MPHIN /2004 /13927

वर्ष - 21 अंक - 69

नर्मदापुरम
रविवार, 22 दिसंबर 2024

● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपया

Website : www.amritdarshan.com

नर्मदापुरम का प्रथम हिन्दी दैनिक

खास बात

धमकी देने वाला सदा कायर होता है। शक्तिवान पुरुष कभी धमकी नहीं देता, वह तो जो चाहता है वह करके दिखा देता है।

- बर्नार्ड शॉ

संक्षिप्त समाचार

25 हजार की रिश्वत लेते नायब तहसीलदार रंगे हाथों गिरफ्तार

सीधी। मध्यप्रदेश में सीधी जिले के प्रशासनिक महकमे में उस वक्त सनसनी फैल गई, जब 25 हजार की नकद रिश्वत लेते नायब तहसीलदार को लोकायुक्त पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। जिले भर में रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार किस कदर हावी है, उसकी एक बानगी सीधी के मझौली तहसील में पदस्थ नायब तहसीलदार बाल्मिक साकेत पर हुई लोकायुक्त कार्रवाई के दरमियान निकाल कर सामने आई। दरअसल, हाईकोर्ट जबलपुर से हुए आदेश के बाद किसान की जमीन का नायब तहसीलदार को नामांतरण करना था, जिसके एवज में नायब तहसीलदार ने 50 हजार रिश्वत की मांग की, जिसमें 25 हजार की पहली रिश्वत की किश्त लेते रीवा लोकायुक्त टीम ने गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई में जुटी है।

छत्तीसगढ़ में सीआरपीएफ कैंप के पास ट्रक पलटा, 4 की मौत

जगदलपुर/रायपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले के दरभा इलाके के चांदामेटा और कोलेंग गांव के बीच शनिवार को ट्रक पलटने से 4 लोगों की मौत हो गई, वहीं 40 ग्रामीण घायल हैं। अभी मृतकों और घायलों की शिनाख्त नहीं हो पायी है। सीआरपीएफ कैंप के पास हुए इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गयी जबकि 40 लोग घायल हुए हैं।

एलजी ने अरविंद केजरीवाल पर मुकदमा चलाने ईडी को दी मंजूरी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की मुश्किलें विधानसभा चुनाव से ऐन पहले बढ़ती नजर आ रही हैं। शुरू से ही विवादों में रही दिल्ली की नई आबकारी नीति के मामले में उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने केजरीवाल के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को मंजूरी दे दी है। ईडी ने इसी महीने के आरम्भ में केजरीवाल के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति मांगी थी। ईडी ने अपनी जांच-पड़ताल में कथित तौर पर आबकारी नीति को तैयार करने और उसके कार्यान्वयन में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार पाया था। इसका उल्लेख इस साल 17 मई को राऊज एवेन्यू कोर्ट में दायर अभियोजन शिकायत संख्या 7 में किया गया था। अदालत ने 9 जुलाई को शिकायत का संज्ञान लिया। ईडी की अभियोजन शिकायत में आरोप लगाया गया है कि केजरीवाल ने साउथ ग्रुप के सदस्यों के साथ मिलकर 100 करोड़ रुपये की रिश्वत ली और टेलर-मेड शराब नीति तैयार करके और उसे लागू करके निजी संस्थाओं को अनुचित लाभ पहुंचाया।

एनआईए ने खूंखार नक्सली बांद्रा ताती को किया गिरफ्तार

बीजापुर/रायपुर। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने 10 जवानों की जान लेने वाले खूंखार नक्सली बांद्रा ताती को सीआरपीएफ और छत्तीसगढ़ पुलिस की मदद से गिरफ्तार कर लिया। उसे अरनपुर इलाके से गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधीक्षक जीतेन्द्र यादव ने यह जानकारी दी। एनआईए की विज्ञप्ति के अनुसार बांद्रा ताती अन्य नक्सलियों के साथ मिलकर आतंकी हमले की साजिश में सीधे तौर पर शामिल था। जांच में यह भी सामने आया है कि ताती आईईडी के परिवहन के अलावा घातक हमले को अंजाम देने के लिए सहायक भूमिका निभा रहा था।

अंतर्मना उवाच

दो तरह के लोग व्यर्थ में दुखी, परेशान होते हैं.. एक वो- जो किसी को ना नहीं कह पाते और दूसरे वो- जो किसी से ना नहीं सुन पाते..!

*जब तक आप ये नहीं जानते कि आप कहना क्या चाहते और सुनना क्या पसंद करते हैं, तब तक किसी को हाँ कहना ही दु:ख और परेशानियों को निमंत्रण देना है। **आज कल लोग बिना कुछ पढ़े साइन कर देते हैं, और बिना पूरी बात सुने हाँ कह देते हैं।** आज कल लोग भी हाँ में हाँ मिलाने वालों को ही पसंद भी करते हैं। अन्यथा वो आपको अपना विरोधी मान लेते हैं।*

***सच भी दो तरह का हो गया है, एक- मुंह देखा सच और दूसरा- भीतर का सच।** भीतर का सच तो और ही कुछ होता है। सुखी रहने के लिए आपको अपने भीतर की आवाज को सुनकर ही बात या कार्य को अंजाम देना चाहिए।*

ध्यान रखें** - भीतर से निकला हुआ सच, आपकी खुशी का पीछा करने से नहीं जुड़ा है, बल्कि आपके आत्मिक आनंद प्रेम से संबंध रखने वाला है। **जैसे ही आप अपने भीतर के सच को इमानदारी से हाँ करते हैं या सच कहते हैं, तो आप मानकर चलिये कि आप भीतर से सशक्त और स्वयं के प्रति इमानदार भी है...!!!

■ अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव उज्जैन में यंग एंटरप्रेन्योर समिट-2024 में बोले

अब युवा उद्यमियों के पैरों में गति और हाथों में शक्ति है

युवा उद्यमियों को प्रोत्साहन देने मध्यप्रदेश ने किया अनुकूल वातावरण का निर्माण

उज्जैन ■ ब्यूरो

भारत युवा उद्यमियों के परिश्रम से विश्व पटल पर एक अलग पहचान बना रहा है। विश्व में हमारे देश में सबसे अधिक युवा शक्ति है। युवाओं के हाथों में आने वाले समय की बागडोर है। हमारे देश के युवाओं के भविष्य की तरफ बढ़ते हुए कदम देश को विकास के पथ पर तेज गति से आगे ले जा रहे हैं। स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए सरकार के द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। निवेश और स्टार्टअप को सरकार के द्वारा लगातार प्रोत्साहन देकर मदद की जा रही है। हम विश्व की पांचवी बड़ी अर्थव्यवस्था हैं तथा तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने यह बात इंदौर रोड स्थित अंजुश्री होटल में आयोजित यंग एंटरप्रेन्योर समिट 2024 में युवा उद्यमियों को संबोधित करते हुए कही।

मध्य प्रदेश वर्ष 2025 तक बनेगा टीबी मुक्त राज्य : यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश में टीबी मुक्त अभियान के लिए व्यापक प्रचार प्रसार किया जा रहा है। जिला स्तर पर जरूरी निर्देश भी जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश को 2025 तक पूरी तरह टीबी रोग से मुक्त बना दिया जाएगा। इस दिशा में हम लगातार कार्य कर रहे हैं। विशेष कर सघन बस्तियों और अन्य जगहों पर कार्य किया जा रहा है। मध्य प्रदेश में 2000 से अधिक ऐसी ग्राम पंचायत हैं जो पूर्णता टीबी मुक्त हो चुकी हैं। आज उज्जैन जिले की 56 ग्राम पंचायत को भी टीबी मुक्त घोषित किया जा रहा है। मध्य प्रदेश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मिशन को पूरी तरह से सफल बनाने के लिए 2025 पूर्ण रूप से टीबी मुक्त मध्य प्रदेश राज्य बनाया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आगे कहा कि युवाओं के पैरों में गति है, हाथों में शक्ति है, भविष्य के तरफ लक्ष्य को देखने की दृष्टि है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के पास युवा उद्यमियों के लिए स्टार्टअप के लिए बजट में पर्याप्त धनराशि है। वर्तमान समय नवाचार का है और भविष्य के युवा अधिक से अधिक स्वरोजगार स्थापित कर उद्यमी बने। उन्होंने उपस्थित उद्यमियों से कहा कि उनके कारोबार में वृद्धि हो यही ईश्वर से कामना करता हूं। स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए सरकार निरंतर काम कर रही है। हमारे भारत में युवाओं की संख्या अधिक होने के साथ-साथ विकास की ओर अग्रसर हो रहा है। भविष्य में युवाओं की दिशा बेहतर हो और युवा नवाचार कर बदलाव लाए तभी देश की तरक्की होगी। उज्यियिनी नगरी सर्वगुण सम्पन्न है। उज्जैन की पहचान देश में बनी है। निवेश को प्रोत्साहन देने के लिए छोटे-छोटे स्थानों पर भी समिट के कार्य किए जा रहे हैं।

सीएम बोले, उद्यमियों को अपने व्यवसाय को बड़ा करने के लिए सरकार हरसंभव मदद करेगी। उद्यमी देश-प्रदेश में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे। आपने उद्यमियों के द्वारा लगाए गए स्टाल का अवलोकन किया।

सीएम यादव कल लॉन्च करेंगे ड्रोन केंद्रित सूचना पोर्टल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मौजूदगी में मध्य प्रदेश की नई ड्रोन नीति पर एक दिवसीय एक्सपर्ट पैनल वर्कशॉप 23 दिसम्बर को कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर भोपाल में होगी। सीएम द्वारा ड्रोन केंद्रित सूचना पोर्टल (drone.mp.gov.in) भी लॉन्च किया जाएगा। इस दौरान प्रशासन और नागरिक सेवाओं के लिए ड्रोन तकनीक के बढ़ते उपयोग और राज्य को देश का ड्रोन हब बनाने पर विचार विमर्श होगा।

43 वर्षों में भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यात्रा

पीएम मोदी का कुवैत में गर्मजोशी से हुआ स्वागत

नई दिल्ली ■ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत आज दुनिया की स्किल कैपिटल बनने और स्किल डिमांड को पूरा करने का सामर्थ्य रखता है। भारत के स्टार्टअप और फिनटेक हेल्थ केयर से लेकर स्मार्ट सिटीज और ग्रीन टेक्नोलॉजी तक कुवैत की हर जरूरत के लिए कटिंग एज सॉल्यूशन बना सकते हैं। भारत का स्लिड यूथ कुवैत की फ्यूचर जर्नी को भी नए स्ट्रेंथ दे सकता है। पीएम आज दो दिवसीय यात्रा पर कुवैत पहुंचे जहां उनका गर्म जोशी से स्वागत किया गया। इस दौरान भारतीय समुदाय से जुड़े लोगों ने उनका स्वागत किया।

प्रधानमंत्री ने यहां भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए बताया कि भारत सरकार विदेश में काम करने वाले भारतीयों के कल्याण के लिए विभिन्न देशों के साथ समझौते कर रही है। ई-माइग्रेट मंच के माध्यम से विदेशी कंपनियों और पंजीकृत एजेंट को एक साथ लाकर प्रभावी जनशक्ति समाधान दिया जा रहा है। पिछले 5 वर्षों में इस पोर्टल के माध्यम से हजारों लोगों को खाड़ी देशों में रोजगार मिला है।

प्रथम विश्व ध्यान दिवस पर पीएम ने कहा-देशवासी ध्यान को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं

नई दिल्ली। प्रथम विश्व ध्यान दिवस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को देशवासियों से ध्यान को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि ध्यान किसी के जीवन में शांति और सद्भाव लाने का एक शक्तिशाली तरीका है।

प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को कहा कि भारत-कुवैत के बीच संस्कृति और वाणिज्य के माध्यम से बने संबंध आज नई ऊंचाइयां छू रहे हैं। कुवैत भारत का एक महत्वपूर्ण ऊर्जा और व्यापार भागीदार है। कुवैती कंपनियां भारत में बड़ा निवेश कर रही हैं। कुवैत और भारत के नागरिकों ने संकट के समय में हमेशा एक दूसरे की मदद की है। प्रधानमंत्री ने इस बात का विशेष उल्लेख किया कि 43 साल बाद कोई भारतीय प्रधानमंत्री कुवैत की यात्रा कर रहा है उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान से यहां आने में 4 घंटे लगते हैं लेकिन प्रधानमंत्री को आने में चार दशक लग गए।

देवास के नयापुरा में मकान में लगी भीषण आग, एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत

देवास ■ ब्यूरो

मध्य प्रदेश के देवास के नयापुरा क्षेत्र में शुक्रवार देर रात एक दर्दनाक हादसा सामने आया। यहां एक मकान में भीषण आग लग गई। हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। हादसे के पीछे की वजह अभी स्पष्ट नहीं हो पाई है। हादसे का कारण और विस्तृत जानकारी की जांच जारी है।

जानकारी के अनुसार देवास शहर के नयापुरा क्षेत्र में मदन सोलंकी का मकान है। शुक्रवार देर रात सोलंकी के मकान में भीषण आग लग गई। इस हादसे में चार लोगों की दम घुटने से मौत हो गई। घटना की जानकारी होते ही नगर निगम दमकल की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाया गया। हादसे में मरने वाले में दिनेश कारपेंटर 35 वर्ष, गायत्री कारपेंटर 30 वर्ष, इशिका 10 वर्ष, चिराग 7 वर्ष बताए गए हैं।

बताया जा रहा है कि दिनेश खुद की डेयरी चलाते थे। जिसका सेटअप उन्होंने मकान के नीचे ग्राउंड फ्लोर पर बनाया हुआ था। ऊपर वो अपने परिवार के साथ रहते थे। हादसे के सही कारणों का पता नहीं चल पाया है। कुछ लोगों को कहना है कि आग ग्राउंड फ्लोर पर बनी डेयरी में लगी और धीरे-धीरे इतना विराल रूप ले लिया।

महाराष्ट्र में विभागों का बंटवारा, सीएम ने गृह अपने पास रखा

मुंबई। महाराष्ट्र में कैबिनेट के शपथ ग्रहण के छठे दिन मंत्रिमंडल कर बंटवारा हो गया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गृह मंत्रालय अपने पास रखा है, जबकि डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे करे शहरी विकास विभाग मिला है। फाइनेंस और एक्साइज डिपार्टमेंट डिप्टी सीएम अजित पवार को मिला है।

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव रिजल्ट के 23वें दिन 15 दिसंबर को नागपुर में मंत्रिमंडल विस्तार हुआ था। फडणवीस सरकार में 33 कैबिनेट और 6 राज्य मंत्रियों ने शपथ ली। CM और 2 डिप्टी CM समेत यह संख्या 42 हो गई।

मोहाली में तीन मंजिला इमारत ढही, कई लोगों के दबे होने की आशंका, रेस्क्यू जारी

चंडीगढ़ ■ एजेंसी

पंजाब के मोहाली में शनिवार की शाम एक तीन मंजिला इमारत ढह गई। इमारत के मलबे में कई लोगों के दबे होने का दावा किया जा रहा है। इमारत की तीसरी मंजिल पर जिम था और हादसे के समय खुला था। पुलिस, फायर ब्रिगेड तथा एनडीआरएफ की टीमों ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिए हैं। पुलिस इमारत के मालिक की तलाश कर रही है।

जानकारी के मुताबिक मोहाली के सोहाना में हादसे का शिकार हुई इमारत के बगल में स्थित खाली प्लाट में बेसमेंट निर्माण के लिए खुदाई की जा रही थी। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि ढही इमारत तथा खाली प्लाट का मालिक एक ही है। शनिवार को प्लाट में जेसीबी मशीनों से बेसमेंट की खुदाई चल रही थी, तभी उससे लगी इमारत नींव कमजोर होने के कारण ढह गई। इस इमारत में निजी दफ्तरों के अलावा ऊपरी मंजिल पर जिम भी चल रहा था और जिस वक्त इमारत गिरी उस समय उसके खुला होने की सूचना है। ऐसे में मलबे में जिम आए लोगों के दबे होने की आशंका जताई जा रही है। अभी इस बारे में औपचारिक पुष्टि नहीं हुई है।

संभल में कुएं की खुदाई में मिली सुरंग, पुरानी इमारत में तहखाना होने की प्रबल संभावना

एएसआई ने कल्कि मंदिर का सर्वे किया

संभल ■ एजेंसी

संभल के चंदौसी में शनिवार शाम कुएं की खुदाई के दौरान सुरंग मिली है। 2 जेसीबी लगाकर प्राचीन बाबली कुएं की खुदाई शुरू की गई। इस दौरान जमीन के नीचे प्राचीन इमारत भी निकली। तहखाना होने का भी अनुमान लगाया जा रहा है। इससे पहले भारतीय पुरातत्व विभाग (एएसआई) की टीम ने सुबह कल्कि मंदिर का सर्वे किया। टीम ने गुंबद की तस्वीरें खींचीं। दीवारों पर नक्काशी के वीडियो बनाए। इसके अलावा, मंदिर परिसर में स्थित कृष्ण कूप यानी कुएं का भी सर्वे किया।

वहीं शाम को चंदौसी में प्राचीन बाबली कुएं की खुदाई शुरू की गई। जिला प्रशासन ने दो जेसीबी लगाकर खुदाई की। इस दौरान जमीन के नीचे प्राचीन इमारत निकली है। सुरंग के साथ प्राचीन तहखाने होने का भी अनुमान लगाया जा रहा है। एएसआई टीम का संभल में यह दूसरा दिन है। शुक्रवार को टीम ने गुपचुप तरीके से 9 घंटे तक सर्वे किया था। 5 तीर्थ स्थलों और 19 कुंओं से नमूने लिए थे। कल्कि मंदिर और कृष्ण कुएं को लेकर फिलहाल कोई विवाद नहीं है।

दिल्ली में वायु गुणवत्ता में सुधार, शीतर लहर बढ़ने के आसार

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में शनिवार को प्रदूषण से थोड़ी राहत मिली। शनिवार को दिल्ली में औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 364 दर्ज किया गया, हालांकि प्रदूषण का स्तर अब भी बेहद खराब श्रेणी में ही दर्ज किया गया।

दिल्ली के 33 निगरानी केन्द्रों में दो केन्द्र को छोड़कर बाकी सभी रेड जोन में रहे यानि बेहद खराब श्रेणी में रहे। शनिवार को मुंडका में 403, नेहरू नगर में 401, रोहिणी में 402, वजीरपुर में 400 एक्यूआई दर्ज किया गया। जबकि सबसे कम दिलशाद गार्डन में 231 द्वारका में 260 दर्ज किया गया।

विपक्ष ने अंबेडकर को लेकर शाह के बयान को गलत तरीके से पेश किया : मांझी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्री जीतन राम मांझी ने गत दिनों संसद में हुई अप्रिय घटना की कड़ी निंदा करते हुए इसके लिए विपक्ष को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ही बाबा साहेब का सबसे ज्यादा सम्मान हुआ है।

शनिवार को नई दिल्ली स्थित अपने आवास पर मीडियाकर्मियों से बात करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि विपक्ष की वजह से जिस तरह की अप्रिय घटना संसद में घटी, वह संसदीय इतिहास में पहली बार हुआ, जब दो सांसदों को हॉस्पिटलाइज होना पड़ा। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब अंबेडकर को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा दिए गए बयान को पब्लिक डोमेन में गलत तरह से पेश किया गया। बाबा साहेब अंबेडकर का जितना सम्मान वर्तमान सरकार में हुआ है वैसा कभी भी कांग्रेसी सरकारों में नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि भले ही विपक्ष केंद्रीय गृह मंत्री की बात न समझ पाई हो लेकिन देश की जनता अच्छी तरह समझती है। मांझी ने देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू को आरक्षण विरोधी बताते हुए कहा कि अगर उनके द्वारा संविधान सभा में की गई आरक्षण विरोधी बातों को अमल में लाया जाता तो आज देश में कोई भी पिछड़ा और गरीब आगे नहीं बढ़ पाता। केंद्रीय मंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग संविधान निर्माता की तख्तियां लेकर घूम रहे हैं और संविधान पर खतरे की बात कर रहे हैं, उन्हीं के कालखंड में संविधान को सबसे ज्यादा खतरा था।

डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल ने फाउंडेशन की केंद्रीयकृत रसोई का अवलोकन करते हुए कहा

अक्षय पात्र फाउंडेशन का समर्पण और सेवाभाव अनुकरणीय

भोपाल ■ प्रतिनिधि

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि अक्षय पात्र फाउंडेशन द्वारा स्वच्छ और पौष्टिक भोजन विद्यार्थियों तक पहुँचाने का पुनीत कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिस साफ़-सफ़ाई से और पोषक तत्वों की आवश्यकता को ध्यान में रखकर भोजन बनाने का कार्य किया जा रहा है, वह अनुकरणीय है। उन्होंने संस्था में कार्यरत सभी कर्मचारियों के समर्पण और सेवा-भाव की सराहना की। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने शनिवार को भोपाल में अक्षय पात्र फाउंडेशन की केंद्रीयकृत रसोई का अवलोकन किया।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि अक्षय पात्र फाउंडेशन का यह प्रयास न केवल बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास में सहायक है, बल्कि यह राष्ट्र निर्माण की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है। उन्होंने संस्था के समर्पित कर्मचारियों और प्रबंधन टीम के प्रयासों की सराहना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि भविष्य में यह संस्था और अधिक बच्चों तक अपनी सेवाएं पहुंचाएगी और अन्य संस्थानों को भी प्रेरित करेगी। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने संस्था की स्वचालित प्रक्रिया, सुव्यवस्थित संचालन और योजनाबद्ध कार्यप्रणाली की सराहना की। उन्होंने कहा कि अक्षय पात्र फाउंडेशन न केवल बच्चों को स्वच्छ और पौष्टिक भोजन उपलब्ध करा रहा है, बल्कि यह कार्य अत्यंत प्रभावशाली और अनुकरणीय तरीके से किया जा रहा है। संस्था का सुव्यवस्थित संचालन इसके योजनाबद्ध दृष्टिकोण को दर्शाता है। भोजन वितरण के लिए विशेष वाहनों का उपयोग, समय प्रबंधन का सख्त पालन, पोषण गुणवत्ता की नियमित जाँच और प्रबंधन टीम के बीच उत्कृष्ट समन्वय इसे और अधिक प्रभावी बनाते हैं।

युवा पीढ़ी में ऊर्जा है, सही अवसर से वे गढ़ेंगे सफलता के नए कीर्तिमान : शुक्ल

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि युवाओं को विभिन्न अवसर उपलब्ध कराकर उन्हें स्वावलंबी बनाना है। युवा पीढ़ी में ऊर्जा है, सही अवसर से वे सफलता के नए कीर्तिमान गढ़ेंगे। उप मुख्यमंत्री ने टीआरएस महाविद्यालय रीवा में विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना के तहत विभिन्न कंपनियों में चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर डेक्कन मैनेजमेंट संस्थान पुणे व महाविद्यालय के बीच एमओयू भी हुआ। शुक्ल ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में छात्रों को अध्ययन के साथ रोजगार के अवसर की जानकारी देने का प्रावधान है। टीआरएस महाविद्यालय में इस कार्य की शुरूआत की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि जिले के सभी महाविद्यालयों में विभिन्न कंपनियों को आमंत्रित कर विद्यार्थियों को कैम्पस चयन का मौका दिलाया जाए। विद्यार्थियों के मार्गदर्शन के लिये स्वरोजगार से संबंधित सेमिनार भी आयोजित किये जाएं।

कोहरे और ठंड की चपेट में राजधानी

अगले 3 दिनों में बारिश की संभावना

भोपाल ■ निसं

अलग-अलग स्थानों पर बनी चार मौसम प्रणालियों के प्रभाव से हवा का रुख पूर्वी एवं दक्षिण-पूर्वी हो गया है। इस वजह से पूरे प्रदेश में रात के तापमान में वृद्धि होने लगी है। इससे कड़ाके की ठंड से राहत मिल गई है। हालांकि राजधानी भोपाल कोहरे और ठंड की चपेट में है।

मौसम विज्ञानियों के अनुसार फिलहाल न्यूनतम तापमान में विशेष गिरावट के आसार नहीं हैं। 27 दिसंबर को एक प्रभावी पश्चिमी विक्षोभ के उत्तर भारत में पहुंचने की संभावना है। उसके असर से 28 दिसंबर से बादल छा सकते हैं। साथ ही प्रदेश में कई जिलों में रुक-रुककर वर्षा का सिलसिला भी शुरू हो सकता है। इस दौरान घना कोहरा भी छाने के आसार हैं। मौसम विज्ञान केंद्र से मिली जानकारी के अनुसार वर्तमान में पश्चिम उत्तर भारत के ऊपर जेट स्ट्रीम बना हुआ है। बंगाल की खाड़ी में गहरा कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। पाकिस्तान और उससे लगे जम्मू पर एक पश्चिमी विक्षोभ द्रोणिका के रूप में सक्रिय है। पश्चिमी राजस्थान और उससे लगे पाकिस्तान पर एक प्रेरित चक्रवात बना हुआ है। रविवार को एक कमजोर तीव्रता का पश्चिमी विक्षोभ उत्तर भारत में आने वाला है।

27 दिसंबर से बदलेगा मौसम

वरिष्ठ मौसम विज्ञानी अजय शुक्ला ने बताया कि बंगाल की खाड़ी में बना गहरा कम दबाव का क्षेत्र शनिवार को अवदाब के क्षेत्र में भी परिवर्तित हो सकता है। इसके प्रभाव से अभी हवाओं का रुख उत्तरी होने की संभावना कम है। इस वजह से रात के तापमान में बढ़ोतरी का क्रम जारी रह सकता है। उधर 27 दिसंबर को आने वाले पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से प्रदेश के कई जिलों में वर्षा होने की संभावना है। इससे दिन के तापमान में गिरावट होगी। साथ ही कहीं-कहीं घना कोहरा भी छा सकता है।

परीक्षा नहीं पहली और दूसरी के छात्रों का होगा मौखिक मूल्यांकन

तीसरी-चौथी की परीक्षाएं 6 मार्च से, 6वीं-7वीं कक्षा की परीक्षा 6 से 12 मार्च तक

भोपाल ■ निसं

प्रदेश के सरकारी स्कूलों की तीसरी, चौथी, छठी और सातवीं कक्षा की वार्षिक परीक्षा छह मार्च से आयोजित की जाएंगी। राज्य शिक्षा केंद्र ने इसकी समय-सारिणी घोषित कर दिया है। तीसरी व चौथी कक्षा की परीक्षाएं छह से 11 मार्च तक और छठी व सातवीं की परीक्षाएं छह से 12 मार्च तक आयोजित की जाएंगी। इस समय सारिणी के अनुसार परीक्षाओं की समय अवधि ढाई घंटे की रहेगी। परीक्षा दोपहर दो बजे से शाम 4.30 बजे तक चलेगी। छह से 12 मार्च के बीच स्थानीय अवकाश होने पर भी ये परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी।

सभी सरकारी स्कूलों में पहली व दूसरी कक्षा में परीक्षा नहीं ली जाएगी। इनका आकलन अभ्यास पुस्तिका के माध्यम से किया जाएगा। साथ ही गतिविधि आधारित व मौखिक मूल्यांकन होगा। इसमें हिंदी, अंग्रेजी व गणित विषय में सीखने की क्षमता के स्तर का परीक्षण होगा।

तीन भाषाएं जरूरी, सावधानी रखने को कहा: प्राचार्यों से कहा गया है कि परीक्षा का आवेदन पत्र भरते समय भाषा चयन को लेकर विद्यार्थियों से चर्चा कर लें। तीसरी व चौथी कक्षा में अतिरिक्त भाषा वैकल्पिक है। प्रथम भाषा के रूप में हिंदी, उर्दू या मराठी का चयन करने पर द्वितीय भाषा अंग्रेजी लेनी होगी। वहीं प्रथम भाषा के रूप में अंग्रेजी का चयन करने पर द्वितीय भाषा के रूप में हिंदी का चयन करना अनिवार्य होगा। वहीं छठी व सातवीं कक्षा में अगर कोई विद्यार्थी प्रथम भाषा के रूप में उर्दू या मराठी का चयन करता है तो उसे द्वितीय भाषा के तौर पर अंग्रेजी और तृतीय भाषा के रूप में हिंदी का चयन करना अनिवार्य होगा। वहीं प्रथम भाषा के रूप में अंग्रेजी का चयन करने पर द्वितीय भाषा हिंदी और तृतीय भाषा के रूप में संस्कृत, उर्दू या मराठी भाषा का चयन करना अनिवार्य होगा।

संक्षिप्त समाचार

आठ सालों से सातवें वेतनमान की अंतर राशि के इंतजार में बिजलीकर्मी

भोपाल। बिजली कंपनी में कर्मचारियों की कमी दूर करने, मौजूदा इंजीनियरों को 8 सालों से सातवें वेतन आयोग की अंतर राशि का भुगतान एवं अन्य कई समस्याओं को लेकर बिजली कर्मचारी संगठन एमडी से रूबरू हुए और अपनी समस्याओं को रखा। मध्यप्रदेश विद्युत मंडल पत्रोपाधि अभियंता संघ के जीके वैष्णव ने बताया कि बिजली कर्मचारी और इंजीनियरों की समस्याओं पर लंबे समय से ध्यान नहीं दिया जा रहा है, जिसके कारण झोन स्तर पर भी व्यवस्थाएं कमजोर हो रही हैं। उपभोक्ताओं को और ज्यादा बेहतर बिजली सुविधा दी जा सकती है। यहां पर कुशल लाइनमैन और लाइन स्टाफ की आवश्यकता है। इंजीनियरों का यह भी कहना था कि दुर्घटना की स्थिति में पुलिस द्वारा सहायक यंत्री और कनिष्ठ अभियंता पर प्रकरण दर्ज किया जाता है, जिसका भी विरोध कर रहे हैं। एमडी रजनी सिंह ने आश्वासन दिया कि इस मामले में पुलिस के आला अधिकारियों से चर्चा की जाएगी। इंजीनियरों की सबसे बड़ी दिक्कत यह है कि लंबा समय हो गया प्रमोशन नहीं हो रहा तो सहायक यंत्री को वरीयता सूची के अनुसार करंट चार्ज में कार्यपालन यंत्री बनाया जाए।

ईडी-सीबीआई भाजपा नेताओं पर कार्रवाई नहीं करती

भोपाल। पिछले 20 साल में भाजपा की सरकार में भ्रष्टाचार बढ़ा है, भाजपा के कार्यकर्ता और दलाल कहा से कहा पहुंच गए। प्रदेश के सभी जिलों में यही स्थिति है। ईडी, सीबीआई कभी इन लोगों पर कार्रवाई नहीं करती। अगर भाजपा के लोगों पर कार्रवाई करे तो मालूम पड़ेगा। यह बात पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने शनिवार को कही। दिग्विजय सिंह ने कहा कि देश के गृह मंत्री अमित शाह ने डॉ. भीमराव आंबेडकर को लेकर अमर्यादित बात कही है। हम उनके इस्तीफे की मांग कर रहे है। लेकिन प्रधानमंत्री का उनको पूरा सपोर्ट है। उन्हें माफी मांगना चाहिए। पूर्व सीएम ने कहा कि सदन में खुद भाजपा के नेता धक्का मुक्की कर रहे है, और आरोप हम पर लगा रहे है। दरअसल, वह खुद सदन की कार्रवाई को टालना चाहते है। जब हम अडानी और भ्रष्टाचार की बात करते है, तो भाजपा के सांसद ही हंगामा करते है।

कांग्रेस के प्रदर्शन में बाबा साहब की तस्वीर से छेड़छाड़

भोपाल। बाबा साहब अंबेडकर की तस्वीर से छेड़छाड़ मामले में कांग्रेस ने शनिवार को राजधानी के टीटी नगर थाने में केंद्रीय मंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के खिलाफ शिकायत की। कांग्रेस पार्टी ने दोनों भाजपा नेताओं के विरुद्ध एससी-एसटी एक्ट में एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई। पूर्व विधायक और कांग्रेस नेता कमलेश्वर पटेल के साथ टीटी नगर थाने पहुंचे कांग्रेस नेताओं ने कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और आईटी सेल के प्रभारी अमित मालवीय ने बाबा साहब अंबेडकर की तस्वीर से छेड़छाड़ की है।

मंत्री सारंग ने किया अल्पना टॉकीज तिराहे पर सड़क व नाली निर्माण कार्य का निरीक्षण

मंत्री सारंग के प्रश्नों पर निरुत्तर रह गए अधिकारी, बगैर सर्वे कार्य प्रारंभ करने पर लगाई फटकार

- न ड्राइंग न डिजाईन ठेकेदार अपनी मर्जी से कर रहा निर्माण कार्य
- भोपाल शहर में नहीं बनने देंगे बाढ़ की स्थिति- मंत्री सारंग

भोपाल ■ निसं

सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने शनिवार को शहर के हमीदिया रोड पर अल्पना तिराहे से भारत टॉकीज तिराहे पर निर्माणाधीन सड़क एवं नाले के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मंत्री सारंग ने निर्माण कार्य में अनियमितताओं और लापरवाही पर अधिकारियों के समक्ष नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने मौके पर ही पीडब्ल्यूडी के चीफ इंजीनियर संजय मस्के को जमकर फटकार लगाई। मंत्री सारंग ने सड़क व नाली निर्माण के नक्शे और सर्वे के बारे में जानकारी मांगी तो उसपर भी अधिकारी जवाब नहीं दे सके। जिसको लेकर मंत्री सारंग ने निमार्ण कार्य रोककर सर्वे व ड्राइंग-डिजाईन तैयार कर पूरा प्लान बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कलेक्टर से लोक निर्माण विभाग, नगर निगम, मेट्रो और यातायात सहित सम्बंधित सभी विभागों के साथ बैठक कर प्लान तैयार करने के निर्देश दिये।

मंत्री सारंग ने कहा कि इस नाले का चैनेलाइजेशन पातरा नाले में किये जाने से उसपर दबाव बढ़ेगा। जिससे बारिश के समय भोपाल में बाढ़ की स्थिति निर्मित हो जायेगी और इससे 10 लाख लोग प्रभावित होंगे। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की बाढ़ की स्थिति न बने यह सुनिश्चित करने के लिये सभी संबंधित विभाग समन्वय के साथ कार्य करें।

न ड्राइंग न डिजाईन ठेकेदार अपनी मर्जी से कर रहा निर्माण कार्य: निरीक्षण के दौरान मंत्री सारंग ने पाया कि ड्राइंग और डिजाइन न होने के कारण ठेकेदार अपनी मनमर्जी से निर्माण कार्य कर रहा है। जहां जितनी आवश्यकता नहीं है वहाँ भी ठेकेदार द्वारा बड़ा निर्माण कार्य किया जा रहा है। जिससे शासन के पैसों की बर्बादी हो रही है। मंत्री सारंग ने निमार्ण कार्य रोककर सर्वे कर ड्राइंग-डिजाईन तैयार कर पूरा प्लान बनाने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान मिली खामियां

निरीक्षण के दौरान मंत्री सारंग ने पाया कि निर्माण कार्य बिना उचित सर्वेक्षण और योजना के शुरू किया गया है। नगर निगम द्वारा बनाई गई नाली नीचे है, जबकि पीडब्लूडी द्वारा बनाई गई नाली ऊंची है। पीडब्लूडी की लापरवाही के कारण नाली में पानी की निकासी नहीं हो सकेगी। नालियों का निर्माण भी सही तरह से नहीं किया गया है। वहीं जब मंत्री सारंग ने चीफ इंजीनियर से परियोजना की प्लानिंग और सर्वेक्षण की जानकारी मांगी तो अधिकारी निरुत्तर रह गए। इस पर मंत्री ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की।

सड़कों पर उड़ते धूल के गुब्बारे से आवागमन हुआ दूभर

मंत्री सारंग ने निरीक्षण के दौरान यह भी पाया कि नाले के निर्माण के बाद बैक फिलिंग भी गुणवत्तायुक्त जीरा गिट्टी से ना कर नाली खुदाई से निकले मलबे से ही कर दी गई है। जिससे धूल के गुब्बारों से नागरिकों का आवागमन दूभर हो गया है। इसके साथ ही कई स्थानों पर बगैर अतिक्रमण हटाये ही निर्माण कार्य किया गया है, जिससे नाली आड़ी- तिरछी बनी है 7 इसको लेकर मंत्री सारंग सख्ती दिखाते हुए निर्माण कार्य की गुणवत्ता में सुधार करने के साथ ही अतिक्रमण हटाने के निर्देश भी दिये।

10 लाख लोग होंगे प्रभावित: पातरा नाले में चेनेलाइजेशन के लिए आवश्यक नगर निगम की एनओसी भी नहीं ली गई थी। मंत्री सारंग ने इस अनियमितता को गंभीरता से लिया और नगर निगम के साथ समन्वय न होने पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि बगैर योजनाबद्ध चैनेलाइजेशन के पातरा नाले में पानी डिस्चार्ज करने से यह नाले निर्माण कार्य शहर में बाढ़ का कारण बन सकता है, जिससे 10 लाख से अधिक लोग प्रभावित होंगे। मंत्री सारंग ने अधिकारियों को निर्देश दिए है कि भविष्य में ऐसी परिस्थिति से बचने के लिए सभी संबंधित विभागों द्वारा समन्वय के साथ योजना बनाई जाए।

हमीदिया अस्पताल के वार्ड बॉय को मिला सिर्फ एक महीने का वेतन

अब भूख हड़ताल की तैयारी

भोपाल ■ निसं

भोपाल के हमीदिया अस्पताल में वार्ड बॉय, कंप्यूटर ऑपरेटरों की सैलरी शनिवार सुबह सिर्फ एक महीने की आई है, हालांकि एक महीने की सैलरी और बोनस अभी भी बाकी है। जिसके बाद अब वार्ड बॉयज भूख हड़ताल की तैयारी कर रहे हैं। इनका कहना है कि शुक्रवार को सिक्योरिटी गार्ड के साथ-साथ हाउस कीपिंग स्टाफ की भी सैलरी आ गई। बात दें कि, 17 दिसंबर को 500 से ज्यादा वार्ड बॉय और टेक्नीशियन ने हड़ताल कर दिया था। सुबह 7 बजे से सभी कर्मचारी अस्पताल के सामने धरने पर बैठे थे। जिसके बाद प्रबंधन ने इन्हें शुक्रवार और शनिवार को सैलरी देने का आश्वासन दिया था।

हमीदिया अस्पताल के वार्ड बॉय, लैब टेक्नीशियन को पिछले 3 महीने से सैलरी नहीं मिली है। कर्मचारियों ने बताया कि 3 महीने से सैलरी नहीं दी गई है। वह लगातार कंपनी और अस्पताल के अधिकारियों से चर्चा कर रहे हैं। उसके बाद भी उन्हें तनख्वाह नहीं दी जा रही है। उनका कहना है कि, हम लोगों को घर के खर्च चलाने में भारी परेशानी हो रही है। अगर हमें जल्द सैलरी नहीं दी गई तो हम यहां से कलेक्टर ऑफिस तक रैली निकाल कर प्रदर्शन करेंगे।

सैलरी के लिए मिले 2.5 करोड़ रुपए

गांधी मेडिकल कॉलेज ने एजाइल कंपनी को 5 दिन पहले करीब ढाई करोड़ रुपए का पेमेंट किया है। इसके बाद करीब 12 करोड़ रुपए जीएमसी पर बकाया है। इस वजह से कंपनी ने कर्मचारियों की सैलरी रोक दी है। दो महीने पहले कर्मचारियों की हड़ताल के बाद कंपनी को 1 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया था। हालांकि, तब दिवाली बोनस नहीं दिया गया था। इससे पहले इन कर्मचारियों ने तीन से चार बार कंपनी को पत्र लिखकर शिकायत की थी। पत्र के जवाब में कंपनी ने सिर्फ आश्वासन दिया था।

पलाश रेसीडेंसी के सामने से 45 शेड हटाए

भोपाल के टीटी नगर में कार्रवाई, सड़क पर कीचड़ करने वालों पर जुर्माना

भोपाल ■ निसं

भोपाल के टीटी नगर इलाके में शनिवार को जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की। एमपी टूरिज्म के होटल पलाश रेसीडेंसी के सामने से करीब 45 शेड हटाए गए। यहां पर टू व्हीलर-फोर व्हीलर्स के गैरेज है। दुकानदारों ने सड़क तक कब्जा जमा लिया। जिससे जाम की स्थिति बनती थी। एसडीएम अर्चना रावत ने बताया कि कई बार तो एम्बुलेंस तक फंस जाती थी। इसलिए यह कार्रवाई की गई। एसडीएम रावत ने बताया, पलाश रेसीडेंसी के पास ही 3 से 4 सरकारी क्वार्टर में पानी और बिजली की सप्लाई बंद करने की कार्रवाई भी कर रहे हैं। इनमें अवैध तरीके से कब्जा है। संपदा विभाग को भी लेटर लिखेंगे। ताकि, कब्जा हट सके। कार्रवाई के दौरान कुछ लोगों ने आपत्ति ली, लेकिन अफसरों की सख्ती के आगे उनकी एक न चली। एसडीएम रावत के अलावा एमआईसी मेंबर जगदीश यादव भी मौजूद रहे।

मेले में जाने के लिए रास्ता भी नहीं मिलता: एसडीएम रावत ने बताया कि टीटी नगर ग्राउंड पर ही भोपाल उत्सव मेला लग रहा है। जहां हजारों लोग पहुंच रहे हैं, लेकिन सड़क पर शेड बनने और अतिक्रमण होने की वजह से उन्हें आने-जाने में परेशानी होती है। कई बार तो एम्बुलेंस भी फंस चुकी हैं। इसलिए निगम और पुलिस की मदद से कार्रवाई की गई। व्हीकल वॉशिंग सेंटर पर भी जुर्माना किया गया है। यहां का पानी सड़क पर भर जाता है। जिससे कीचड़ हो रहा है।

गाड़ियां भी हटवाई, जुर्माना किया: कार्रवाई के दौरान गैरेज की उन गाड़ियों को हटाया गया, जो सड़क पर ही खड़ी होकर ट्रैफिक को जाम कर रही थी। वहीं, गैरेज संचालकों पर जुर्माना भी किया गया।

मध्यप्रदेश ड्रोन नीति पर एक्सपर्ट पैनल वर्कशॉप 23 को

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मौजूदगी में मध्य प्रदेश की नई ड्रोन नीति पर एक दिवसीय एक्सपर्ट पैनल वर्कशॉप 23 दिसम्बर को कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर भोपाल में होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा ड्रोन केंद्रित सूचना पोर्टल भी लॉन्च किया जाएगा। इस दौरान प्रशासन और नागरिक सेवाओं के लिए ड्रोन तकनीक के बढ़ते उपयोग और राज्य को देश का ड्रोन हब बनाने पर विचार विमर्श होगा। इस अवसर पर मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन कार्यशाला को संबोधित करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार लोक कल्याणकारी सेवाओं, नवाचार, उत्कृष्टता और उत्पादकता को बढ़ाने के लिए ड्रोन टेक्नालॉजी का उपयोग करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के ड्रोन सेक्टर के मिशन से प्रेरित होकर हमने ड्रोन क्षेत्र के लिए आगे बढने का संकल्प लिया है।

खाते किराये पर देने वाला युवक पकड़ाया

अवैध रकम आने पर मिलता था 15 हजार रुपए कमीशन

भोपाल ■ निसं

भोपाल की कोलार पुलिस ने एक युवक को हिरासत में लिया है। उस पर साइबर ठगों को खाता बेचने का आरोप है। उसके खाते में आने वाली अवैध रकम से उसे कमीशन दिया जाता था। उसके खाते से लगातार बड़ा लेनदेन हो रहा था। बैंक की सूचना पर पुलिस ने पूरी कार्रवाई को अंजाम दिया है।

कोलार थाना प्रभारी संजय सोनी ने बताया कि कुछ दिन पहले बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने एक सूचना भेजी। इसमें बताया गया एक खाते में संदिग्ध लेनदेन हो रहा है। एक दिन में कई बड़े ट्रांजेक्शन हो रहे हैं। यह खाता राहुल श्रीवास्तव ने करीब 3 महीने पहले ही खुलवाया था।

पुलिस ने जानकारी जुटाई तो पता चला राहुल प्राइवेट जॉब करता है। पूछताछ में राहुल ने बताया कि पैसों की जरूरत होने पर उसने खाता 15 हजार रुपए में बैतूल के एक व्यक्ति को किराए पर देना बताया था। खाते से होने वाले हर ट्रांजैक्शन पर उसे कमिशन मिलता था। फिलहाल खाताधारक पर एफआईआर नहीं की गई है।

अयोध्या नगर में पकड़ा जा चुका गुर्गा

कुछ दिन पहले ही अयोध्या नगर में ठग गैंग का गुर्गा पकड़ाया था। जो 5-5 हजार रुपए का लालच देकर मजदूर और जरूरतमंद लोगों के खाते खुलवाकर ठगों को बेच रहा था। अभी उसका साथी पुलिस की पकड़ में नहीं आया है। पुलिस को उसकी तलाश है। पुलिस राहुल और इस गैंग के संपर्क भी खंगाल रही है।

अपेक्स बैंक में अन्तरराष्ट्रीय ध्यान दिवस कार्यक्रम आयोजित

भोपाल ■ निसं

अपेक्स बैंक के टी.टी.नगर स्थित मुख्यालय भवन के सभागार में संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा घोषित प्रथम अन्तर्राष्ट्रीय ध्यान दिवस के अवसर पर माननीय सहकारिता व खेलकूद व युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग के निर्देशन में एवं अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक श्री मनोज कुमार गुप्ता जी के नेतृत्व में, सहकारिता विभाग, बैंक के वरिष्ठ अधिकारीगण/कर्मचारीगण ने रामचंद्र मिशन भोपाल के प्रेसचिप्टर श्री नील केलकर डा.आर.के. श्रीवास्तव द्वारा संचालित हार्ट-बेस्ड मेडिटेशन स्पोर्ट्स ट्रांसफोरमेशन सेशन में उपस्थित होकर भरपूर लाभ उठाया।

आरंभ में मां सरस्वती को दीप प्रवलित के बाद अतिथियों का पुष्प गुच्छ से स्वागत किया। तत्पश्चात बैंक के प्रबंध संचालक श्री मनोज कुमार गुप्ता ने ध्यान का हमारे जीवन में क्या महत्व है और यह क्यों जरूरी है, पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज के समय में हमारे खानपान के साथ हमारी कार्यशैली भी तनावपूर्ण है, इसके त्वरित निराकरण हेतु ध्यान ही ऐसा माध्यम है, जो हमें स्वस्थ व सकारात्मक काम करने के लिए प्रेरित करता है। इसलिए मैंने आप सभी को इस अवसर का लाभ उठाने के लिए आज एकत्रित किया है। हमलोग इससे स्वयं भी लाभान्वित हों और अपने परिवारजनों को भी इसका लाभ प्रदान करें।

इस अवसर पर सर्वश्री अरुण माथुर, मनोज सिन्हा, श्रीमती अरुणा दुबे, कीर्ति सक्सेना, संजय मोहन भटनागर, अरविन्द बौद्ध, करूण यादव, विवेक मलिक, आर.व्ही.एम.पिल्लई, आशीष राजौरिया, अजय देवड़ा सहित समस्त अधिकारी कर्मचारी उपस्थित हुए।

22 राज्यों की लोक संस्कृति पर केन्द्रित हुए नृत्य

राष्ट्रीय बाल रंग के आयोजन से मध्यप्रदेश देशभर में होता है गौरवान्वित

भोपाल ■ निसं

राष्ट्रीय बाल रंग के दूसरे दिन 21 दिसम्बर को राष्ट्रीय मानव संग्रहालय श्यामला हिल्स में 22 राज्यों की लोक संस्कृति पर केन्द्रित नृत्यों की शानदार प्रस्तुतियां देशभर के बच्चों ने दी। इन प्रस्तुतियों में एक भारत-श्रेष्ठ भारत की झलक देखने को मिली। बाल रंग में विभिन्न राज्यों के 10 हजार बच्चें अनेक रचनात्मक गतिविधियों में सहभागिता कर रहे हैं।

लोक नृत्य बच्चों को एक-दूसरे से जुड़ने का बेहतर माध्यम

बाल रंग के दूसरे दिन सचिव स्कूल शिक्षा डॉ. संजय गोयल बच्चों के बीच पहुंचे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय बालरंग कार्यक्रम मध्यप्रदेश का महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में बच्चों को पढ़ाई के साथ विभिन्न गतिविधियों से सक्रिय रूप से जोड़ने की अनुशंसा की गई है। बाल रंग में शामिल बच्चे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर दूसरे बच्चों के लिये प्रेरणा स्त्रोत बनेंगे।

उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय मानव संग्रहालय की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान है। बच्चों को संग्रहालय का भ्रमण भी करवाया जाये। सचिव स्कूल शिक्षा डॉ. गोयल ने इस मौके पर प्रकाशित बाल पत्रिका का विमोचन भी किया।

लोक नृत्य की प्रस्तुतियां: कार्यक्रम की शुरूआत में पंजाब के बच्चों ने लोक संस्कृति पर केन्द्रित नृत्य की प्रस्तुति दी। इस प्रस्तुति में पंजाब की विरासत का बखान था। मध्यप्रदेश के बच्चों ने महाकौशल अंचल के लांगुरिया लोक नृत्य की प्रस्तुति दी। इसमें ईश्वर की आराधना आस्था के साथ किस तरह से होती है। उसको आकर्षक तरीके से प्रस्तुत किया गया था। कार्यक्रम में मानव संग्रहालय के निदेशक प्रो. अमिताभ पांडे और विभागीय अधिकारी भी मौजूद थे।

विकसित भारत प्रदर्शनी

बाल रंग में लगाई गई प्रदर्शनी में राजस्थान के स्टॉल में हवा महल, जन्तर-मन्तर, राज्य के परंपरागत वेश-भूषा और वर्ष 2047 में विकसित राजस्थान की कल्पना को मॉडल के जरिये दर्शाया गया। गोवा राज्य के स्टॉल में वहां की संस्कृति, त्यौहार, मछली पालन व्यवसाय और पर्यटन के क्षेत्र में लगातार हो रहे विकास को दर्शाया गया था। इन स्टॉलों में भोपाल के स्कूलों के बच्चों ने मेहनत से मॉडल तैयार किये है। बाल रंग में बच्चों को देश और दुनिया में विज्ञान के क्षेत्र में हो रही प्रगति से प्रदर्शनी के माध्यम से अवगत कराया गया। कार्यक्रम की शुरूआत में बच्चों ने अपने राज्यों की पट्टिका को लेकर मार्च पास्ट भी किया। बाल रंग के अंतिम दिन 22 दिसम्बर रविवार को प्रातः 10 बजे से गतिविधियों शुरू होंगी और बच्चों को पुरस्कार वितरित किये जायेंगे। कार्यक्रम स्थल में बच्चों का प्रवेश निशुल्क रखा गया है। बच्चों को अपनी शाला के गणवेश के साथ आना होगा।

संक्षिप्त समाचार

संस्कार भारती इकाई खंडवा द्वारा बांग्लादेश के खिलाफ लाइव पेंटिंग कार्यक्रम आज

खंडवा। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर लगातार अत्याचार हो रहे हैं, बै गुनाहों को मारा जा रहा है,मंदिरों को तोड़ा जा रहा है, हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को लेकर पूरे भारत देश में बांग्लादेश के खिलाफ प्रदर्शन एवं विरोध कार्यक्रम किए जा रहे हैं, समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि बांग्लादेश के हिंदुओं के समर्थन में एवं बांग्लादेश सरकार के खिलाफ संस्कार भारती इकाई, जिला खंडवा द्वारा लोक जागरण की दृष्टि से शहर के चित्रकारों द्वारा लाइव पेंटिंग कर बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों के विरोध में प्रदर्शन किया जाएगा, लाइव पेंटिंग के माध्यम से प्रदर्शन का यह कार्यक्रम 22 दिसंबर रविवार को प्रात: 9:00 बजे से 1:00 बजे तक घंटाघर चौक पर आयोजित होगा, संस्कार भारती इकाई के अध्यक्ष विजय सोनी, महामंत्री मोनिका पालीवाल, कार्यक्रम संयोजक मयंक गीते ने सभी नगर वासियों से इस लाइव पेंटिंग कार्यक्रम में चित्रकारों का उत्साहवर्धन एवं अपना समर्थन जताने का अनुरोध किया है।

जिला शिक्षा अधिकारी ने स्कूलों का किया निरीक्षण

सीहोर। जिला शिक्षा अधिकारी श्री संजय तोमर ने राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम में अंतर्गत सीहोर के एक्सीलेंस स्कूल एवं एमएलबी स्कूल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधितों को निर्देश दिए कि तंबाकू मुक्त शिक्षण संस्थान बनाने के लिए सभी इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं। उल्लेखनीय है कि शासन के निर्देशानुसार राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अन्तर्गत सभी शैक्षणिक संस्थानों को तंबाकू मुक्त बनाने के लिए एक अभियान के रूप में कार्य किया जा रहा है।

सब्जी काटने की मशीन में दुपट्टा फंसा, महिला की मौत

उज्जैन। उज्जैन में महाकालेश्वर मंदिर के अन्न क्षेत्र में एक हादसे में महिला कर्मचारी की मौत हो गई। महिला यहां आलू-प्याज छीलने वाली मशीन पर काम कर रही थी। इसी दौरान मशीन में दुपट्टा फंसने से उसके गले में फंदा कस गया। महिला ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसा शनिवार सुबह करीब 6 बजे हुआ। महिला की पहचान रजनी खत्री (30) के रूप में हुई है। मौके पर मौजूद कर्मचारियों ने तुरंत मशीन बंद की। रजनी के गले से फंदा निकालकर उसे अवंतिका अस्पताल ले गए। यहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

गर्भवती नाबालिग को झांसी से पुलिस ने किया बरामद

ग्वालियर। ग्वालियर की झांसी रोड थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए आठ महीने पहले लापता हुई नाबालिग को झांसी से बरामद कर लिया है। अगवा की गई किशोरी गर्भवती है और उसे अगवाकर ले जाने वाला आरोपी भी नाबालिग है।

आयुक्त के निर्देश के बाद जागा प्रशासन, नगर के बाजार का अतिक्रमण हटाने की शुरू हुई मुहिम

मुर्गा - मुर्गी, अंडे सहित हाथठेले वालों पर की चालानी कार्रवाई

सड़क किनारे रखे टीन शेडो को हटाकर जब्त किया

सीहोर ■ निसं

2 दिन पूर्व सिवनी मालवा आए नर्मदापुरम आयुक्त के.जी.तिवारी ने शहर की दुर्दशा देखकर एसडीएम सरोज सिंह परिहार, सीएमओ शीतल भलावी, तहसीलदार नितिन राय को निर्देशित किया था कि सिवनी मालवा नगर में बेतहाशा अतिक्रमण है। जिसके चलते आवागमन में आमजन को परेशानी होती है। शीघ्र ही प्रमुख विभागों का दल बनाकर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करें। इस दौरान आयुक्त श्री तिवारी ने नगर पालिका अध्यक्ष रितेश जैन से भी कहा कि आपके नगर की व्यवस्था दुरुस्त कीजिए और अतिक्रमण हटाने की करवाई करिए। इसी के चलते शनिवार को तहसीलदार नितिन राय के नेतृत्व में दोपहर 12:00 बजे बस स्टैंड चौराहे से गांधी चौक तक अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। जिसमें मुख्य रूप से अस्थाई अतिक्रमणकारियों को हटाकर चालानी कार्रवाई भी की। अतिक्रमण महिम के दौरान मुख्य मार्ग लोहा बाजार और सड़क किनारे फुटपाथ पर रखी हुई गुमटियां और दुकानों के ऊपर लगे तीन सेट हाथ तेलों को हटाया गया अतिक्रमण हमले ने हटाए गए सामान को जब्त कर नगर पालिका की ट्रेक्टर ट्राली में रख कर ले गए।

अतिक्रमण हटाने की खबर लगते ही सड़क से सामान हटाया: नगर में अतिक्रमण हटाए जाने की खबर आग की तरह बाजार में फैल गई। जिसके बाद आम दुकानदार अपनी अपनी दुकानों के सामने लगे टीन शेड खोलने देखे गए और कइयों ने अपनी दुकानों के सामने सड़कों पर रख रखा सामान भी आननफानन में हटाया।

जारी रहेंगी अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई: तहसीलदार नितिन राय ने बताया कि शहर को अतिक्रमणमुक्त और सुंदर बनाने के लिए राजस्व, पुलिस और नगर पालिका दल द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही सतत जारी रहेगी। हमारी नगर के सभी व्यापारियों से अपील है कि वह सड़कों और बाजार की गलियों में अतिक्रमण ना करें।

दुकानदारों ने एक समान कार्रवाई न होने पर किया रोष व्यक्त

अतिक्रमण अमले द्वारा की जा रही कार्रवाई के दौरान पुराने बस स्टैंड परिसर की दुकानों के ऊपर लगे तीन सेट को मशीन से गिराया। जो नीचे खड़ी मोटरसाइकिलों पर जा गिरा। जिसके चलते दुकानदारों ने उक्त कार्यवाही के खिलाफ रोष व्यक्त करते हुए अन्य दुकानदारों के टीन शेड भी गिराने की मांग की। जिस पर अतिक्रमण अमले आगे बढ़ते हुए अन्य दुकानदारों से अपने अपने टीन शेड दुकानों से खोलने की अपील की। जिस पर गुस्साएं दुकानदार अतिक्रमण हमले से बहस करने लगे। तब तहसीलदार नितिन राय को पुलिस बल बुलाना पड़ा।

अमले के जाते ही फिर सड़क पर रखा सामान की गई चालानी कार्रवाई

अतिक्रमण हटाओ मुहिम को दोपहर 2.30 बजे के करीब बंद कर दिया गया। अतिक्रमण अमले के जाते ही नगर के कुछ व्यापारियों ने अपना-अपना सामान फिर यथावत सड़क पर रखकर व्यापार शुरू कर दिया।

भटगांव उप स्वास्थ्य केंद्र होगा स्वास्थ्य विभाग को हस्तांतरित, किया निरीक्षण

सोहागपुर ■ निसं

सोहागपुर ब्लॉक के ग्राम भटगांव में उप स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण किया गया है। इस केंद्र के नव निर्मित भवन का शीघ्र ही स्वास्थ्य विभाग को हस्तांतरित किया जाना है। हस्तांतरण के पूर्व भवन में उपलब्ध सभी व्यवस्थाओं का निरीक्षण गत दिनों सीबीएमओ डॉ. संदीप कुमार ने किया है। डॉ. संदीप कुमार ने बताया कि नेशनल हेल्थ मिशन एनएचएम भोपाल की मद से उक्त भवन बनाया गया है। निर्माण एजेंसी मां नर्मदा कंस्ट्रक्शन वर्क होशंगाबाद है। उन्होंने बताया कि जल्द ही भवन में स्वास्थ्य सेवाएं प्रारंभ होंगी।

सेंट पैट्रिक्स स्कूल में मनाया क्रिसमस त्यौहार

सोहागपुर ■ निसं

स्थानीय सेंड पैट्रिक्स सीनियर हायर सेकेंडरी स्कूल में शनिवार को क्रिसमस पर्व का आयोजन किया गया। आयोजन दौरान स्कूली विद्यार्थियों ने गीतों की प्रस्तुतियां दी। इसके अलावा छोटे-छोटे बच्चों ने सुंदर नृत्य प्रस्तुत कर शिक्षक शिक्षिकाओं का मन मोह लिया। प्राचार्य फादर दिलीप मिंज एवं मैनेजर फादर आईज़ेक एक्का इस दौरान विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रमों के बाद फादर्स ने पूरे स्टाफ, बच्चों व अभिभावकों को क्रिसमस पर्व की शुभकामनाएं दी।

छात्राओं को दिखाई गुरू गोविंद सिंह पर आधारित फिल्म

सोहागपुर ■ निसं

राष्ट्र रक्षा के लिए अपने परिवार की शहीदत स्वीकारने वाले गुरु गोविंद सिंह के पुत्रों पर आधारित फिल्म शनिवार को स्थानीय शासकीय कन्या शाला में दिखाई गई है। ताकि बच्चों को ज्ञात हो कि देश के लिए हमारे महान पूर्वजों ने किस तरह की कुर्बानियां दी हैं।

वर्तमान पीढ़ी को यह जानकारी मिले कि बलिदानियों ने देश को कैसे आक्रांताओं से बचाया है। ज्ञानी सुरजीत सिंह ने बताया कि एक-एक सिख ने सवा सवा लाख लोगों से अकेले लड़ाई की है। यह पूरा सप्ताह विशेष शहीदी वाला है। तथा 20 दिसंबर से लेकर 28 दिसंबर तक गुरू गोविंद सिंह का पूरा परिवार देश के लिए बलिदान हो गया था। ऐसे महान गुरु पिता गुरु गोविंद सिंह साहब जी पर आधारित फिल्म सभी स्कूलों में दिखाई जाएगी। जिन पर बच्चों को अपने इतिहास की जानकारी रहे।

सीएमएचओं ने सभी स्वास्थ्य संस्थाओं को दिए निर्देश

शीतघात से बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग ने जारी की एडवाइजरी

सीहोर ■ निसं

स्वास्थ्य विभाग ने शीतलहर के दृष्टिगत आमजन के एडवाइजरी जारी की है। सीएमएचओ डॉ सुधीर कुमार डेहरिया ने जिले की शहरी एवं विकासखण्ड स्तरीय स्वास्थ्य संस्था प्रभारियों निर्देश दिए हैं कि शीतलहर से बचाव के लिए समुदाय के लोगो को प्रचार-प्रसार के माध्यमो जागरूक किया जाए। सभी अस्पतालों द्वारा शीत से प्रभावित मरीजों के लिए विस्तृत कार्य योजना तैयार की जाए। शीत से संबंधित बीमारी की प्रभावी रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए सभी चिकित्सक, पैरा मेडिकल स्टाफ का उन्मुखीकरण किया जाए। इमरजेंसी कॉल के लिए रैपिड रिस्पांस टीम का गठन किया जाए। स्वास्थ्य संस्था में पर्याप्त मात्रा में संबंधित दवाइयों एवं एंटीबायोटिक की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि अस्पताल की क्षमता के अनुसार शीतघात के मरीजों के लिए पृथक से व्यवस्था की जाए। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र द्वारा अपने आस-पास के समुदाय के लिए जन जागरूकता अभियान चलाया जाए। जिसमें शीत से बचाव की विधि के बारे में जानकारी दी जाए।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र संबधित बीमारी के मरीज का पर्याप्त प्राथमिक उपचार करने के बाद ही जिला अस्पताल को रेफर करें। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र समीप के जिला अस्पताल से समन्वय स्थपित करें तथा अधिक संख्या में रोगियों को रेफर करने पर उसकी अग्रिम सूचना जिला अस्पताल को दें।

शीत घात से पहले बचाव के लिए उपाय

शीतलहर की आशंका होने पर स्थानीय मौसम पूर्वानुमान के लिये रेडियों, टेलीविजन, समाचार पत्र एवं मीडिया से शीतलहर के बारे में जानकारी रखें। फ्लू, बुखार, नाक बहना जैसी विभिन्न बीमारियों की संभावना आमतौर पर ठंड के लंबे समय तक संपर्क में रहने के कारण होती हैं। इसलिए आवश्यक न होने घर से बाहर न निकलें। आपातकालीन स्थिति के लिए आवश्यक वस्तुओं जैसे भोजन, पानी, ईंधन, बैटरी, चार्जर, आपातकालीन प्रकाश, और संबंधित दवाएं तैयार रखी जाये। घर में ठंडी हवा के प्रवेश रोकने के लिए दरवाजों तथा खिड़कियों की सही से बंद रखें। शीत ऋतु में मौसम के परिवर्तन होने से वातावरण का तापमान कम हो जाता है, जिससे विभिन्न प्रकार के रोग होने की संभावना रहती हैं।

सम्राट विक्रमादित्य राष्ट्रीय और शिखर सम्मान देगी मध्यप्रदेश सरकार

सीहोर। सम्राट विक्रमादित्य के नाम से मध्यप्रदेश सरकार द्वारा सम्राट विक्रमादित्य राष्ट्रीय सम्मान और शिखर सम्मान दिया जायेगा। सम्राट विक्रमादित्य राष्ट्रीय सम्मान की सम्मान राशि 11 लाख रूपये होगी। वहीं सम्राट विक्रमादित्य शिखर सम्मान में 2 लाख रूपये की राशि प्रदान की जाएगी। शिखर सम्मान प्रादेशिक होगा। शिखर सम्मान प्रतिवर्ष तीन प्रतिष्ठित संस्था एवं व्यक्तियों को प्रदान किये जायेंगे। पहली श्रेणी न्याय, दानशीलता, वीरता, सुशासन, राजनय, शौर्य होगी। दूसरी श्रेणी में खगोल विज्ञान, ज्योतिष विज्ञान तथा प्राच्य वांग्मय विषय को सम्मिलित किया गया है और तीसरी श्रेणी में रचनात्मक एवं जनकल्याणकारी कार्य करने वाली संस्था या व्यक्ति को सम्मान से अलंकृत किया जायेगा।

हितग्राही मूलक योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए जनकल्याण शिविर आयोजित

सीहोर। शासन की सभी जनकल्याणकारी योजनाओं से सभी पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान एवं सुशासन सप्ताह आयोजित किया जा रहा है। इसके तहत जिले के विभिन्न स्थानों पर शिविर आयोजित कर पात्र हितग्राहियों को शासन की हितग्राही मूलक योजनाओं का लाभ दिलाया जा रहा है एवं उनकी समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जा रहा है। आमजन को शासन योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए कोलीपुरा स्थित नरसिंह मंदिर के पास एवं अन्य स्थानों पर जन कल्याण शिविरों का आयोजन किया गया।

मुंदी नगर कांग्रेस अध्यक्ष के लिए चार नामो की पेनल प्रभारी को भेजी

कांग्रेस के जिला प्रभारी विपिन वानखेड़े विगत दिनों पुनासा में कार्यकर्ताओं के बीच रायशुमारी की

खंडवा/मुंदी ■ निसं

नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष पद को लेकर हाई-कमान की ओर से खंडवा जिले में संगठन में रिक्त पदों को भरने के लिए एवं कांग्रेस कार्यकर्ता को एकजुट कर आपसी समंजस बैठाने के लिए प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से पूर्व विधायक विपिन वानखेड़े को नियुक्त किया गया है। जिसके चलते नवनियुक्त कांग्रेस प्रभारी ने विगत दिनों मांधाता विधानसभा क्षेत्र के पुनासा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की एक मीटिंग लेकर रिक्त पदो को भरने एवं नई नियुक्तिया करने को लेकर एक बैठक ली थी।

मुंदी नगर कांग्रेस अध्यक्ष के लिए चार नाम- पूर्व से मुंदी नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष पर कार्यवाहक अध्यक्ष के रूप में राहुल चौहान को जिम्मेदारी दी गई थी लेकिन आप स्थाई अध्यक्ष की नियुक्ति संगठन की ओर से की जाना है जिसको लेकर नए नामो पर विचार किया जा रहा है। नगर कांग्रेस कमेटी के स्थाई अध्यक्ष हेतु संगठन प्रभारी की ओर से चार नामो की पैनल जिला प्रभारी को भेजी गई है जिसमें जिसमें राहुल चौहान, मनोहर पटेल, आशाराम पटेल एवं लोकेश राठोर का नाम शामिल होना बताया जा रहा है संगठन प्रभारी मितेश देसाई ने बताया कि संगठन की ओर से नगर कांग्रेस अध्यक्ष के लिए नामो की पैनल मांगी गई थी जिसके चलते चार नाम की पैनल दे दी गई है अध्यक्ष का अंतिम निर्णय प्रभारी की ओर से किया जाना है।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष ग्रामीण के लिए उत्तम पाल सिंह की दावेदारी

संगठन मे नियुक्ति के चलते खंडवा जिला कांग्रेस कमेटी के ग्रामीण जिला अध्यक्ष के पद को लेकर भी कांग्रेस कमेटी की ओर से नियुक्ति किया जाना है जिसमें कई दावेदार सामने आए हैं जिसमें प्रमुख रूप से मांधाता विधानसभा से विगत दो बार मामूली अंतर से विधानसभा चुनाव हारे उत्तम पाल सिंह का नाम प्रमुख रूप से सामने आ रहा है बताया जाता है कि सब कुछ ठीक-ठाक रहा तो कांग्रेस हाई कमान की ओर से उत्तम पाल सिंह को जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी सोपी जा सकती है।

सकल ब्रह्मांड का सूक्ष्म रूप मानव मस्तिष्क हैं - डॉ. सोमपाल सिंह

खण्डवा। विश्व ध्यान दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में संस्था प्राचार्य एवं संरक्षक डॉ. सोमपाल सिंह ने उपस्थित विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि चिंतन और एकाग्रता से सब कुछ पाया जा सकता है । एकाग्रता ही सफलता का मूल मंत्र है। वैश्विक स्तर पर ध्यान योग को अपनाये जाने के परिपेक्ष में कहा कि सकल ब्रह्मांड का सूक्ष्म रूप मानव मस्तिष्क होता है और मानव मस्तिष्क का केंद्र ध्यान योग है। विश्व ध्यान दिवस के अवसर पर हार्टफूलनेस सेंटर के जितेंद्र वर्मा ने बताया कि ध्यान मानव के आंतरिक और बाह्य क्षमताओं के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान देता है। ध्यान जीवन के सर्वांगीण विकास के लिए अतिआवश्यक है। वर्तमान जीवन की आपाधापी भी में ध्यान ही एक मात्र ऐसा सहज, सरल, सफल, उपाय है, जो मानसिक तनाव को दूर करता है। मेरे हृदय में ईश?वरीय प्रकाश विद्यमान है। इस पुनीत भाव से ही हम ध्यान मुद्रा में प्रवेश करते हुए एकाग्रता प्राप्त कर सकते हैं। हार्टफुलनेस केंद्र के सहयोगियों द्वारा उपस्थित को ध्यान कराया गया। कार्यक्रम में हार्टफुलनेस केंद्र के प्रशिक्षक जितेंद्र कुमार वर्मा एवं मानवेंद्र मेटावलकर और वॉलिंटियर अनिल कुमार मेहता, जितेंद्र भलसे और वैभव चौहान उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय ध्यान दिवस पर प्रशिक्षक हर्षित पुरोहित ने गिनाए लाभ

पुलिस लाइन में 200 से ज्यादा अधिकारियों-कर्मचारियों ने लगाया ध्यान

सीहोर ■ निसं

सीहोर में आज शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय 'ध्यान दिवस' पर पुलिस लाइन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक ने पूरे प्रदेश की पुलिस लाइंस, प्रशिक्षण केंद्रों एवं विसबल वाहिनियों में अधिकाधिक स्टाफ को ध्यान के लिए उपस्थित रहने के निर्देश दिए थे।

पुलिस लाइन सीहोर में संयुक्त राष्ट्र महासंघ द्वारा ध्यान और इसके लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 21 दिसंबर को विश्व ध्यान दिवस के रूप में मनाया गया। पुलिस बल में लगातार कार्य की परिस्थितियों से उपजे तनाव में ध्यान के माध्यम से अवसाद तनाव प्रबंधन, बेहतर स्वास्थ्य, प्रसन्नचितता, कार्य के प्रति समर्पण, सामाजिक प्रतिबद्धता, संवाद कौशल, पारिवारिक सामंजस्य एवं सकारात्मकता जैसे गुणों का विकास करना संभव है।

विश्व ध्यान दिवस के अवसर पर पुलिस लाइन ग्राउंड में स्टाफ एवं श्रीराम चंद्र मिशन हार्टफुलनेस के प्रशिक्षक हर्षित पुरोहित ने ध्यान कराया और ध्यान के लाभ बताए। ध्यान सत्र का आयोजन हार्टफुलनेस संस्था एवं भारतीय योग संघ के संयुक्त तत्वावध्यान में आयोजित किया गया।

नर्मदापुरम कलेक्टर के फर्जी हस्ताक्षर का मामला

फर्जी सील साइन से आदिवासी जमीन की रजिस्ट्री करने वाले खरीददार, पटवारी पर मामला दर्ज

सिवनीमालवा ■ निसं

सिवनी मालवा में नर्मदापुरम कलेक्टर के फर्जी हस्ताक्षर सहित फर्जी सील से आदिवासी की जमीन बेचने और उसका नामांतरण करने के मामले में धोखाधड़ी की एफआईआर सिवनी मालवा थाने में गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात दर्ज की गई है। पुलिस ने जमीन खरीदने, बेचने वाले 5 आरोपियों के साथ-साथ सर्विस प्रोवाइडर और पटवारी को भी आरोपी बनाया है।

जमीन बेचने का मामला सिवनी मालवा के आदिवासी ग्राम सीरूपुरा का है। जिन दस्तावेजों के आधार पर भूमि का विक्रय, रजिस्ट्रेशन और नामांतरण हुआ है, वो पूरे तरीके से फर्जी निकले हैं। नर्मदापुरम कलेक्टर के फर्जी हस्ताक्षर, फर्जी सील लगाकर जमीन को बेचा और नामांतरण कराया गया। अनुमति के प्रकरण क्रमांक और जावक क्रमांक भी फर्जी पाए गए हैं।

रजिस्ट्रार पर नहीं हुई किसी तरह की कार्रवाई

पूरे मामले में 7 लोगों पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है। रजिस्ट्री के मामले में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका रजिस्ट्रार की होती है लेकिन सिवनी मालवा सब रजिस्ट्रार पर किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं किया जाना संदेह के घेरे में है। साथ ही कलेक्टर की सील किसने बनवाई थी इसकी भी किसी प्रकार की जानकारी अब तक नहीं लग पाई है।

सिवनी मालवा थाना प्रभारी अनूप उईके ने बताया कि 7 आरोपियों के खिलाफ फर्जी हस्ताक्षर और सील का दुरुपयोग करने के अपराध में धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज किया गया है। आरोपियों में विक्रेता पुष्पेंद्र बड़कुड़, उनकी मां श्रीमना बड़कुड़, क्रेता सोनाली खंडेलवाल, प्रेरणा खंडेलवाल, अनुराग जलखरे, पटवारी नरेंद्र सोलंकी, सर्विस प्रोवाइडर आशुतोष गुर्जर है।

में विक्रेता पुष्पेंद्र बड़कुड़, उनकी मां श्रीमना बड़कुड़, क्रेता सोनाली खंडेलवाल, प्रेरणा खंडेलवाल, अनुराग जलखरे, पटवारी नरेंद्र सोलंकी, सर्विस प्रोवाइडर आशुतोष गुर्जर है।

तीनों भूमियों का विवरण

- भूमि स्वामी पुष्पेंद्र सिंह के पास बनापुरा की भूमि खसरा नंबर 12 रकबा 4.465 हेक्टेयर में से 2.235 हेक्टेयर जिसे प्रेरणा खंडेलवाल ने बेच कर नामांतरण कराया गया है।
- भूमि स्वामी पुष्पेंद्र सिंह की भूमि खसरा नंबर 12 रकबा 4.465 हेक्टेयर में से 2.230 हेक्टेयर जिसे सोनाली खंडेलवाल के पास बेचकर नामांतरण कराया गया है।
- भूमि स्वामी श्रीमना बाई की भूमि खसरा नंबर 38/2 रकबा 3.400 हेक्टेयर जिसे अनुराग जलखरे को बेचकर नामांतरण कराया गया है।

अनमोल वचन

धन बर्बाद करके आप निर्धन होते है लेकिन समय बर्बाद करके आप अपना जीवन नष्ट करते है।
अज्ञात

जब आप दो बुराइयों में से छोटी बुराई को चुनते है, तो याद रखें कि वह अभी एक बुराई ही है।
मैक्स लर्नर

सम्पादकीय

निस्तेज विपक्ष देश को कब तक अंधेरों में धकेलेगा?

विपक्ष बात-बात पर तू-तू, मैं-मैं करते हुए बात का बतंगड़ बनाकर देश का भारी नुकसान कर रहा है। संसद को चलने नहीं दे रहा है, आधे-अधूरे बयान के हिस्से को प्रचारित कर घटिया एवं सस्ती राजनीति करते हुए देश को गुमराह कर रही है। बेबुनियाद एवं भ्रामक मुद्दों को उछाल कैसे गुल खिलाये, कैसे देश को अंधेरों में धकेला जाये, इसी फिराक में कांग्रेस एवं समूचा विपक्ष दिनरात लगा है, इसका प्रमाण है गत दिवस संसद में गृह मंत्री अमित शाह के डा. आंबेडकर को लेकर दिए गए बयान पर विपक्ष का हंगामा, तीखी नोकझोंक एवं होहल्ला। इस हंगामे का आधार यह है कि गृह मंत्री ने यह कह कर आंबेडकरजी का अपमान कर दिया कि यदि आंबेडकर, आंबेडकर करने वाले इतना नाम भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता। मुश्किल यह है कि हंगामा करने वाले यह स्पष्ट नहीं कर पा रहे हैं कि आखिर ऐसा कहने से आंबेडकरजी का अपमान कैसे हो गया? विडम्बना देखिये कि आजादी के बाद से अब तक आंबेडकर का अपमान करने, तिरस्कार करने एवं उनकी उपेक्षा करने वाला दल एकाएक उनका इतना हिमायती कैसे हो गया? यह सारा हंगामा विपक्ष इसलिये कर रहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भारतीय जनता पार्टी ने आंबेकडर को शीर्ष राष्ट्रनायकों में शुमार कर किया है और उनकी नीतियों, सिद्धान्तों एवं मूल्यों को राजनीति का अहम हिस्सा बनाया है। विपक्ष डरा हुआ है कि भाजपा आंबेडकर को आजादी के बाद प्रधानमंत्री वी.पी. सिंह के बाद उचित स्थान देकर दलित समुदाय के हितों की वास्तविक चिन्ता की है, जिससे दलित वोट भाजपा के पक्ष में जाता हुआ दिख रहा है। इसलिये शाह के बयान को तोड़-मरोड एवं आधा-अधूरा प्रस्तुत कर बेवजह का हंगामा करने पर तुले विपक्ष एवं उनके नेताओं ने जो एवं जैसे तर्क दिए हैं, वे विचित्र ही नहीं, हास्यास्पद भी हैं। बाबा साहेब आंबेडकर पर घडियाली आंसू बहाने वाला विपक्ष एवं विशेषत: कांग्रेस यह भूल रही है कि आंबेडकर का सर्वाधिक अपमान एवं उपेक्षा इन्हीं दलों ने की है। पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू आंबेडकर को पसन्द नहीं करते थे। क्योंकि आंबेडकर मुस्लिम तुष्टिकरण की कांग्रेस नीति से नाखुश थे। उनका मत था कि धर्म के आधार पर देश का विभाजन हुआ है, अत: सभी मुस्लिम को भारत छोड़ देना चाहिए? गांधी और नेहरू ने इस विचारधारा का विरोध किया? गांधी तो विरोध में भूख हड़ताल पर बैठ गए? बाबा साहेब ने गांधी से समझौता कर संविधान को मुस्लिम के अनुसार ड्राफ्ट कर दिया? फिर भी नेहरू बाबा साहेब के विरुद्ध लगातार लगे रहे। यहां तक आंबेडकर के चुनाव लड़ने पर नेहरू ने उनके खिलाफ कांग्रेस प्रत्याशी खड़ा कर उन्हें हरवा दिया? विडम्बना देखिये कि आंबेडकर के सचिव नारायण सदोबा काजरोलकर को उनके खिलाफ खड़ा कर दिया। कांग्रेस ने न केवल दो बार उन्हें चुनाव में हराया बल्कि केन्द्र सरकार में उनकी घोर उपेक्षा लगातार जारी रखी। इसी से नाराज होकर आंबेडकर ने मंत्री पद से इस्तिफा देते हुए नेहरू पर गंभीर आरोप लगाये। इतना ही नहीं आंबेडकर ने स्वयं के बनाये संविधान को जला देने की बात भी इसलिये कही थी कि संविधान का संचालन गलत हाथों में है। इतिहास की इन त्रासद एवं विसंगतिपूर्ण स्थितियों के बावजूद आखिर कांग्रेस किस आधार पर आंबेडकर की तस्वीरें लेकर संसद परिसर में विरोध कर रही है। अपने आरोप को पुष्ट करने के लिए विपक्ष और विशेष रूप से कांग्रेस नेता गृह मंत्री के बयान के एक हिस्से को तो प्रचारित कर रहे हैं, लेकिन उसके शेष हिस्से को सुनने के लिए तैयार नहीं, जिसमें उन्होंने कहा था कि डा. आंबेडकर का नाम लेने वालों ने किस तरह उनके विचारों के खिलाफ काम किया और उन्हें अपमानित करने में भी संकोच नहीं किया। लगता है कांग्रेस को यही नागवार गुजरा और इसी कारण वह संसद के भीतर-बाहर इस मामले को तूल देने में जुट गई। इसे तूल देने के लिए उसके नेताओं की ओर से संसद के दोनों सदनों में आज भी हंगामा बरपाया कि दोनों दलों के सांसदों के बीच मकर द्वार पर धक्कामुक्की में भाजपा सांसद प्रताप सारंगी के सिर में चोट देखी गई। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल सांसद ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने एक सांसद को धक्का दिया, जो मेरे ऊपर गिरे। आरोप पर जवाब देते हुए राहुल ने कहा कि हां! ऐसा हुआ। वे हमें प्रवेश द्वार पर रोकने की कोशिश रहे थे। ये तर्क एवं त्रासद स्थितियां संसदीय गरिमा को धुंधलाने वाली है। कांग्रेस के तर्कों का स्तर न केवल राजनीतिक विमर्श का गिराने वाला ही नहीं, बल्कि यह बताने वाले भी हैं कि नेतागण किस तरह तिल का ताड़ बनाने में माहिर हो गए हैं। कांग्रेस भाजपा के बारे में तथ्यहीन एवं भ्रामक अफवाहें फैला रही है। कांग्रेस नेहरू से लेकर मनमोहन सिंह तक गरीब और बेरोजगारी का गीत गाते रहे हैं, लेकिन उनके शासनकाल में न तो गरीब खत्म हुए और न बेरोजगारी? नीयत में खोट और अनुभवहीनता का जब सत्ता प्राप्ति के संदर्भ में समन्वय हो जाता है, तो ऐसी हास्यास्पद स्थितियां निर्मित हो जाती हैं। भारत की राजनीति में इस समय यही स्थिति बन गई है। राजनीतिक बहस का स्तर इतना छिछलादार, स्तरहीन एवं बेबुनियाद नहीं होना चाहिए। झूठ को जोर-जोर से चिल्लाकर कहने से वह सच नहीं हो जाता। यह अच्छा हुआ कि गृह मंत्री ने अपने बयान पर कोई सफाई देने के बजाय दो टूक यह कहना उचित समझा कि उनके पूरे वक्तव्य को सुना जाए। वैसे यह तय है कि विपक्षी नेता ऐसा नहीं करने वाले, क्योंकि उन्हें यही साबित करना है कि आंबेडकरजी का अपमान हो गया, संविधान खतरे में आ गया इसलिये गृहमंत्री को अपने पद से इस्तिफा दे देना चाहिए। आखिर इसे मूर्खतापूर्ण राजनीति न कहा जाए तो क्या कहा जाए? इस पर हैरानी नहीं कि राहुल गांधी को फिर से यह नजर आने लगा कि मोदी सरकार संविधान बदलने जा रही है।

चिंतन-मनन

अहं भाव न पालें

एक बार देशभक्त वीर शिवाजी सज्जनगढ़ का किला बनवा रहे थे। हजारों मजदूर वहां काम करते थे। एक दिन शिवाजी किले को देखने गए। यत्र की तरह उनको काम करते देखकर शिवाजी के मन में अहं आ गया। वे सोचने लगे- इन सबकी आजीविका मेरे द्वारा चलती है! इतने में उनके गुरू समर्थ रामदास स्वामी वहां पहुंच गए। विशिष्ट ज्ञान के द्वारा उन्होंने शिवाजी के मन की बात जान ली और निश्चय किया कि इसको प्रतिबोध देना जरूरी हो गया है। वास्तव में गुरू वे ही होते हैं, जो समय पर अनुयायियों को गिरने से बचा लें। स्वामी रामदास ने वहां काम करने वालों को आदेश दिया कि एक बड़ी चट्टान को तोड़ो। उनकी आज्ञा से चट्टान तोड़ी गई। भीतर पानी और मेढक निकले। रामदास ने पूछा - शिवाजी ! इनका लालन-पालन कौन करता है? शिवाजी - इनका पोषण प्रकृति से होता है, करता कोई नहीं। रामदासजी- और इन मजदूरों का जीवन किससे चलता है? शिवाजी ने गुरू के पैर पकड़ लिए और बोले- गुरुदेव! आपने मुझे बचा लिया। आपने मेरे अभिमान को चूर-चूर कर सही रास्ता दिखा दिया। ये सब अपने पुरूषार्थ से जीते हैं। मेरा अहं झूठा था, मैं किसका पालन कर सकता हूं? कहने का अर्थ यह है कि मनुष्य प्रामाणिकता और चरित्र-निष्ठा से काम करे, पर मिथ्या अभिमान न करे। कुछ लोग सोचते हैं-हम ही सब कुछ करने वाले हैं। हम जमीन-आसमान एक कर देंगे। यही अहं भाव व्यक्ति को आगे नहीं बढ़ने देता।

हमारे चुने हुए प्रतिनिधियों- एफआईआर बनाम एफआईआर

> *दूसरी ओर भारत का संविधान जो हमारे लिए पूज्यनीय है, परंतु इसके ऊपर ही संसद में चर्चा पर घमासान मचा हुआ है। दरअसल संसद के ऊपरी सदन में माननीय गृहमंत्री ने संविधान पर चर्चा का जवाब देते हुए कुछ ऐसा जुमला बोला कि विपक्ष ने उसे हाथों-हाथ लपक लिया, उसे मुद्दा बनाकर गृहमंत्री के पद छोड़नें की मांग तक की बात बना दी।*

किशन सनमुखदास भावनानीं

वैश्विक स्तरपर दुनियाँ के सबसे बड़े लोकतंत्र जिसके बारे में पूरी दुनियाँ चर्चा करती है। दूसरी ओर भारत का संविधान जो हमारे लिए पूज्यनीय है, परंतु इसके ऊपर ही संसद में चर्चा पर घमासान मचा हुआ है। दरअसल संसद के ऊपरी सदन में माननीय गृहमंत्री ने संविधान पर चर्चा का जवाब देते हुए कुछ ऐसा जुमला बोला कि विपक्ष ने उसे हाथों- हाथ लपक लिया, उसे मुद्दा बनाकर गृहमंत्री के पद छोड़नें की मांग तक की बात बना दी जिसके बचाव में माननीय पीएम सहित अनेक मंत्री सामने आए व गृहमंत्री ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस लेकर कहां की उसके बयान को एआई की मदद से तोड़ मरोड़ कर एक अंश को प्रस्तुत किया गया है जिसपर दो दिनों से घमासान चल रहा है, परंतु गुरुवार दिनांक 19 नवंबर 2024 का दिन संसद के काला दिवस के रूप में माना जा सकता है,जहां शाब्दिक घमासान ने धक्का मुकी का रूप ले लिया, जिसमें दो सांसद महोदय घायल हो गए हैं व अस्पताल में भर्ती है,तथा दोनों प्रमुख पार्टियों ने एक दूसरे के खिलाफ़ पुलिसथाने में एफआईआर दर्ज करा दी है सताधारी पार्टी ने नए आईपीसी कानून की धारा 115 117 125 131 351 3(5) तो विपक्षी बड़ी पार्टी ने 114 115 116 117 129 130 131 133 धाराओं के अंतर्गत सांसद मार्ग पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की है जो मैंने एफआईआर के लिए दी गई पांच पुष्ठों की कॉपी देखी उसमें करीब 15 संसद सदस्यों के हस्ताक्षर भी हैं, जो मैंने अपने 40 वर्षों के स्तंभकार लेखन के करियर में शायद पहली बार ही यह देखा हूं, क्योंकि लोकतंत्र के मंदिर में अपने प्रतिनिधियों की धक्कामुकी बाचाबाची देखकर मतदाता,जनता हैरान है,इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, संसद में धमासान शाबाश हमारे चुने हुए प्रतिनिधियों एफआईआर बनाम एफआईआर। साथियों बात अगर हम गुरुवार दिनांक 19 नवंबर 2024 को संसद परिक्षेत्र में धक्कामुक्की करें तो, बाबासाहेब आंबेडकर से संबंधित मुद्दे पर विपक्ष और सत्तापक्ष के सदस्यों ने गुरुवार को संसद परिसर में प्रदर्शन किया और इस दौरान उनकी कथित तौर पर धक्का-मुक्की भी हुई। सत्ताधारी पार्टी का आरोप है कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने धक्का-मुक्की की जिस वजह से उसके बुजुर्ग सांसद प्रताप सारंगी चोटिल हुए।

सारंगी को राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं कांग्रेस का आरोप है कि पार्टी मुद्दे से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है। दोनों पार्टियों ने एक दूसरे के खिलाफ दिल्ली पुलिस से शिकायत भी दर्ज कराई है।कांग्रेस ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, गृह मंत्री ने संसद में बाबासाहेब का अपमान किया है। आज बाबासाहेब के अपमान के खिलाफ संसद परिसर में इंडिया गठबंधन के सांसद प्रदर्शन कर रहे थे। जब इंडिया गठबंधन के सांसद मकर द्वार पहुंचे तो वहां पहले से मौजूद पार्टी के सांसदों ने कांग्रेस अध्यक्ष और नेता विपक्ष के साथ धक्का-मुक्की और बदसलूकी की। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष को चोट भी आई है सत्ताधारी पार्टी की इस गुंडागर्दी के खिलाफ आज कांग्रेस के सांसदों ने संसद मार्ग स्थित पुलिस थाने में बदसलूकी करने वाले सांसदों के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई।लोकसभा स्पीकर को भी लिखा पत्र इसके अलावा कांग्रेस सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर दावा किया कि बीजेपी के तीन सांसदों ने संसद परिसर में नेता प्रतिपक्ष के साथ धक्का-मुक्की की, जो न सिर्फ कांग्रेस नेता की गरिमा पर हमला है, बल्कि संसद की लोकतांत्रिक भावना के विपरीत भी है। उन्होंने बिरला से आग्रह किया कि इस मामले में वह उचित कार्रवाई करें। कांग्रेस सांसदों ने कहा, 'हमें उम्मीद है कि आप इस मामले को पूरी गंभीरता से लेंगे और उचित कार्रवाई करेंगे।

साथियों बात अगर हम इस धक्कामुक्की का मामला पुलिस थाने की दहलीज पर पहुंचने पर एफआईआर बनाम एफआईआर की करें तो, संसद भवन में गुरुवार को हुई धक्का-मुक्की के बाद लोकसभा सदस्य अनुराग ठाकुर और बांसुरी स्वराज ने नेता प्रतिपक्ष के खिलाफ दिल्ली पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।इस मामले में नेताओं ने राहुल गांधी के खिलाफ लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति से भी शिकायतें की हैं।संसद मार्ग थाने में शिकायत दर्ज कराने के बाद अनुराग ठाकुर ने पत्रकारों से कहा कि के द्वारा शारीरिक हमला और उकसाने के लिए उनके खिलाफ दिल्ली पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने कहा कि एनडीए के सांसद शांतिपूर्ण तरीके से कांग्रेस के झूठ के प्रोपेगेंडा को बेनकाब कर रहे थे और उनसे माफी की मांग कर रहे थे। उसी समय राहुल गांधी अपने इंडी गठबंधन के सांसदों के साथ आए और तय रास्ते से न जाकर एनडीए के सांसदों के बीच आ गए। उन्होंने अपनी पार्टी के सदस्यों को उकसाया भी और दुर्भावनापूर्ण रवैये के साथ आगे बढ़े।राहुल गांधी के खिलाफ उन्होंने बीएनएस की धारा 109, 115, 117, 125, 131 और 351 के तहत शिकायत दर्ज कराई है। इसमें 109 हत्या का प्रयास और 117 स्वेच्छा से गंभीर चोट पहुंचाने का मामला है।दूसरी तरफ, मणिपुर से भाजपा की महिला राज्यसभा सांसद एस. फांगनोन कोन्याक ने राहुल गांधी पर दुर्व्यवहार का आरोप लगाया। उन्होंने सभापति को पत्र लिखकर राहुल गांधी बताया कि वह बाबा साहेब अंबेडकर के खिलाफ कांग्रेस पार्टी द्वारा किए गए अत्याचारों के विरोध में शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन में भाग ले रही थीं, तभी यह घटना हुई।कोन्याक ने चिट्ठी में बताया, मैं मकर द्वार की सीढ़ियों के नीचे हाथ में तख्ती लेकर खड़ी थी। सुरक्षाकर्मियों ने वहां घेराबंदी कर दूसरे दलों के सांसदों के प्रवेश के लिए एक रास्ता बनाया हुआ था। उसी समय राहुल गांधी अपनी पार्टी के अन्य सांसदों के साथ मेरे सामने आ गए, जबकि उनके लिए अलग रास्ता बनाया हुआ था। उन्होंने ऊंची आवाज में मेरे साथ दुर्व्यवहार किया और वह मेरे इतने करीब थे कि एक महिला सदस्य होने के नाते मैं बहुत असहज महसूस कर रही थी।. कांग्रेस ने भी बीजेपी सांसदों के खिलाफ दर्ज कराई शिकायतसंसद भवन परिसर में हुई हाथापाई को लेकर कांग्रेस ने भी बीजेपी सांसदों के खिलाफ दिल्ली पुलिस से शिकायत दर्ज कराई। कांग्रेस ने बीजेपी सांसदों पर अध्यक्ष के साथ दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाया। इसके अलावा कांग्रेस ने लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर दावा किया कि बीजेपी के तीन सांसदों ने संसद परिसर में नेता प्रतिपक्ष के साथ धक्का-मुक्की की। कांग्रेस ने स्पीकर से उचित कार्रवाई की मांग की।

सेल्फी से मौतें: हम नहीं सुधरेगें, खुद ही बेमौत मरते

> *देश कभी रेल से लटकते समय व पटरीयों पर सेल्फी ली जाती है तो कभी बहते पानी में ली जाती है।चटटानों पर खड़े होकर ली जा रही है। पहाड़ियों पर चढकर पांव फिसल रहे है।सेल्फी जानलेवा साबित हो रही है।सेल्फी की यह खतरनाक प्रवृति बढ़ती ही जा रही है। ताजा घटनाक्रम में 17 दिसम्बर 2024 को हिमाचल के लाहौल में घूमने आये राजस्थान के एक पर्यटक की कोक्सर में फुम्मण नाला के पास सेल्फी लेते समय पैर फिसलने से चंद्रा नदी में गिरने से दर्दनाक मौत हो गई*

नरेन्द्र भारती

कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक पर्यटक सेल्फी लेते समय असमय ही काल के गाल में समाते जा रहे हैं ।देश मे समय-समय पर ऐसे हादसे होते रहते है मगर सबक न सीखना लोगों की आदत बन गई है। देश कभी रेल से लटकते समय व पटरीयों पर सेल्फी ली जाती है तो कभी बहते पानी में ली जाती है।चटटानों पर खड़े होकर ली जा रही है। पहाड़ियों पर चढकर पांव फिसल रहे है।सेल्फी जानलेवा साबित हो रही है।सेल्फी की यह खतरनाक प्रवृति बढ़ती ही जा रही है। ताजा घटनाक्रम में 17 दिसम्बर 2024 को हिमाचल के लाहौल में घूमने आये राजस्थान के एक पर्यटक की कोक्सर में फुम्मण नाला के पास सेल्फी लेते समय पैर फिसलने से चंद्रा नदी में गिरने से दर्दनाक मौत हो गई उसका शव बरामद हो गया है यह चार लोग हिमाचल में घूमने आये थे।इससे पहले गुरुग्राम में सेल्फी लेते समय चार युवकों की दर्दनाक मौत हो गई थी ।यह चलती रेल के सामने सेल्फी लेना चाहतें थे कि बेमौत मारे गए।देश में यह कोई पहला हादसा नहीं है हर रोज सेल्फी की वारदातें हो रही है। जरा सी असावधानी से सेल्फी घातक सिद्व हो रही है।देश में सेंल्फी के हर रोज ऐसे दर्दनाक हादसों से आत्मा सिहर उठती है कि कुछ लोग जान-बूझकर मौत के आगोश में समाते जा रहे है। नदियों के किनारे लोग डूब रहे है। खुद ही मौत के मुंह में समाते जा रहे है।सेल्फी के कारण परिवार के परिवार तबाह हो रहे है।केन्द्र सरकार को ऐसे मामलों पर संज्ञान लेना होगा।देश के युवा सेल्फी लेते समय इतने अंधे कैसे हो जाते है कि अपनी जान जोखिम में खुद डाल देते है और असमय ही बेमौत मारे जा रहे है।ऐसी त्रासदियां असमय ही घर के चिरागों को बूझा रही है अगर इन मामलो पर संज्ञान लिया जाए।अगर प्रशासन इन संगीन मामलों पर लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए।सेल्फी के लापरवाही के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं है।है।कैसी विडंबना है कि लोग खुद की घोर लापरवाहीयों के कारण बेमौत मर रहें है।लाशों के अंबार लग रहे हैं।बेखौफ होकर लोग जोखिम ले रहें है।पर्यटकों पर हम नहीं सुधरेगें,का लेबल लगा हुआ है।यह कहावत बिगड़ैल पर्यटको पर सटीक बैठती है कि इतने हादसों के बाद भी समझ नहीं आ रही हैं। 2020 व 2024 में भी काफी हादसे हुए है।यह संख्या घटने के बजाए बढ़ती ही जा रही है। आंकड़ों के अनुसार तमिलनाडू में चलती रेल के सामने सेलफी लेते समय मौत हो गई थी।19 जून 2021 को फिरोजाबाद में एक दिव्यांग की सेलफी लेते समय पटरी पर गिर गया तब उसका दोस्त उसे बचाने आया और एकदम से रेल आ गई और दोनों की दर्दनाक मौत हो गई।16 अक्तूबर 2019 बुधवार को कुल्लू की धार्मिक नगरी मणिकर्ण में पार्वती नदी के किनारे सेल्फी ले रही दो पर्यटक युवतियां अचानक नदी में बह गई थी एक को निकाल लिया गया था। जबकि दूसरी बह गई।सेल्फी लेते समय पांव फिसलने से यह हादसा पेश आया था। यह युवतियां नदी किनारे एक पत्थर पर सेल्फी ले रही थी। यह युवतियां असम व दार्जिलिंग की रहने वाली थी।पर्यटक मनमानी करते है।6अक्तूबर2019 को ताजा मामला तमिलनाडू के मरमपटी के पांबारु बांध में घटित हुआ था जहां सेल्फी लेते समय एक ही परिवार के चार लोगों की पांबारु बांध में गिरने से दर्दनाक मौत हों गई थी।एक को बचा लिया गया था ।परिवार के सब लोग पानी में बह गए थे ।केवल मात्र परिवार का एक सदस्य ही बच पाया था।मृतकों में नवविवाहित युगल व उनके सगे संम्बधी थे। देश में2017 में 98 लोग सेल्फी लेते समय मारे गए। 2011 से 2018 तक 259 लोग मारे गए। विदेशी पर्यटक की मौतें ज्यादा हो रही हैं।कुल्लू-मनाली में सैंकड़ों ऐसे मामले घटित हो चुके हैं। खुद ही मौत को दावत दे रहें है। वर्ष 2018 में भी एक ऐसी ही घटना कुल्लु में घटित हुई थी कुल्लु की मनीकर्ण घाटी में पार्वती नदी के किनारे दिल्ली का एक पर्यटक सेल्फी लेते नदी में गिर गया था और पानी के तेज बहाब में बह गया था।उसकी लाश नहीं मिल पाई थी।समझ नहीं आता की लोग पिछले घटित हादसों से सबक क्यों नहीं लेते। गत वर्ष भी हिमाचल प्रदेश में सेल्फी के चक्कर में एक छात्रा को जान से हाथ धोना पड़ा था तथा दूसरी को बचा लिया गया था। यह दोनो छात्राएं शिमला के सुन्नी क्षेत्र में कोलडैम के समीप सेल्फी ले रही थी कि अचानक एक छात्रा का पांव फिसला और वह डूब गई दूसरी छात्रा उसे बचाते समय डूबने लगी मगर बचाव दल के सदस्यों ने उसे बचा लिया था। के चक्कर में युवाओं व पर्यटको की मौतों का आंकडा बढता ही जा रहा है। 1 जुलाई 2019 को उतराखंड के पिथैरागढ़ में परिवार के साथ पिकनिक पर गए एक 13 साल के बच्चे की सेल्फी के दौरान डैम में गिरने से मौत हो गई थी। बच्चे को बचाने के लिए उसकी मां ने डैम में कूद गई मगर ज वह डूबने लगी तो वहां मौजूद लोगों ने उस को बचा लिया पर उसका बेटा डूब गया। मध्यप्रदेश में भी झरने के पास सेल्फी ले रहे एक छात्र की डूबने से मौत हो गयी थी। गोताखोर जान जोखिम में लोगों को बचा रहे है।सेल्फी के शौकिन खुद तो मर रहे है बल्कि दूसरों को भी मार रहे है। ऐसे दर्दनाक हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे हैं।इसे प्रशासन की लापरवाही की संज्ञा दी जाए तो कोई आतिश्योक्ति नहीं होगी। पिछले महिने चलती ट्रेन के साथ सेल्फी लेने के चक्कर में बंगलुरु के पास तीन युवओं की दर्दनाक मौत हो गई थी यह हादसा बंगलुरु से करीब तीस किलोमीटर दूर बिदादी के पास हुआ था जहां तीन लड़के सेल्फी लेने के चक्क में चलती ट्रेन की चपेट में आ गए थे।

छत्तीसगढ़ की राजनीति और विकास में वन नेशन, वन इलेक्शन का प्रभाव

सत्यप्रकाश दुबे

भारत में लोकतांत्रिक प्रणाली का आधार संघीय ढांचा है, जिसमें केंद्र और राज्यों के बीच शक्तियों का विभाजन है। वन नेशन, वन इलेक्शन की अवधारणा देश में चुनावी प्रक्रिया को एकीकृत और सरल बनाने की कोशिश है। इस विचार का उद्देश्य लोकसभा और सभी राज्यों की विधानसभाओं के चुनावों को एक साथ कराना है। इस पहल के समर्थक इसे समय, संसाधन और धन की बचत के साथ-साथ विकास कार्यों में बाधा कम करने का जरिया मानते हैं। हालांकि, यह विषय विवादास्पद है और इसे लेकर छत्तीसगढ़ सहित देश के सभी राज्यों में गहन चर्चा हो रही है। इसके समर्थकों का मानना है कि यह प्रशासनिक स्थिरता और विकास कार्यों में तेजी लाएगा, जबकि विरोधी इसे संघीय ढांचे और क्षेत्रीय मुद्दों के लिए हानिकारक मानते हैं। उनका मानना है कि वन नेशन, वन इलेक्शन की अवधारणा को लागू करना भारतीय संघीय ढांचे के खिलाफ है। केंद्र के साथ भाजपा शासित राज्य इस पहल का समर्थन करते है। भाजपा यह कह रही है कि इससे विकास कार्यों में तेजी आएगी और भ्रष्टाचार पर रोक लगेगी। बार-बार चुनाव होने के कारण राज्य की प्रशासनिक कामकाज प्रभावित होता है। आचार संहिता लागू होने से विकास कार्य रुक जाते हैं। यदि चुनाव एक साथ हों, तो विकास योजनाओं में रुकावट कम होगी और सरकारी धन का दुरुपयोग रोका जा सकेगा। कांग्रेस और गैर भाजपा शासित राज्य की पार्टियां तथा कुछ क्षेत्रीय दलों द्वारा विरोध देखने को मिल रहा है। उनका मानना है कि यह एक राजनीतिक एजेंडा है, जो क्षेत्रीय दलों को कमजोर करेगा इसके साथ ही यह राज्य की स्वायत्तता और संघीय ढांचे पर आघात है। एक साथ चुनाव होने से उन्हें बड़े राष्ट्रीय दलों के सामने संसाधनों और ध्यान के अभाव में नुकसान हो सकता है। छत्तीसगढ़ जैसे अन्य राज्यों में कई छोटे और क्षेत्रीय दल हैं, जिनका आधार स्थानीय मुद्दे होते हैं। क्षेत्रीय मुद्दे, जैसे आदिवासी अधिकार, खनन उद्योग के पर्यावरणीय प्रभाव, और किसानों की समस्याएं, राष्ट्रीय राजनीति के दबाव में दब सकते हैं। राष्ट्रीय मुद्दे चुनाव प्रचार में हावी हो सकते हैं, जिससे स्थानीय समस्याओं पर चर्चा सीमित हो जाएगी। देश में छत्तीसगढ़ जैसे आदिवासी बहुल राज्य भी है जिनमें बड़ी संख्या में आदिवासी समुदाय निवास करती है। छत्तीसगढ की राजनीति अक्सर क्षेत्रीय मुद्दों जैसे किसानों की समस्याएं, आदिवासी अधिकार, खनिज संसाधनों का उपयोग, और स्थानीय विकास परियोजनाओं के इर्द-गिर्द घूमती है। छत्तीसगढ़ जैसे विकासशील राज्य में वन नेशन, वन इलेक्शन से विकास परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आ सकती है। यह शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे और रोजगार सृजन से संबंधित परियोजनाओं को समय पर पूरा करने में सहायक हो सकता है। यदि लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ होते हैं, तो राज्य और केंद्र सरकारों के बीच बेहतर तालमेल बन सकता है। यदि वन नेशन, वन इलेक्शन लागू होती है तो यह छत्तीसगढ़ के विकास और राजनीति पर गहरा प्रभाव डाल सकता है इससे छत्तीसगढ़ को केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ आगामी चुनावों में भी देखने को मिल सकता है। केन्द्र सरकार यदि वन नेशन, वन इलेक्शन को लागू करती हैं तो उसे कई संवैधानिक और प्रशासनिक बदलावों की आवश्यकता होगी। जैसे संविधान में संशोधन। चुनाव आयोग को अतिरिक्त अधिकार और संसाधन देना। राज्यों और राजनीतिक दलों की व्यापक सहमति तथा क्षेत्रीय और राष्ट्रीय मुद्दों के बीच संतुलन बनाना होगा।

खास बात

इंडिया गठबंधन के सहयोगी दल राष्ट्र की नहीं, स्वयं की फिक्र कर रहे हैं?

ईवीएम एवं चुनाव आयोग को लेकर इंडिया गठबंधन के सहयोगी दल आपस में बंट गए हैं ।जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा, कांग्रेस ईवीएम का रोना बंद करे ।पश्चिम बंगाल में सहयोगी दल टीएमसी के सांसद अभिषेक बनर्जी ने कांग्रेस पर सवाल उठाते हुए कहा, ईवीएम से ही हम पश्चिम बंगाल में चुनाव जीत रहे हैं ।कांग्रेस के पास क्या सबूत है,ईवीएम में गड़बड़ी हो रही है ।इंडिया गठबंधन के सहयोगी दल इस तरह से कैसे भाजपा से मुकाबला करेंगे,आसानी से समझा जा सकता है ।केंद्र की सत्ता और अडानी का धनबल देश की राजनीति को किस तरह से प्रभावित कर रहे हैं ।शायद इसे ही राजनीति कहते हैं ।भारत में यही जयचंदों का इतिहास है ।

12 साल बाद एक बार फिर जिंदा हुई निर्भया

16 अक्टूबर को दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को एकाएक दुष्कर्म पीड़ता निर्भया की याद आ गई ।12 साल पहले यह घटना हुई थी ।इसी निर्भया के बल पर दिल्ली में अरविंद केजरीवाल की सरकार बनी ।एक बार फिर अरविंद केजरीवाल संकट में है ।ऐसी स्थिति में उन्होंने महिला अदालत लगाकर एक बार फिर निर्भया अमर रहे के नारे लगवाए । 12 साल पहले कांग्रेस निशाने पर थी ।12 साल के बाद भाजपा निशाने पर है ।सत्ता पर बने रहने के लिए किस तरह रंग बदलने पड़ते हैं ।यह अरविंद केजरीवाल और दिल्ली की राजनीति में होता हुआ दिख रहा है ।दिल्ली की जनता हैरान है ।

इंडिया गठबंधन की सहयोगी दल, कौन-कौन सा रंग दिखाएंगे

दिल्ली विधानसभा के चुनाव जल्द होने जा रहे हैं ।दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव एक दूसरे के साथ मिलकर दिल्ली विधानसभा का चुनाव लड़ेंगे ।दोनों ही सहयोगी दल कांग्रेस से नाराज और भयभीत हैं ।कांग्रेस ने हरियाणा विधानसभा चुनाव में सपा को सीट नहीं दी थी ।बदले में उत्तर प्रदेश में सपा ने कांग्रेस को सीट नहीं दी ।आम आदमी पार्टी दिल्ली में कांग्रेस को नेपथ्य में रखना चाहती है । प्रादेशिक राजनीति को लेकर सपा-आप और कांग्रेस एक दूसरे से नाराज हैं ।संविधान खत्म होता है, तो हो जाए ।क्षेत्रीय दलों के नेताओं का अहंकार हर स्तर पर सामने आ रहा है । अखिलेश और केजरीवाल अब बिजली विधानसभा के चुनाव में कांग्रेस के मुकाबले मैं खड़े होंगे ।यही कलयुग की पहचान है ।जिस नीति से राज मिले, वही राजनीति है ।

राज्यसभा में भाजपा का दबदबा बढ़ा

लोकसभा चुनाव के बाद,उड़ीसा के विधानसभा चुनाव में भाजपा को मिली असाधारण सफलता के कारण राज्यसभा में भाजपा का दबदबा अब बढ़ गया है ।राज्यसभा में भाजपा को दो सीटों का फायदा पहले हो चुका है ।बीजद के सदस्यों का इस्तीफा कराकर भाजपा की टिकट में राज्यसभा भेजा था ।आंध्र प्रदेश में वाईएसआर कांग्रेस के राज्यसभा सांसदों का इस्तीफा कराया गया ।इसमें भाजपा को एक सीट का फायदा हो गया ।तेलुगु देशम के चंद्रबाबू नायडू के खाते में दो सीटें गईं ।तेलुगु देशम एनडीए गठबंधन में शामिल है ।उड़ीसा में अब भाजपा की सरकार है ।राज्यसभा में उसकी सीटें बढ़ना तय है ।राज्यसभा में भाजपा और सहयोगी दलों के सांसदों की संख्या बढ़ रही है ।लोकसभा में कमजोर होने के बाद भी उन्हें राज्यसभा में एनडीए गठबंधन को कोई नुकसान नहीं है ।

राशिफल

शुभ संवत 2081, शाके 1946, सौम्य गोष्ठ, पौष कृष्ण पक्ष, हेमंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पश्चिम तिथि सप्तमी रविवासरे 20/58 पू.षा. नक्षत्रे, 1/45 प्रात: 7/25 आद्र योगे 34/15 ववकरणे 20/58, सिंह की चंद्रमा सर्वार्थ सिद्ध योग 1/45 रवियोग उग्रकर्म मुर्हूत तथापि पूर्व दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल: आज जन्म लिया बालक योग्य बुद्धिमान, शिक्षक, शिक्षाविद, शिक्षा शास्त्री तथा कुशल वक्ता, अधिवक्ता, लेखक, कवि तथा लेक्चरार, प्रोफेसर, उत्तम कुशल व्यापारी, शासक, प्रशासक, उत्तम, बुद्धिवाला, सुन्दर, सुशील, कोमल ह्रदय वाला, उत्तम व्यापारी, डॉक्टर, इंजी.तथा ठेकेदार, राजनेता होगा।

मेष राशि- तनाव व उदर रोग, मित्र लाभ, राजभय तथा पारिवारिक समस्या उलझी ही रहेगी।

वृष राशि- अनुभव सुख, मंगल कार्य, विरोध मामलें मुकदमें में जीत की संभावना बनेगी।

मिथुन राशि- कुसंगत हानि, विरोध, भय, यात्रा, सामाजिक कार्यों में सावधान अवश्य रहे।

कर्क राशि- भूमि लाभ, स्त्री सुख, हर्ष, प्रगति, स्थिति में सुधार, लाभ की गति अवश्य रुकेगी।

सिंह राशि- तनाव विवाद से बचें, विरोधी चिन्ता, राजकीय कार्यों में प्रतिष्ठा अवश्य बढ़ेगी।

कन्या राशि- भूमि लाभ, स्त्री सुख, हर्ष, प्रगति स्थिति में सुधार, लाभगति सुख होवेगा।

तुला राशि- प्रगति, वाहन का भय, भूमि, लाभ, कलह, कुछ अच्छे कार्य भी हो सकेंगे।

वृश्चिक राशि- कार्य सिद्ध, विरोध, लाभ, कष्ट, हर्ष, व्यय होवे, व्यापार में सुधार होगा।

धनु राशि- यात्रा में हानि, मातृ-पितृ कष्ट, व्यय की कमी, कुछ व्यवस्था का अनुभव होगा।

मकर राशि- शुभ कार्य, वाहन आदि रोग, धार्मिक कार्य, कुछ अच्छे कार्य, रुके कार्य हो सकेंगे।

कुंभ राशि- अभीष्ट सिद्ध, राज भय, कार्य बाधा, राजकार्य में रुकावट का अनुभव होगा।

मीन राशि- अल्प हानि, रोग भय, संपर्क लाभ, राज कार्य में विलंब परेशानी होगी।

पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

22 दिसम्बर 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	धनु में	**मकर**	08.18 बजे से
चंद्र	सिंह में	**कुंभ**	10.05 बजे से
मंगल	कर्क में	**मीन**	11.37 बजे से
बुध	वृश्चिक में	**मेष**	13.08 बजे से
गुरु	वृष में	**वृष**	14.48 बजे से
शुक्र	मकर में	**मिथुन**	16.46 बजे से
शनि	कुंभ में	**कर्क**	19.00 बजे से
राहु	मीन में	**सिंह**	21.16 बजे से
केतु	कन्या में	**कन्या**	23.28 बजे से
राहुकाल		**तुला**	01.38 बजे से
4.30 से 6.00 बजे तक		**वृश्चिक**	03.53 ब.से
		धनु	06.09 बजे से

रविवार 2024 वर्ष का 357 वां दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** हेमन्त।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास पौष (दक्षिण भारत में मृगशीर्ष) **पक्ष** कृष्ण
तिथि सप्तमी 14.32 बजे को समाप्त।
नक्षत्र उत्तराफाल्गुनी अहोरात्र।
योग आयुष्मान 19.00 बजे को समाप्त।
करण बव 14.32 बजे तदनन्तर बालव 03.48 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 20.7 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 23° 26'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872201
जूलियन दिन 2460666.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना जमादि उस्सानी **तारीख** 19
विशेष कालाष्टमी, राष्ट्रीय गणित दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उद्वेग	05.56 से	07.23 बजे तक	**शुभ**	05.36 से	07.09 बजे तक
चर	07.23 से	08.51 बजे तक	**अमृत**	07.09 से	08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से	10.18 बजे तक	**चर**	08.41 से	10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से	11.46 बजे तक	**रोग**	10.14 से	11.46 बजे तक
काल	11.46 से	01.14 बजे तक	**काल**	11.46 से	01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से	02.41 बजे तक	**लाभ**	01.19 से	02.51 बजे तक
रोग	02.41 से	04.09 बजे तक	**उद्वेग**	02.51 से	04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से	05.36 बजे तक	**शुभ**	04.24 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ **Jagrutidaur.com, Bangalore**

पशुपालन के बिना संभव नहीं टिकाऊ खेती

कृषि कार्य से धन अर्जन प्राचीन समय से किया जा रहा है प्राचीन सभ्यताएं स्वावलम्बी कृषि पर ही निर्भर रहीं। जब भी कृषि में स्वावलंबन समाप्त हुआ सभ्यताएं गिर गई। स्वावलम्बी कृषक बाहर के आदानों का मूल्य नहीं चुकाता है, वह उन्हें स्वयं उत्पादित करता है। स्वावलम्बन का अर्थ है पर्याप्त उत्पादन करना, पैसा कमाना तथा विपत्ति के दिनों के लिये बचाकर रखना है। भारत के किसान अपने परम्परागत ज्ञान को परिमार्जित करते हुए कृषि कार्य द्वारा मिट्टी से सोना बनाने का कार्य करता रहे, परन्तु आज पाश्चात्य् कृषि शिक्षा का प्रभाव, हरित क्रांति की चकाचौंध, कृषि के मशीनीकरण, रसायनिक खाद एवं कीटनाशकों के तात्कालिक लाभों को देखकर भारतीय किसान कृषि के स्वावलम्बन से दूर होकर रसायनिक खेती अपनाने लगा।

किसान अधिक उपज लेने के लिये आवश्यकता से अधिक उर्वरक एवं रसायनिक दवाओं का प्रयोग करने लगा जिससे उत्पादन में बढ़ोत्तरी अवश्य होती है परन्तु साथ ही साथ प्रति हेक्टेयर खर्चा भी बढता जा रहा है। इससे न केवल किसानों की आय में कमी देखी जा रही है बल्कि पर्यावरण पर भी विपरीत असर होता दिखाई दे रहा है। पिछले चार दशकों में कृषि रसायनों (खाद, कीटनाशक, नींदानाशक, और बढ़वार कारकों) और पानी के अविवेकीय अन्धाधुन्ध उपयोग ने मृदा उर्वरता, कृषि उत्पादकता के कारकों, उत्पाद गुणवत्ता एवं पर्यावरण पर विपरीत प्रभाव डाला है। रसायनिक खेती या गहन कृषि पद्धति की ओर प्रेरित किया है क्योंकि विश्व की जनसंख्या दिन पर दिन बढ़ती जा रही है और खाद्यान्न की आवश्यकता में भी वृद्धि होती जा रही है। रसायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के प्रयोग से कृषि योग्य भूमि में निम्नलिखित परिणाम देखने को मिले हैं।

- भूमि की सतह का सख्त होना।
- लाभप्रद जीवाणुओं की संख्या में कमी।
- भूमि की जलधारण क्षमता में कमी।
- मृदा की क्षारीयता, लवणता तथा जलागम में वृद्धि।
- भूमि में जीवाश्म की मात्रा में कमी।
- फसलों में कीट, व्याधियों व खरपतवारों की समस्या में वृद्धि ।
- भूमि की उत्पादकता में निरन्तर कमी।

उपरोक्त कारणों की वजह से आज कृषक को खेती घाटे का सौदा बनती जा रही है। आज हमारे विश्व की जनसंख्या लगभग 6 अरब है व सन् 2050 तक इसका 9 अरब होने का अनुमान है। लेकिन हमारी कृषि उत्पादकता बढ़ने की बजाय स्थिर हो गई है। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए कृषि वैज्ञानिक आधारित या टिकाऊ खेती करने पर जोर दे रहे हैं।

टिकाऊ खेती से तात्पर्य फसल एवं पशुपालन उत्पादन के एकीकरण तंत्र से है। जो लम्बे समय तक निम्न बातें पूर्ण कर सके।

- मनुष्य के भोजन की पूर्ति कर सके।
- वातावरण की गुणवत्ता एवं प्राकृतिक संसाधनों को बचायें।
- उन सभी संसाधनों का प्रभावी ढंग से उपयोग हो जिनका पुर्नउत्पादन नहीं हो सकता है।
- भूमि की आर्थिक उपयोगिता को बनाये रखें।
- कृषक व समाज के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाएं।

इस प्रकार से टिकाऊ खेती में वह सभी बातें समाहित हैं जिससे वातावारण सुधरे, आर्थिक लाभ हो एवं समाज में समानता आए। यहां पशुपालन की टिकाऊ खेती में बराबर की हिस्सेदारी है क्योंकि पशुओं की कृषि में आर्थिक उपयोगिता है, व साथ ही ये चराहाग एवं फसलों के अवशेषों आदि को मनुष्य को खाने योग्य बनाने में मदद करते हैं। टिकाऊ खेती का सबसे उत्तम उपाय है जैविक खेती। जैविक खेती से तात्पर्य है कि खेती में रसायनिक खाद, कीटनाशक व जैविक वृद्धिकारकों का उपयोग करके उत्पादन लिया जाय। जैविक खाद बनाने के लिये पशुओं की आवश्यकता पड़ेगी। क्योंकि पशुओं से ही गोबर, मलमूत्र इत्यादि प्राप्त होंगे।

इसके अतिरिक्त मुर्गी खाद भी भूमि की उर्वराशक्ति को बढ़ाने में काफी मदद करती है, क्योंकि मुर्गी खाद में लगभग 20 प्रतिशत प्रोटीन पाई जाती है। जिससे इस खाद में नाइट्रोजन की मात्रा अधिकतम लगभग 3 प्रतिशत व फास्फोरस एवं पोटाश क्रमशः 2-2 प्रतिशत होती है। वहीं सुअर के मल में नत्रजन, फास्फोरस एवं पोटाश क्रमशः 0.7, 0.6 एवं 0.7 प्रतिशत पाए जाते हैं।

इसके अतिरिक्त जैविक खेती में विभिन्न खादों जैसे गोबर व फसल अवशेष के मिश्रण से खाद (नाडेप या कम्पोष्ट खाद), गोबर गैस संयंत्र से उपलब्ध खाद एवं वर्मी कम्पोस्ट आदि का उपयोग होता है। वर्मी कम्पोस्ट केंचुए की मदद से बनने वाला खाद है। एक क्विंटल ताजा वर्मी कम्पोस्ट से भूमि को 800 ग्राम पोटेशियम प्राप्त होता है। इसके अतिरिक्त इसमें सूक्ष्म पोषक तत्व जैसे कि जस्ता 0.16: तांबा 0.09 और लोहा 1.38 अनुपात होते हैं।

इसमें कुछ पादप हार्मोन्स और एन्टीबायोटिक्स भी होते हैं जो कि फसल की अच्छी पैदावार एवं पौध संरक्षण को बढ़ावा देते हैं। वर्मी कम्पोस्ट की अम्लीयता क्षारीयता 6.8 से 7.2 के बीच होती है। इसमें मृदा का तापमान संतुलित रहता है व मिट्टी में पानी सोखने की प्रवृति बढती हैं। इसके अतिरिक्त मुख्य उपयोग पशु का ये है कि वह जमीन जो कि अत्यंत अनउपजाऊ एवं बंजर होती है उसको भी उपजाऊ बनाने में मदद करते हैं।

उपरोक्त के अलावा टिकाऊ खेती में प्राकृतिक संसाधनों का भी प्रभावी ढंग से उपयोग करना है। इसके लिये हम पशु ऊर्जा का उपयोग मशीनी ऊर्जा के स्थान पर कर सकते हैं। पशु ऊर्जा का उपयोग क्यों करना चाहिए यह निम्न बातों से स्पष्ट होता है-

- पशुओं का उपयोग किसान की कार्यक्षमता को बढ़ाता है। यह फसलों के विविधीकरण कृषि क्षेत्र को बढाने एवं समय पर कृषि कार्यों को सम्पन्न करने में सहायक है।
- मशीनों पर आधारित उत्पादन तन्त्र कुछ ही फसलों तक सीमित रह जाता है और इस तरह विविधता को तहस-नहस कर देता है।
- पशु चलित यन्त्र सस्ते, सुलभ और गांवों में भी बनाये जा सकते हैं।
- पशु ऊर्जा का उपयोग मंहगे और अनवीनीकरण ईंधन पर होने वाले खर्च को बचाना है। पशु खेतों से ही आने वाले फसलों के अवशेष को खाकर उसे उपयोगी चीजों जैसे- दुग्ध, बायोगैस, खाद इत्यादि में बदल देते हैं, और ये भोजन के लिये मानव के प्रतियोगी भी नहीं है।
- ऊर्जा पशुओं का उपयोग पशुओं को फसलोत्पादन से जोड़ने में किसानों की मदद करता है। इस तरह पशुओं की शक्ति का फसलोत्पादन निरन्तर बनाये रखने के लिये दोहन होता रहता है।
- एक बार ट्रैक्टर या पावर टिलर की जीवन अवधि जो कि प्रायः बहुत छोटी होती है, समाप्त हो जाती है तो उसका कोई प्रयोगात्मक उपयोग नहीं रह जाता है। पशु उस पर किये गये खर्च को कई तरह से लौटाता है। वह जीवनभर व मृत्यु उपरान्त भी पशु पालकों को अनेक उपयोगी चीजें देता है। मशीनों के साथ किसानों के कर्ज में फंसने का डर बना रहता है। यदि बढ़ी ऋण सहायता से मशीनीकरण पूर्ण हो भी जाये तो अधिकतर कृषक आबादी अपनी भूमि छोड़ने के लिये बाध्य हो जायेगी। क्योंकि मशीनों की सहायता से बड़े से बड़ा क्षेत्र कुछ ही हाथों द्वारा तैयार किया जा सकता है। इस प्रकार से स्पष्ट है कि टिकाऊ खेती में पशुओं का बहुत बढ़ा योगदान है जिसकों अनदेखा नहीं किया जा सकता है।

रसायनिक उर्वरकों के लाभकारी सुझाव

उर्वरकों के भरपूर लाभ कैसे लें इसके लिये निम्नलिखित बातें ध्यान रखें -

- मिट्टी परीक्षण के आधार पर नत्रजन, फास्फोरस एवं पोटाश तत्व का संतुलित मात्रा में प्रयोग करें.● मिट्टी परीक्षण के आधार पर गौण व सूक्ष्म पोषक तत्वों का उपयोग करें. ● रसायनिक उर्वरकों के साथ जैविक खादों का समावेश करें.
- फसल चक्र अपनायें. ● उपयुक्त सस्य क्रियायें अपनायें.

मिट्टी परीक्षण के आधार पर गौण व सूक्ष्म पोषक तत्वों का उपयोग--जैसा कि विदित है कि हमारे द्वारा लगातार अधिक मुख्य तत्वों वाले रसायनिक उर्वरक उपयोग कर उपज में बढ़ोत्तरी की है लेकिन जमीन से गौण व सूक्ष्म पोषक तत्व जमीन में नहीं दिये जा रहे हैं. जिसके फलस्वरूप हमारी जमीन में मुख्य पोषक तत्वों के साथ-साथ गौण व सूक्ष्म पोषक तत्वों की भी कमी हो गई है। जिसमें सल्फर तत्व चौथे आवश्यक पोषक तत्व के रूप में उभर कर आया है। जिसका मुख्य कारण सघन खेती के साथ जमीन में इन पोषक तत्वों का उपयोग न करना तथा कार्बनिक पदार्थों का खेतों में न डालना है।

रसायनिक उर्वरकों के साथ जैविक खादों का समावेश- परम्परागत खेती के समय रसायनिक खादों का उपयोग कम था लेकिन किसान खेती में गोबर खाद,हरी खाद एवं भूसा आदि को खेत में मिला दिया जाता था तथा सघन खेती भी नहीं होती थी जिसके कारण जमीन की जलधारण क्षमता अच्छी थी तथा पोषक तत्व भी पर्याप्त होते थे परंतु वर्तमान युग मशीनरी की खेती का युग हो गया है जिसमें पशुपालन कम होता जा रहा है किसान भाई अधिक उपज प्राप्ती के लिये मिट्टी के स्वास्थ्य का ध्यान रखना भूल गये हैं जिसके परिणाम किसानों को दिखने लगे हैं कि रासायनिक खाद दिये जाने पर फसल उसका उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। इसलिये प्रत्येक तीन वर्ष में एक बार 15-20 टन गोबर खाद प्रति हेक्टर खेत में डालें.

फसल चक्र अपनायें- फसल चक्र से आशय एक ही फसल को लगातार न बोयें. पहली वर्ष यदि खरीफ में सोयाबीन और रबी में गेहूं तो दूसरी वर्ष खरीफ में मक्का एवं रबी में चना बोयें। फसल चक्र में दलहनी फसलों का समावेश अवश्य करें. दलहनी फसल वायुमंडलीय नत्रजन को अवशोषित कर स्थिर करती है. तथा नत्रजन दलहनी फसल में नहीं देना पड़ता है.उथली जड़ वाली फसल के बाद गहरी जड़ वाली फसल,अधिक पानी वाली फसल के बाद कम पानी चाहने वाली फसल बोये. फसल चक्र अपनाने से उर्वरकों की क्षमता तो बढ़ती ही है साथ ही साथ कीड़े बीमारी भी कम लगती है।

उपयुक्त सस्य क्रियायें अपनायें- उपयुक्त सस्य क्रियायं अपनाने से रसायनिक उर्वरकों की दी गई मात्रा अधिक से अधिक फसल द्वारा ली जावेगी जिससे उपज भी अच्छी मिलेगी. इसके लिये कुछ मुख्य कृषि क्रियायें मुख्य हैं जो निम्नलिखित हैं.

- उपलब्ध साधनों के अनुरूप अधिक उपज देने वाली किस्म बोयें. ● बीज जनित रोगों से बचने के लिये बाबिस्टीन, थाइरम से बीज को उपचारित कर बोयें. ● किस्म की पकने की अवधि के अनुसार समय पर बुवाई करें.● उर्वरकों को सही विधि व समय पर दें. ● फसलों की बढ़वार के क्रान्तिक समय में खेत को खरपतवार रहित रखें. ● सिंचाई आवश्यकतानुसार एवं सही विधि से करें. ● रोग व बीमारियों का प्रबंधन करें. ● समय पर कटाई कर,थ्रेसिंग कर उचित भंडारण करें.

दूध के साथ रेशम उत्पादन

मिल्क विथ सिल्क सिद्धांत की जरूरत और महत्व

भारत के कई इलाकों में सिंचाई की सुविधाएँ सीमित मात्रा में होने से 50 प्रतिशत से ज्यादा खेती बारानी है। यह सर्वविदित हैं कि पिछले कुछ वर्षों से अनियमित मानसून, अमौसमी बरसात, कठोर जलवायु तथा अन्य कई कारणों से बारानी खेती बिना भरोसे की तथा नुकसानमंद साबित हो रही हैं। इससे किसानों में निराशा आर्थिक नुकसान के कारण आत्महत्या तक हो रही हैं। इस स्थिति से उबरने का एक उपाय हैं खेती से जुड़े पूरक व्यवसाय शुरू करना और उन्हें ज्यादा प्रभावी तथा ज्यादा फायदेमंद बनाने हेतु दो या तीन पूरक व्यवसायों को एक साथ करना जैसे दुग्ध व्यवसाय और रेशमकीट पालन एक साथ करना जो एक-दूसरे के पूरक हैं।

दुग्ध उत्पादन हेतु पशुपालन तथा रेशम कीट पालन हेतु मलबेरी की काश्त करना एक-दूसरों के कई तरह से पूरक हैं। पशुओं को दूध उत्पादन हेतु पौष्टिक चारा चाहिए जो उन्हें मलबेरी की पत्तियों से मिलता हैं।

इसके अलावा मलबेरी की पत्तियाँ जायकेदार पाई गई। उनकी पाचकता 70 से 90 च पाई गई। उनमें खनिज लवण 25 प्रतिशत तक पाये गये जो दूध उत्पादन बढ़ाने हेतु तथा पशु के स्वास्थ्य एवं प्रजनन क्षमता बरकरार रखने हेतु अत्यंत उपयुक्त हैं।

एक गाय को उसके शरीर पोषण हेतु रोजाना 7 ग्राम कैल्शियम तथा 7 ग्राम फॉस्फोरस आवश्यक होता हैं जबकि मलबेरी की पत्तियों में करीब 1.8 से 2.4 प्रतिशत कैल्शियम तथा 0.14 से 0.24 प्रतिशत फास्फोरस पाया गया हैं। इसका मतलब हैं कि अगर मलबेरी की पत्तियाँ भरपूर मात्रा में दुधारू पशु को खिलाई जाये तो उनके दूध उत्पादन में बढ़ोत्तरी होगी इसके अलावा उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा। एक वैज्ञानिक प्रयोग में पाया गया कि खुराक और मलबेरी को पत्तियां अनुक्रम 60:40 तथा 25:75 प्रतिशत इस अनुपात में खिलाने पर गायों का दूध उत्पादन 13.2 और 13.8 लीटर प्राप्त हुआ जबकि सिर्फ खुराक खिलाने पर 14.2 लीटर था। इसका मतलब यह हुआ की मलबेरी की पत्तियाँ खिलाने से दूध उत्पादन में ज्यादा कमी नहीं आई बल्कि खुराक की मात्रा कम लगने से उसके पोषण खर्च में कमी आई यानि मलबेरी की पत्तियां खिलाने से दूध उत्पादन का धंधा किफायती होता हैं।

रेशम कीटों को डाली हुई मलबेरी की जो पत्तियां बाकी रह जाती हैं वो पत्तियाँ, डालियाँ दुधारू पशुओं को खिलाया जाये तो वह बरबाद होने से बच जाता हैं। कुछ स्थानों पर रेशम की इल्लियों के अपशिष्ट पदार्थ पर नमक का घोल डालकर वह दुधारू पशुओं को खिलाया जाता हैं।

इस प्रकार रेशम कीट पालन तथा दुग्ध व्यवसाय का आपस में घनिष्ठ नाता जोड़कर दोनों ही व्यवसाय एक साथ एक ही खेत पर कर सकते हैं। इसमें जो मजदूर होते हैं उनका उत्कृष्ठ इस्तेमाल होता हैं. रेशम कीटों द्वारा कोष निर्माण होने पर उन्हें बेचकर पैसा प्राप्त होता हैं। इसके अलावा दुग्ध व्यवसाय से दूध, खाद तथा बछड़े बेंचकर अधिक धन प्राप्त होगा और इस प्रकार किसान भाईयों को कमाई के दो स्त्रोत प्राप्त होंगे जिससे ज्यादा आर्थिक सम्पन्नता का लाभ होगा।

रेशम कीट पालन हेतु प्रशिक्षण, जानकारी, तांत्रिक मार्गदर्शन, रेशम उद्योग, संचालनालय से प्राप्त होते हैं तथा दुग्ध व्यवसाय के विषय में जानकारी प्रशिक्षण तथा तांत्रिक मार्गदर्शन हर जिले में स्थित कृषि विज्ञान केंद्र, जिले के पशुपालन विभाग, कृषि विश्वविद्यालयों में स्थित पशुपालन एवं दुग्ध शास्त्र विभाग आदि जगह से प्राप्त कर सकते हैं।

ध्यान रहे, पूरक व्यवसाय के बिना किसान भाईयों की सही मायने में उन्नति नहीं हो सकती अतः पूरक व्यवसाय अवश्य अपनाएं और अपनी आर्थिक उन्नति हासिल करें.

संक्षिप्त समाचार

शालेय खेल प्रतियोगिता - कराटे और शूटिंग में खिलाडियों ने दिखाये हुनर

इन्दौर। राष्ट्रीय शालेय खेल प्रतियोगिता अंतर्गत डेली कॉलेज और एमराल्ड हाइट्स इन्दौर में कराटे और शूटिंग के मुकाबले जारी है। देश के विभिन्न हिस्स्सों से आये खिलाडी अपनी हुनर और प्रतिभा दिखा रहे हैं। डेली कॉलेज में जारी कराटे प्रतियोगिता में अंडर 19 (बालक) 35 किलो वर्ग में उप्र के आयुष धीमान ने गोल्ड, मप्र के फरहान खान ने सिल्वर और तमिलनाडु के जी बथारिनाथान और अरुणाचल के निक्की प्रफ्फा ने ब्रांज पर तो अंडर 19 (बालिका) 32 किलो वर्ग में मप्र की दीक्षता यादव ने गोल्ड, दिल्ली की शालिनी ने सिल्वर और तमिलनाडु के एस दक्षिता और पंजाब की दपिंदर कौर ने ब्रांज पर कब्जा किया।

डब्ल्यू डबल्यू एफ पहलवान रे मिस्टीरियो का निधन

लास वेगास। मैक्सिको के दिग्गज डब्ल्यू डबल्यू एफ पहलवान रे मिस्टीरियो सीनियर का निधन हो गया है। मिस्टीरियो 66 साल के थे। इस पलवान का 20 दिसंबर को ही निधन हो गया था पर इसकी पुष्टि परिवार ने अब की है। मिस्टरियो सीनियर ने मेक्सिको में लुचा लिब्रे स्टाइल कुश्ती के जरिये लोकप्रियता हासिल की थी। वर्ल्ड रेसलिंग एसोसिएशन और लुचा लिब्रे एएए वर्ल्डवाइड जैसे प्रमुख संगठनों के साथ उन्होंने कई चैंपियनशिप खिताब भी जीते थे। इसके अलावा मिस्टीरियो ने साल 1990 में विश्व चैम्पियनशिप कुश्ती के स्टारकेड जैसे आयोजन में भी अपना प्रभाव दिखाया था। कुश्ती के लिए जाने जाने वाले मिस्टीरियो ने दुनिया भर में कई प्रशंसकों और एथलीटों को प्रेरित किया।

आईसीसी ने अफगानिस्तान के फजलहक पर लगाया जुर्माना

हरारे। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अफगानिस्तान के फजलहक फारूकी पर जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मैच के दौरान आचार संहिता उल्लंघन करने के लिए जुर्माना लगाया है। आईसीसी ने कहाया, अफगानिस्तान के तेज गेंदबाज फजलहक पर आचार संहिता के लेवल 1 का उल्लंघन करने के लिए मैच फीस का 15 फीसदी जुर्माना लगाया है। फारूकी को खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहायक कर्मियों के लिए आचार संहिता के अनुच्छेद 2.8 का उल्लंघन करते हुए पाया गया, जो अंतर्राष्ट्रीय मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति दिखाने से जुड़ा है।

मुख्यमंत्री ने रतलाम में खेल चेतना मेले के रजत जयंती समारोह का किया शुभारंभ

खेल क्षेत्र में रतलाम बना रहा है विशिष्ट पहचान: मुख्यमंत्री यादव

रतलाम/इन्दौर, निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आजादी के बाद पहली बार हमने प्रदेश में खेलों के लिए 586 करोड़ रूपये के बड़े बजट का प्रावधान किया है। मध्यप्रदेश एकमात्र ऐसा राज्य है, जहाँ हॉकी के लिए सर्वाधिक एस्ट्रोटर्फ होंगे। खेलों को अब पाठ्यक्रम का भी हिस्सा बनाया गया है। खेल शिक्षक भी असिस्टेंट प्रोफेसर, प्रोफेसर और कुलगुरु बन सकते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को रतलाम में चैतन्य काश्यप फाउंडेशन द्वारा आयोजित किये जा रहे खेल चेतना मेले के रजत जयंती समारोह का शुभारंभ कर संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ध्वजारोहण कर खेल चेतना मेले के शुभारंभ की घोषणा की। कार्यक्रम में सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यम मंत्री चैतन्य काश्यप, सांसद सुधीर गुप्ता, सांसद श्रीमती अनीता नागर सिंह चौहान, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती लालाबाई शंभू लाल चंद्रवंशी, विधायक आलोट चिंतामणि मालवीय, विधायक रतलाम ग्रामीण मथुरा लाल डामोर, महापौर प्रहलाद पटेल, प्रदीप उपाध्याय, नगर निगम अध्यक्ष श्रीमती मनीषा शर्मा सहित कई जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रतलाम में हॉकी के लिए एस्ट्रो टर्फ निर्माण, व्यवसाय को गति देने के लिए साड़ी क्लस्टर निर्माण की घोषणा की। उन्होंने कहा कि साड़ी क्लस्टर में महेश्वर, चंदेरी की तर्ज पर शहर में महिलाओं को साड़ी निर्माण से जोड़ा जाये। रतलाम के शासकीय लक्ष्मी नारायण पांडे मेडिकल कॉलेज में सभी प्रकार के हृदय संबंधी उपचार एवं ऑपरेशंस के लिए कार्डियक ब्रांच स्थापित करने की भी घोषणा की। रतलाम में खेलों के लिए अधोसंरचना विकास एवं बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शासन द्वारा रतलाम में 15 करोड़ रुपए की लागत से एकीकृत स्पोर्ट्स कांपलेक्स का निर्माण किया जा रहा है, जिसमें जूडो, कराटे, बैडमिंटन, कुश्ती, कबड्डी इत्यादि इनडोर खेल गतिविधियां आयोजित की जा सकेंगी। साथ 400 मीटर दौड़ के लिए सिंथेटिक ट्रैक भी बन रहा है। साथ ही 1200 लोगों की क्षमता के पवेलियन तथा जिम का निर्माण भी किया जा रहा है। जिले के आलोट में खेलों के लिए भूमि आवंटित कर दी गई है। पिपलोदा-रावटी में भी भूमि आवंटित की जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश, देश का ऐसा पहला राज्य होगा जहां हॉकी के लिए सर्वाधिक 12 एस्ट्रो टर्फ की सुविधा होगी। रतलाम में खेल गतिविधियों की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सेव, सोना और साड़ी के लिए प्रसिद्ध रतलाम अब खेलों में भी अपनी विशेष पहचान स्थापित कर रहा है। इसमें चैतन्य काश्यप फाउंडेशन द्वारा विगत 25 वर्षों से आयोजित किया जा रहे खेल चेतना मेले का विशेष योगदान है। इस आयोजन से रतलाम की खेल प्रतिभाएं देश, प्रदेश में अपना नाम रोशन कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में खेलों के विकास के लिए समग्र प्रयास किए जा रहे हैं। भोपाल में हुये खेलो इंडिया आयोजन में प्रदेश ने अपनी विशेष छाप छोड़ी है। मुख्यमंत्री ने रतलाम में चैतन्य काश्यप फाउंडेशन द्वारा लगातार 25 वर्षों से आयोजित किए जा रहे खेल चेतना मेला आयोजन की विशेष रूप से सराहना की। उन्होंने कहा कि इस वर्ष 10 हजार खिलाड़ियों की सहभागिता और खिलाड़ियों के सम्मान के साथ खेल चेतना मेले ने अपना विशिष्ट स्थान बनाया है। मुख्यमंत्री ने मंत्री काश्यप की भी सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुराने समय से ही व्यापार, व्यवसाय के लिए प्रसिद्ध रतलाम अब खेलों में भी अपनी अलग पहचान बना रहा है।

इटली में सीरीज ए फुटबॉल में एसी मिलान के तजिनी रीजिंदर गोल करने के बाद अपने साथी के साथ उत्साहित होते हुए।

पेरिस ओलंपिक से खाली हाथ लौटे थे खिलाड़ी

भारतीय बैडमिंटन के लिए निराशाजनक रहा यह साल

नई दिल्ली, एजेंसी। 2016 रियो ओलंपिक और टोक्यो 2020 में पदक जीतने वाली महिला एकल खिलाड़ी पीवी सिंधू भी पदक नहीं जीत सकी थीं, जबकि पुरुष एकल में लक्ष्य सेन कांस्य पदक हासिल करने से चूक गए थे।

क्रिकेट टीम के लिए साल 2024 जहां अच्छा रहा, वहीं भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों को निराशा मिली। पेरिस ओलंपिक में बैडमिंटन में भारत का प्रदर्शन निराशाजनक रहा था और इस स्पर्धा में खिलाड़ी एक भी पदक हासिल नहीं कर सके थे। यहां तक कि 2016 रियो ओलंपिक और टोक्यो 2020 में पदक जीतने वाली महिला एकल खिलाड़ी पीवी सिंधू भी पदक नहीं जीत सकी थीं, जबकि पुरुष एकल में लक्ष्य सेन कांस्य पदक हासिल करने से चूक गए थे।

सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की शानदार जोड़ी ने हालांकि भारतीय बैडमिंटन में एक अमिट छाप छोड़ी, लेकिन यह भारतीय जोड़ी भी पेरिस ओलंपिक से खाली हाथ लौटी। सात्विक और चिराग के लिए अच्छा और बुरा दोनों समय रहे क्योंकि यह जोड़ी चार फाइनल में पहुंची और दो खिताब जीते जिससे ऐतिहासिक ओलंपिक पदक की उम्मीद जगी। लेकिन पेरिस ओलंपिक में क्वार्टर फाइनल से बाहर होने के साथ उनका अभियान निराशा में समाप्त हो गया था। एशियाई खेलों के चैंपियन ने फ्रेंच ओपन सुपर 750 और थाईलैंड सुपर 500 में खिताब जीतकर दुनिया की शीर्ष जोड़ियों में अपना दर्जा मजबूत किया। यह जोड़ी मलेशिया सुपर 1000 और इंडिया सुपर 750 में उपविजेता रही, लेकिन आठ साल में दूसरी दफा ओलंपिक जीतने का सपना पूरा नहीं हो पाया।

सिंधू ने सैयद मोदी खिताब जीतकर सूखा समाप्त किया : भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू के लिए साल निराशाजनक रहा। उन्होंने अपने कोचिंग स्टाफ में कई बदलाव किए और महान बैडमिंटन खिलाड़ी प्रकाश पादुकोण के मार्गदर्शन में ट्रेनिंग के लिए बंगलूरु चली गईं।

तीसरे वनडे में 8 विकेट से हराया, गजनफर को 5 विकेट, सेदिकुल्लाह का अर्धशतक

अफगानिस्तान ने जिम्बाब्वे के खिलाफ लगातार 6वीं वनडे सीरीज जीती

नई दिल्ली, एजेंसी। अफगानिस्तान ने जिम्बाब्वे को तीसरे वनडे में 8 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ टीम जिम्बाब्वे के खिलाफ लगातार 6वीं वनडे सीरीज जीती। दोनों टीमों के बीच साल 2014 से वनडे सीरीज खेली जा रही। अब तक खेली गई 7 सीरीज में एक ड्रॉ रही और बाकी 6 अफगानिस्तान ने जीते है।

हरारे में शनिवार को अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। जिम्बाब्वे की टीम 30.1 ओवर में 127 रन पर ही सिमट गई। जवाब में अफगान टीम ने 26.5 वर में 2 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। अफगानिस्तान से अल्लाह गजनफर ने 5 विकेट लिए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना जाएगा। सीरीज का पहला मैच बेनतीजा रहा था। दूसरा अफगानिस्तान 232 रन के बड़े अंतर से जीता था।

शॉन ने 60 रन की पारी खेली टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी जिम्बाब्वे टीम को 7वें ही ओवर में झटका लगा। जॉयलॉर्ड गम्बी 3 रन ही बनाकर आउट हो गए। उनके बाद क्रैग इरविन 5, बेन करन 12 और सिकंदर रजा 13 रन ही बना सके। शॉन विलियम्स टीम के टॉप स्कोरर रहे। उन्हें अर्धशतक लगाया। शॉन ने 61 बॉल पर 60 रन की पारी खेली।

अफगानिस्तान से अल्लाह गजनफर ने सबसे ज्यादा 5 विकेट झटके। राशिद खान ने 3 विकेट लिए। अजमतुल्लाह ओमरजई और फरीद अहमद को 1-1 विकेट मिला।

व्यापार समाचार

वित्त मंत्री ने बताया बैठक क्या-क्या फैसले हुए

बीमा पर कर कटौती फिलहाल नहीं, जीन थेरेपी में छूट

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जीएसटी काउंसिल की 55वीं बैठक के बाद कहा, जीएसटी काउंसिल ने फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म पर टैक्स रेट तय करने का फैसला टाल दिया है। दरअसल, रेट को सरल बनाने के लिए बनी मंत्री समूह (जीओएम) की रिपोर्ट अभी तक तैयार नहीं हुई है, इसलिए फैसला आगे बढ़ा दिया गया है।

जीएसटी परिषद की 55वीं बैठक के बाद केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने कहा, फोर्टिफाइड चावल की गुठली की दर में 5त्न की कमी...जीन थेरेपी जो जीवन रक्षक बीमारियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, को छूट दी गई है। लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल (एलआर-एसएएम) प्रणाली रक्षा में बहुत महत्वपूर्ण है। हमने सिस्टम, सब-सिस्टम, उपकरण, टूल, सॉफ्टवेयर को दी जाने वाली जीएसटी छूट को बढ़ाने का फैसला किया है। छूट को और आगे बढ़ाया गया है...व्यापारी निर्यातकों को आपूर्ति पर क्षतिपूर्ति उपकर की दर को घटाकर 0.1त्न कर दिया गया है, जो ऐसी आपूर्ति पर जीएसटी दर के बराबर है।

एसीसी ब्लॉकों पर 12 प्रतिशत जीएसटी लगेगा- वित्त मंत्री: केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, 50 प्रतिशत से अधिक फ्लाई ऐश वाले एसीसी ब्लॉकों पर 12 प्रतिशत जीएसटी लगेगा। काली मिर्च चाहे ताजी हरी काली मिर्च हो या सूखी काली मिर्च और किशमिश जब किसी किसान की तरफ से आपूर्ति की जाती है तो उस पर जीएसटी

नहीं लगेगा। ऋण शर्तों का पालन न करने पर बैंकों और एनबीएफसी की तरफ से वसूले गए दंडात्मक शुल्क या लेवी पर कोई जीएसटी देय नहीं है।

टीएफ को जीएसटी के दायरे में लाने पर नहीं बनी सहमति: निर्मला सीतारमण ने आगे कहा, एजेंडे में यह अनुरोध रखा गया था कि क्या एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) को जीएसटी के दायरे में लाया जाना चाहिए... इस पर सहमति नहीं बन पाई है क्योंकि राज्य इससे सहमत नहीं हैं और यह अभी भी वहीं है जहां यह आज है... स्वास्थ्य बीमा से संबंधित निर्णयों के लिए अधिक समय की आवश्यकता है। आईआरडीएआई से इनपुट की प्रतीक्षा है।

वित्त मंत्री ने आगे बताया कि, बीमा प्रीमियम पर टैक्स घटाने का फैसला भी टाल दिया गया है क्योंकि इस पर कई जानकारियां, जैसे आईआरडीएआई की टिप्पणियां, अभी तक प्राप्त नहीं हुई हैं। वहीं बैंकों या वित्तीय संस्थानों की तरफ से उधारकर्ताओं पर लगाए गए दंड शुल्क पर कोई जीएसटी नहीं लिया जाएगा। जीएसटी काउंसिल ने प्री-पैकेज्ड और लेबल्ड आइटम्स% की परिभाषा में बदलाव की सिफारिश की है। जब 1 जुलाई 2017 को जीएसटी लागू किया गया था, जिसमें एक दर्जन से अधिक केंद्रीय और राज्य शुल्कों को शामिल किया गया था, तो पांच वस्तुओं- कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस, पेट्रोल, डीजल और विमानन टरबाइन ईंधन (एटीएफ) को जीएसटी कानून में शामिल किया गया था, लेकिन यह निर्णय लिया गया था कि बाद में इन पर जीएसटी के तहत कर लगाया जाएगा।

आंध्र प्रदेश की 1 प्रतिशत आपदा उपकर की मांग पर बनेगी जीएमओ: इसके साथ ही जीएसटी काउंसिल ने आंध्र प्रदेश की 1 प्रतिशत आपदा उपकर लगाने की मांग पर विचार करने के लिए मंत्रियों का एक समूह बनाने का फैसला किया है। यह उपकर कुछ लग्जरी सामानों पर लगाया जाएगा ताकि प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए संसाधन जुटाए जा सकें।

आरबीआई ने अपनी रिपोर्ट में कहा

बिजली वितरण कंपनियां राज्यों पर वित्तीय रूप से बोझ बनीं

नई दिल्ली, एजेंसी। आरबीआई की रिपोर्ट में कहा गया है कि विभिन्न सुधार प्रयासों के बावजूद डिस्कॉम राज्यों के लिए एक बड़ी चुनौती बनी हुई हैं। हालात बदलने के लिए, आरबीआई ने उत्पादकता में सुधार, ट्रांसमिशन और वितरण घाटे को कम करने और बिजली आपूर्ति की वास्तविक लागत के साथ टैरिफ को एडजस्ट करने जैसे उपायों के महत्व पर जोर दिया गया है।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि बिजली वितरण कंपनियां (डिस्कॉम) राज्यों के लिए वित्तीय रूप से भारी बोझ बनी हुई हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि राज्य डिस्कॉम का कुल संचित घाटा 2022-23 तक 6.5 लाख करोड़ रुपये तक पहुँच गया है, जो देश के सकल घरेलू उत्पाद का 2.4 प्रतिशत है।

रिपोर्ट के अनुसार, बिजली वितरण कंपनियाँ (डिस्कॉम) राज्यों पर वित्तीय रूप से बोझ बनी हुई हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि विभिन्न सुधार प्रयासों के बावजूद डिस्कॉम राज्यों के लिए एक बड़ी चुनौती बनी हुई हैं। हालात बदलने के लिए, आरबीआई ने उत्पादकता में सुधार, ट्रांसमिशन और वितरण घाटे को कम करने और बिजली आपूर्ति की वास्तविक लागत के साथ टैरिफ को एडजस्ट करने जैसे उपायों के महत्व

पर जोर दिया।

आरबीआई की रिपोर्ट में पाया गया है कि राज्यों ने राजकोषीय अनुशासन बनाए रखने में प्रगति की है। 2023-24 में, राज्यों का सकल राजकोषीय घाटा (तस्नष्ठ) सकल घरेलू उत्पाद के 2.91 प्रतिशत पर सीमित रहा, जो राजकोषीय उत्तरदायित्व विधान की ओर से निर्धारित 3 प्रतिशत की सीमा के भीतर था।

पूंजीगत व्यय, जो बुनियादी ढांचे और दीर्घकालिक विकास में निवेश का एक महत्वपूर्ण संकेतक है, 2023-24 में सकल घरेलू उत्पाद का 2.6 प्रतिशत हो गया, जो पिछले वर्ष 2.2 प्रतिशत था। भविष्य को देखते हुए, रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि राज्यों से 2024-25 में राजकोषीय अनुशासन बनाए रखने की उम्मीद है, जिसमें जीएफडी का बजट सकल घरेलू उत्पाद का 3.2 प्रतिशत है।

टाटा मोटर्स और बजाज ऑटो को पीछे छोड़ा जोमैटो ने

मुंबई। फूड डिलीवरी एग्रीगेटर जोमैटो ने टाटा मोटर्स और बजाज ऑटो को पछाड़ दिया है। जोमैटो 30 कंपनियां वाली सूची में 27 नंबर पर पहुंच गई है। इन दोनों दिग्गज कंपनियों से जोमैटो का मार्केट कैप बढ़ा हो गया है ।जोमैटो 2.78 लाख करोड रुपए मार्केट कैप की कंपनी बन गई है। टाटा मोटर्स का मार्केट कैप बीएसई में 2.73 लाख करोड़ का है। वही बजाज ऑटो का 2.50 लाख करोड़ का है। 30 शेयर वाली सूची में जोमेटो शामिल हो जाएगी। वहीं 30 शेयर वाली सूची से जेएसडब्ल्यू स्टील बाहर हो जाएगी। 2024 में जोमैटो के शेयर में लगातार तेजी देखने को मिली। निवेशकों का निवेश दोगुना से ज्यादा हो गया है।

जीएसटी काउंसिल की बैठक में टैक्स समेत कई मुद्दों पर हो सकता है फैसला

नई दिल्ली। राजस्थान में आयोजित जीएसटी काउंसिल की 55वीं बैठक में देश की अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए 148 वस्तुओं पर लगने वाले जीएसटी दरों पर विचार किया जा रहा है। इस बैठक में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ कई राज्यों के मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री भाग ले रहे हैं। बैठक में हुए अहम फैसले के चरण पर, हेल्थ और लाइफ इंश्योरेंस प्रीमियम पर जीएसटी माफ किया जा सकता है। इससे 5 लाख रुपए तक के हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम पर जीएसटी की हावी भारी गिरावट संभावित है।

पोर्टल पर अपलोड करना होगा डेटा

एक्सपायर डेट वाली चीजों का डेटा ऑनलाइन अनुपालन प्रणाली से पेश करें: एफएसएसएआई

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय खाद्य मानक और प्रमाणन प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने एक महत्वपूर्ण निर्देश जारी किया है, जिसमें लाइसेंस प्राप्त खाद्य निर्माता और आयातकों को स्पष्ट किया गया है कि वे रिजेक्टेड और एक्सपायर खाद्य आइटम्स का तिमाही डेटा (ऑनलाइन अनुपालन प्रणाली) के माध्यम से पेश करें। इसका मकसद है कि ऐसे उत्पादों के पुन: उपयोग को रोका जा सके। इस निर्देश के तहत, तीन अहम क्षेत्रों का विशेष महत्व है- पहला, आंतरिक गुणवत्ता परीक्षण या निरीक्षण में फेल होने वाले उत्पादों की मात्रा; दूसरा, फूड सप्लाई चेन से रिजेक्टेड उत्पादों की संख्या; और तीसरा, प्रोडक्ट डिस्पोजल की डिटेल रिपोर्ट। यह निर्देश हाल ही में जारी किया गया और इसका पालन करने के लिए रिपैकर्स और रीलेवलर्स को जिम्मेदारी सुनिश्चित करनी होगी। एफओएससीओएस की रिपोर्टिंग फंक्शन अभी भी विकसित हो रहा है, और नियामक ने खाद्य उद्यमों से जरूरी डेटा इकट्ठा करने का आग्रह किया है। हाल ही में एफएसएसएआई ने एक अलग आदेश जारी किया है, जिसमें कहा गया है कि ऑनलाइन काम करने वाले सभी फूड बिजनेस ऑपरेटर्स (एफबीओ) को चाहिए कि उन्हें केवल उन खाद्य आइटम्स की डिलीवरी करें, जिनकी एक्सपायरी डेट कम से कम 45 दिन बाकी हो। यह कदम उपभोक्ताओं के हित के लिए उठाया गया है ताकि उन्हें ताज़गी से तैयार भोजन मिल सके। कंज्यूमर्स की शिकायतों को ध्यान में रखते हुए मंत्रालय ने एक नया ई-जागृति ऐप शुरू करने की योजना बनाई है, जिसकी विशेषता यह है कि इसके माध्यम से लोग अपनी शिकायतें आसानी से दर्ज कर सकें। इन निर्देशों का पालन करने से प्रयोजन है कि भारत में खाद्य सुरक्षा में सुधार हो, और उपभोक्ताओं को सुरक्षित और स्वस्थ खाद्य सुरक्षा का आनंद मिले।

केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने बताया

भारत की फार्मा इंडस्ट्री मात्रा के हिसाब से दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी इंडस्ट्री

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि भारत की फार्मा इंडस्ट्री मात्रा के हिसाब से दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी इंडस्ट्री है। इतना ही नहीं वित्त वर्ष 2023-24 में फार्मास्युटिकल बाजार का मूल्य 50 बिलियन डॉलर हो गया है। राज्यसभा में लिखित उत्तर में केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 में फार्मास्युटिकल मार्केट का घरेलू उपभोग मूल्य 23.5 बिलियन डॉलर और निर्यात मूल्य 26.5 बिलियन डॉलर रहा। यह उत्पादन के मूल्य के मामले में भी 14वें स्थान पर है, जिसमें जेनेरिक दवाएं, बल्क ड्रग्स, ओवर-द-काउंटर दवाएं, टीके, बायोसिमिलर और बायोलॉजिक्स शामिल हैं।

राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी 2024 के अनुसार, वित्त वर्ष 2022-23 के लिए स्थिर मूल्यों पर फार्मास्युटिकल्स, औषधीय और बोटैनिकल प्रोडक्ट के लिए कुल उत्पादन 4,56,246 करोड़ रुपये है, इसमें से 1,75,583 करोड़ रुपये वैल्यू एडेड है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान फार्मास्युटिकल्स, औषधीय और बोटैनिकल प्रोडक्ट उद्योग में 9,25,811 लोग लगे हुए थे। इस बीच, राज्य मंत्री ने बताया कि फार्मास्युटिकल्स विभाग ने राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों के रूप में सात राष्ट्रीय फार्मास्युटिकल शिक्षा और अनुसंधान संस्थान (एनआईपीईआर) स्थापित किए हैं।

ये संस्थान स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट की शिक्षा प्रदान करते हैं, साथ ही विभिन्न फार्मा विशेषज्ञताओं में उच्च स्तरीय शोध भी करते हैं। इसके अलावा, विभाग ने फार्मास्युटिकल्स और चिकित्सा उपकरणों में रिसर्च, विकास और इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए एक राष्ट्रीय नीति भी तैयार की है।

दिल्ली मुंबई के बाद इंदौर तीसरा ऐसा शहर जहां लगी प्रो साउंड लाइट एक्सपो

इन्दौर। स्थानीय बायपास स्थित लाभगंगा गार्डन में एक भव्य रंगारंग कार्यक्रम में तीन दिवसीय भारत प्रो साउंड लाइट एक्सपो का शुभारंभ हुआ। इन्दौर में पहली बार आयोजित अपनी तरह के इस पहले और अनूठे एक्सपो में साउंड एंड लाइट से जुड़ा हर एक जरूरी सामान उपलब्ध हैं। देश व विदेश के उत्पादकों ने इस एक्सपो में खास तौर एलईडी स्क्रीन, डीजे मशीन, माइक, स्पीकर, म्यूजिक कॉन्सर्ट सेटअप सहित म्यूजिक सिस्टम के हर प्रोडक्ट को पेश किया गया है। एक्सपो का शुभारंभ साउंड लाइट एसोसिएशन के अध्यक्ष नारायण खत्री, यूपी सरकार के राज्यमंत्री और भारतीय व्यापार उद्योग के राष्ट्रीय अध्यक्ष रविकांत गर्ग, एसोसिएशन के उपाध्यक्ष शांतिलाल जांगिड़, सचिव सुधीर चौपड़ा, कोषाध्यक्ष विक्रम नाहटा, सहित एसोसिएशन के सदस्य कमल डबलानी, मुकेश थदानी, गणेश बरेठा, सुरेश जैन की मौजूदगी में हुआ।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा ने दिल्ली सरकार की डॉ. आंबेडकर सम्मान स्कॉलरशिप योजना पर उठाया सवाल

नई दिल्ली। भजापा ने दलित छात्रों के लिए आज घोषित दिल्ली सरकार की डॉ. आंबेडकर सम्मान स्कॉलरशिप योजना पर सवाल उठाते हुए इसे पुरानी योजना बताया है। पार्टी का आरोप है कि केजरीवाल सरकार ने 2019 में इस योजना की घोषणा की थी लेकिन आज तक इससे कितने छात्र लाभान्वित हुए, इसकी कोई जानकारी नहीं है। भाजपा की आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर इस घोषणा से संबंधित एक विज्ञापन की प्रति साझा करते हुए लिखा, चुनाव से पहले – हर रोज उठो, नई घोषणा करो, फिर सो जाओ। चुनाव के बाद – सभी घोषणाओं को भूल जाओ और शराब घोटाले में लग जाओ। वैसे इस योजना की घोषणा उन्होंने 2019 में की थी। बड़ा प्रचार करवाया था लेकिन आज तक कितने दलित छात्रों को पढ़ने के लिए विदेश भेजा, उसकी किसी को भी जानकारी नहीं है। दलित छात्रों के लिए छात्रवृत्ति और विदेश में पढ़ने के लिए आर्थिक सहायता की योजना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार पिछले दस वर्षों से चला रही है। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को दलित छात्रों के लिए डॉ. अंबेडकर सम्मान छात्रवृत्ति की घोषणा की। केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली सरकार विदेश में पढ़ाई के लिए जाने वाले दलित छात्रों की शिक्षा का पूरा खर्च उठाएगी।

नमो भारत यात्रियों के लिए किराए पर मिलेगी 10% छूट

गाजियाबाद। नमो भारत ट्रेन के यात्रियों के लिए खुशखबरी है अब उन्हें किराए में 10 प्रतिशत की छूट मिल सकेगी इसको लेकर एनसीआरटीसी ने लालित्य प्वाइंट प्रोगाम लॉन्च कर दिया है। एनसीआरटीसी के प्रबंध निदेशक, शलभ गोयल ने साहिबाबाद आरआरटीएस स्टेशन पर वरिष्ठ अधिकारियों और यात्रियों की उपस्थिति में किया। इसके अलावा यात्रियों के लिए द्वि-मासिक न्यूज़लेटर नमो भारत टाइम्स का भी अनावरण किया गया। नमो भारत यात्रियों के साथ जुड़ने और उन्हें नमो भारत टिकटों पर 10प्रतिशत की छूट के लिए, एनसीआरटीसी ने 'आरआरटीएस कनेक्ट' मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से लॉयल्टी पॉइंट्स कार्यक्रम की शुरूआत की है। एनसीआरटीसी के प्रवक्ता पुनीत वत्स ने बताया कि लॉयल्टी पॉइंट्स प्रोग्राम के तहत, यात्रियों को नमो भारत ट्रेन टिकट पर खर्च किए गए प्रत्येक रुपये के बदले 1 अंक प्राप्त होगा। प्रत्येक लॉयल्टी पॉइंट का मूल्य ?0.10 (10 पैसे) है और इसे यात्रियों के 'आरआरटीएस कनेक्ट' खाते में जमा किया जाएगा। इन पॉइंट्स का प्रयोग भविष्य में टिकट खरीदने के लिए किया जा सकेगा। इस पहल से न केवल यात्रियों को आर्थिक लाभ होगा, बल्कि आरआरटीएस कनेक्ट ऐप के माध्यम से डिजिटल क्यूआर टिकट के उपयोग को भी बढ़ावा मिलेगा। पेपरलेस टिकटिंग के माध्यम से यह यात्रा को भी सरल बनाएगा। विश्वसनीय, सुरक्षित, आरामदायक, कुशल और सतत गतिशीलता समाधान प्रदान करके लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने के दृष्टिकोण के अनुरूप है।

मुंबई नाव हादसा : लापता 7 वर्षीय बच्चे का शव बरामद, मृतकों की संख्या बढ़कर 15 हुई

मुंबई। मुंबई में गेटवे आफ इंडिया से एलीफेंटा जा रही नीलकमल नाव दुर्घटना में लापता सात वर्षीय बच्चे का शव शनिवार को दोपहर बचाव टीम ने बरामद कर लिया। इस तरह से इस घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर 15 हो गई है। इस घटना की छानबीन कोलाबा पुलिस स्टेशन और नौसेना की टीम कर रही है। यह जानकारी पुलिस ने दी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार बचाव टीम ने आज दोपहर में जिस लापता सात वर्षीय बच्चे का शव बरामद किया। उसकी पहचान जोहान मोहम्मद निसार अहमद पठान के रूप में हुई है। यह बच्चा 18 दिसंबर से नीलकमल नाव दुर्घटना के बाद से लापता था। बच्चे के मां की भी इसी दुर्घटना में मौत गई थी। मां-बेटे गोवा के रहने वाले थे। इससे पहले बचाव टीम ने गुरुवार को 43 वर्षीय हंसराज भाटी का शव बरामद किया गया था। इस तरह इस घटना में कुल मृतकों की संख्या 15 हो गई है। भारतीय नौसेना ने शहर के बंदरगाह क्षेत्र में हुई सबसे घातक दुर्घटनाओं में से एक इस नीलकमल नाव दुर्घटना की जांच शुरू कर दी है।

पीएम ने लोगों से रण उत्सव में शामिल होने का किया आग्रह

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सभी से गुजरात के कच्छ जिले में आयोजित रण उत्सव में शामिल होने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि मार्च 2025 तक चलने वाला यह उत्सव आपके एवं आपके परिवार के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव होने का वादा करता है। प्रधानमंत्री ने शनिवार को एक्स पर वीडियो साझा करते हुए लिखा, कच्छ आप सभी की प्रतीक्षा कर रहा है। आइए, वर्तमान में जारी रण उत्सव के दौरान कच्छ के प्राचीन सफेद रण का अनुभव लीजिए तथा उसकी शानदार संस्कृति एवं गर्मजोशी भरे आतिथ्य का आनंद उठाइए। मार्च 2025 तक चलने वाला यह उत्सव आपके एवं आपके परिवार के

ओम प्रकाश चौटाला पंचतत्व में विलीन

चंडीगढ़। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला शनिवार को पंचतत्व में विलीन हो गए। चौटाला का अंतिम संस्कार उनकी इच्छानुसार सिरसा के गांव तेजा खेड़ा स्थित फार्म हाउस में किया गया। ओम प्रकाश चौटाला का शुक्रवार को गुरुग्राम के मेदांता मेडिसिटी में निधन हो गया था। ओम प्रकाश चौटाला का पार्थिक शरीर शनिवार सुबह आठ बजे अंतिम दर्शनों के लिए तेजा खेड़ा फार्म हाउस पर रखा गया। जहां भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अपनी पत्नी सुदेश धनखड़ के साथ पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। धनखड़ ने कहा कि मृत्यु से पांच दिन पहले फोन पर उनके साथ बात हुई तो उन्होंने अपने बजाए मेरे स्वास्थ्य की चिंता की। उपराष्ट्रपति ने कहा कि ओम प्रकाश चौटाला की स्मरण शक्ति और आत्मविश्वास बहुत था। वह विपरीत हालातों में भी आगे बढ़े। चौटाला ने अपने पूरे जीवन में किसान और गांव के विकास को प्राथमिकता दी। हरियाणा ने आज एक प्रखर वक्ता को खो दिया है।

100 दिन के सघन तपेदिक उन्मूलन अभियान को मिली बड़ी सफलता, अब तक 53 लाख लोगों की स्क्रीनिंग

नई दिल्ली ■ एजेंसी

केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने 100 दिन के सघन तपेदिक उन्मूलन अभियान पर सभी राज्य एवं केन्द्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों और स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ समीक्षा बैठक की। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि 100 दिन के इस अभियान के तहत अबतक 53 लाख लोगों की स्क्रीनिंग की गई। इनमें से करीब सवा दो लाख लोगों की टीबी की जांच की गई। इस अभियान के तहत टीबी के 22,178 नए मरीज मिले। निर्भय पोषण योजना के तहत 17,621 लाभार्थी हैं। इस बैठक में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, त्रिपुरा, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के साथ जुड़े थे। इसके साथ केरल सहित कई राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के स्वास्थ्य मंत्री भी बैठक में शामिल हुए। जेपी नड्डा ने सभी प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों को इस अभियान की प्रगति की निगरानी करने, अन्य मंत्रालयों और विभागों को शामिल करने और जागरुकता सुनिश्चित करने के लिए विधान सभाओं और परिषदों के सदस्यों को प्रोत्साहित करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि 2025 तक टीबी उन्मूलन के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हमें समग्र सरकारी दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने मुख्यमंत्रियों और राज्यों स्वास्थ्य मंत्रियों के साथ बातचीत करते हुए बताया कि राज्यों के पास पहले से ही टीबी की दवाओं का लगभग दो महीने का अग्रिम भंडार है। उन्होंने रेखांकित किया कि केंद्र राज्यों में टीबी दवाओं के कम से कम 6 महीने के अग्रिम स्टॉक को उपलब्ध कराने के लिए आगे काम कर रहा है।

पारंपरिक और अपारंपरिक खतरों का 'ब्लू वाटर' में मुकाबला करने में सक्षम हैं जहाज

नौसेना को मिले अत्याधुनिक हथियारों और सेंसर से लैस 'सूरत' और 'नीलगिरी' जहाज

नई दिल्ली ■ एजेंसी

देश के आत्मनिर्भर होने की यात्रा में एक और ऐतिहासिक दिन जुड़ गया, जब भारतीय नौसेना को एक साथ दो युद्धपोत सौंपे गए। इनमें एक विध्वंसक सूरत और दूसरा फ्रिगेट नीलगिरी हैं। इन जहाजों को भारतीय नौसेना के युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो ने स्वदेशी रूप से डिजाइन और मझगांव डॉक लिमिटेड (एमडीएल) ने निर्मित किया है। दो अत्याधुनिक युद्धपोतों के एक साथ समुद्री बेड़े में शामिल होने से भारतीय नौसेना की परिचालन और युद्ध क्षमता बढ़ेगी।

नौसेना को मिला जहाज सूरत प्रोजेक्ट 15बी स्टील्थ गाइडेड मिसाइल विध्वंसक का चौथा और अंतिम है। इससे पहले पिछले तीन वर्षों में इसी प्रोजेक्ट के तीन जहाजों विशाखापत्तनम, मोरमुगाओ और इम्फाल को नौसेना के बेड़े में शामिल किया जा चुका है। सूरत की डिलीवरी भारतीय नौसेना की स्वदेशी विध्वंसक निर्माण परियोजना का समापन है। इस परियोजना की शुरुआत 2021 में हुई थी। कुल 7,400 टन वजन और 164 मीटर की लंबाई वाला निर्देशित मिसाइल विध्वंसक होने के नाते आईएनएस सूरत शक्तिशाली और बहुमुखी प्लेटफॉर्म है, जो सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों, जहाज रोधी मिसाइलों और टॉरपीडो सहित अत्याधुनिक हथियारों और सेंसर से लैस है। इसने अपने समुद्री परीक्षणों के दौरान 30 नॉट्स (56 किमी/घंटा) से अधिक की गति प्राप्त की है। यह स्वदेशी रूप से विकसित भारतीय नौसेना का पहला एआई सक्षम युद्धपोत है, जो इसकी परिचालन दक्षता को कई गुना बढ़ाएगा। नौसेना को सौंपा गया फ्रिगेट नीलगिरि प्रोजेक्ट 17ए स्टील्थ का पहला जहाज है। इस योजना के सात जहाज एमडीएल, मुंबई और जीआरएसई, कोलकाता में बनाए जा रहे हैं। ये बहु-मिशन फ्रिगेट भारत के समुद्री हितों के क्षेत्र में पारंपरिक और अपारंपरिक दोनों तरह के खतरों से 'ब्लू वाटर' में मुकाबला करने में सक्षम हैं। नए जहाजों को डीजल या गैस से संचालित किया जाता है। इन जहाजों में अत्याधुनिक एकीकृत प्लेटफ़ॉर्म प्रबंधन प्रणाली भी है। जहाजों में सुपरसोनिक सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल प्रणाली, मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली, 76 मिमी अपग्रेडेड गन और रैपिड फ़ायर क्लोज-इन हथियार प्रणालियों को लगाया गया है।

नौसेना को 2047 तक आत्मनिर्भर बनाने को ध्यान में रखते हुए इन जहाजों में 75 फीसदी स्वदेशी सामग्री लगाई गई है। इन परियोजनाओं ने देश में आत्मनिर्भरता, आर्थिक विकास, रोजगार को बढ़ावा दिया है। इन युद्धपोतों में लगे प्रमुख हथियार और सेंसर स्वदेशी कंपनियों बीएपीएल, एलएंडटी, एमटीपीएफ, बीईएल, बीएचईएल, महिंद्रा आदि से हासिल किए गए हैं। इस वर्ग के शेष छह जहाज एमडीएल, मुंबई और जीआरएसई, कोलकाता में निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं। इन जहाजों के 2025 और 2026 में भारतीय नौसेना को सौंपे जाने की उम्मीद है।

आतंकवादियों ने पूछताछ में हमले की साजिश का खुलासा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल और असम पुलिस के संयुक्त ऑपरेशन में गिरफ्तार किए गए प्रतिबंधित आतंकी संगठन अंसार-अल-इस्लाम (बांग्लादेश) से जुड़े आठ संदिग्ध आतंकियों से पूछताछ में कई खुलासे हुए हैं। पता चला है कि ये आतंकी भारत के उत्तर-पूर्व को शेष भारत से जोड़ने वाले महत्वपूर्ण सिलीगुड़ी कॉरिडोर (जिसे चिकन नेक के नाम से भी जाना जाता है) पर बड़े हमले की योजना बना रहे थे। हमले की बड़ी साजिशरातभर हुई पूछताछ में पता चला कि ये आतंकी सिलीगुड़ी कॉरिडोर में समन्वित हमलों की योजना बना रहे थे, जिससे उत्तर-पूर्व के सात राज्यों के साथ देश का संपर्क बाधित हो सके। पुलिस को यह भी जानकारी मिली कि ये संगठन पूर्वी और उत्तर-पूर्वी भारत के प्रमुख हिंदू नेताओं को निशाना बनाना चाहता था। उनकी योजना 2015 में बांग्लादेश में एक ब्लॉगर की हत्या जैसे हमले को अंजाम देने की थी। पश्चिम बंगाल पुलिस के एडीजी सुप्रतिम सरकार ने शुक्रवार को बताया था कि गिरफ्तार आरोपितों में से अब्बास अली और मिनारुल शेख के पास से 16 जीबी पेन ड्राइव, जिहादी साहित्य और फर्जी पहचान पत्र बरामद हुए हैं। उन्होंने बताया कि ये संदिग्ध मुर्शिदाबाद और अलीपुरद्वार जिलों में अपना आधार स्थापित कर रहे थे और इनका लक्ष्य उत्तर और दक्षिण बंगाल के साथ-साथ उत्तर-पूर्वी राज्यों में अस्थिरता फैलाना था।

पिथौरागढ़ में भूस्खलन, राष्ट्रीय राजमार्ग बंद, राहत कार्य जारी

देहरादून ■ एजेंसी

नेपाल और चीन सीमा से सटे उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जनपद के धारचूला-तवाघाट इलाके में चीन बॉर्डर के पास एक भीषण भूस्खलन हुआ, जिसका खौफनाक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि कैसे एक बड़ा पहाड़ी हिस्सा तेजी से दरककर पूरी सड़क को जाम कर देता है और चारों ओर धूल का गुबार फैल जाता है।

यह भूस्खलन उस समय हुआ जब तवाघाट इलाके में राष्ट्रीय हाईवे पर सड़क चौड़ीकरण का काम चल रहा था। अचानक पहाड़ी का एक हिस्सा गिर पड़ा, जिससे वहां काम कर रहे मजदूरों और स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। हालांकि, राहत की बात यह है कि इस घटना में किसी प्रकार के जनहानि का कोई समाचार नहीं मिला है। स्थानीय प्रशासन ने घटना की पुष्टि की है।

किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई

मुख्यमंत्री धामी ने अधिकारियों को दिए निर्देश मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि पिथौरागढ़ जिले के तवाघाट-धारचूला नेशनल हाइवे पर हुई लैंड स्लाइड से यातायात प्रभावित होने की सूचना मिली है। राहत की खबर है कि किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। मलबे को हटाने के लिए त्वरित कदम उठाए जाने के साथ जिला प्रशासन व संबंधित अधिकारियों को जल्द से जल्द मार्ग को खोलने के निर्देश दिए हैं।

भूस्खलन से तवाघाट-धारचूला मार्ग पूरी तरह अवरुद्ध

पिथौरागढ़ के जिलाधिकारी विनोद गिरि गोस्वामी ने बताया कि भूस्खलन के कारण तवाघाट-धारचूला मार्ग पूरी तरह से अवरुद्ध हो गया है। इस मार्ग को खोलने के लिए सीमा सड़क संगठन (बॉर्डर रोड आर्गेनाइजेशन-बीआरओ) लगातार प्रयास कर रही है, लेकिन भूस्खलन के कारण हुए नुकसान को देखते हुए यह कार्य समय ले सकता है। एसडीएम मनजीत नेगी और एसपी रेखा यादव ने भी इस वीडियो की पुष्टि की और कहा कि लोग वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें। प्रशासन द्वारा लगातार राहत कार्यों और मार्ग खोलने के प्रयास किए जा रहे हैं।

अमेरिका शटडाउन से उबरने लाया नया विधेयक, सीनेट की मंजूरी का इंतजार

वाशिंगटन ■ एजेंसी

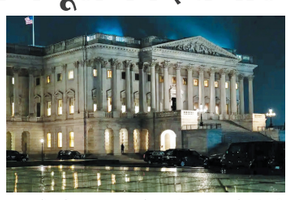

संयुक्त राज्य अमेरिका में शटडाउन संकट को टालने के प्रयास जारी हैं। इसके लिए संघीय सरकार नया विधेयक लेकर आई है। स्टॉपगैप फंडिंग विधेयक को अमेरिकी संसद के निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स की मंजूरी मिल गई है। अब इस पर उच्च सदन सीनेट में मतदान होना है। इसे सीनेट के पास भेज दिया गया है। आज अगर सीनेट की मंजूरी मिल जाती है तो अमेरिका के नागरिकों को क्रिसमस की छुट्टियों में शटडाउन की वजह से परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा।

द न्यूयॉर्क टाइम्स, एनबीसी न्यूज और सीएनएन ने अपनी रिपोर्ट्स में कहा है कि संघीय सरकार इस संकट को टालने के प्रयास तो कर रही है पर उसने नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सलाह नहीं मानी है। ट्रंप चाहते थे कि नए विधेयक में ऋण सीमा में वृद्धि शामिल की जाए। राष्ट्रपति जो बाइडेन की संघाय सरकर ने उनकी सलाह को दरकिनार कर दिया। इसलिए इसे ट्रंप के लिए झटका भी कहा जा सकता है। हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स के सभापति माइक जॉनसन ने नया विधेयक सदन में पेश किया। निचले सदन ने इसे 366-34 के भारी बहुमत से मंजूरी दी। जॉनसन ने कहा कि यह अमेरिका के लिए अच्छा परिणाम है। कांग्रेस देश में शटडाउन नहीं होने देने की पूरी कोशिश कर रही है। हालांकि ट्रंप अभी भी अपनी ऋण सीमा बढ़ाने की मांग पर अड़े हुए हैं। ऐसे में सीनेट से विधेयक के पास होने को लेकर अभी भी संशय है। ऋण सीमा बढ़ाने की ट्रंप की मांग के पीछे एलन मस्क का दिमाग माना जा रहा है। उल्लेखनीय है कि ट्रंप ने सरकारी खर्च कम करने की जिम्मेदारी मस्क को सौंपी है। कई सांसद इससे नाराज हैं। उनका कहना है कि मस्क कांग्रेस के सदस्य नहीं हैं, लेकिन वह दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं। प्रभावशाली नेता चक शूमर ने एक्स पर लिखा है कि वह इस बात के लिए आश्वस्त हैं कि सीनेट शटडाउन को रोकने के लिए मतदान करेगी।

वन सर्वेक्षण की रिपोर्ट जारी, देश के वन एवं वृक्ष आवरण में 1445 वर्ग किमी की वृद्धि

नई दिल्ली। भारत वन स्थिति रिपोर्ट 2023 के मुताबिक देश के वन एवं वृक्ष आवरण में 1445 वर्ग किमी की वृद्धि हुई है। इसमें वन आवरण में 156 वर्ग किमी और वृक्ष आवरण में 1289 वर्ग किमी की वृद्धि शामिल है। रिपोर्ट के मुताबिक वन एवं वृक्ष आवरण में अधिकतम वृद्धि दिखाने वाले चार राज्यों में छत्तीसगढ़ 684 वर्ग किमी के साथ शीर्ष पर है। इसके बाद उत्तर प्रदेश (559 वर्ग किमी), ओडिशा (559 वर्ग किमी) और राजस्थान (394 वर्ग किमी) हैं। केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने देहरादून स्थित वन अनुसंधान संस्थान में शनिवार को एक कार्यक्रम के दौरान यह रिपोर्ट जारी की। यादव ने खुशी जतायी कि 2021 की तुलना में देश के कुल वन एवं वृक्ष क्षेत्र में 1445 वर्ग किलोमीटर की वृद्धि हुई है।

दक्षिण कोरिया आज अमेरिकी अंतरिक्ष केंद्र से अपना तीसरा सैन्य जासूसी उपग्रह लॉन्च करेगा

सियोल ■ एजेंसी

दक्षिण कोरिया आज अमेरिकी अंतरिक्ष केंद्र से अपना तीसरा घरेलू सैन्य जासूसी उपग्रह लॉन्च करेगा। दक्षिण कोरिया ने कुछ समय से उत्तर कोरिया पर अपनी निगरानी क्षमताओं को बढ़ाने के प्रयास तेज किए हैं। इस उपग्रह को स्पेसएक्स के फाल्कन 9 रॉकेट पर कैलिफोर्निया के वैंडेनबर्ग स्पेस फोर्स बेस से सुबह 3.34 बजे (स्थानीय समय) लॉन्च किया जाएगा।

द कोरिया टाइम्स की खबर में यह भी साफ किया गया है कि अगर प्रक्षेपण सफल हुआ तो यह उत्तर कोरिया पर बेहतर निगरानी के लिए 2025 तक पांच मध्यम से बड़े आकार के जासूसी उपग्रहों को प्राप्त करने की योजना के तहत कक्षा में दक्षिण कोरिया का तीसरा सैन्य जासूसी उपग्रह होगा। दक्षिण कोरिया ने अपना पहला जासूसी उपग्रह पिछले साल दिसंबर में कैलिफोर्निया के अंतरिक्ष बेस से लॉन्च किया था। यह पृथ्वी की सतह की विस्तृत तस्वीरें खींचने के लिए इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल और इन्फ्रारेड सेंसर से लैस है। देश ने अप्रैल में अपना दूसरा जासूसी उपग्रह फ्लोरिडा के मेरिट द्वीप पर जॉन एफ कैनेडी स्पेस सेंटर से प्रक्षेपित किया था। यह सिंथेटिक एपर्चर रडार (एसएआर) सेंसर से सुसज्जित है। यह किसी भी मौसम में माइक्रोवेव का उपयोग करके डेटा कैप्चर करता है। दक्षिण कोरिया के रक्षा अधिकारियों को उम्मीद है कि आज होने वाले प्रक्षेपण से उत्तर कोरिया के परमाणु और मिसाइल खतरों के खिलाफ सेना के त्रि-आयामी निगरानी कार्यक्रम को और बढ़ावा मिलेगा। तीसरे प्रक्षेपण की निगरानी रक्षा अधिग्रहण कार्यक्रम प्रशासन मंत्री सेओक जोंग-गन कर रहे हैं। उत्तर कोरिया ने नवंबर 2023 में अपना पहला सैन्य जासूसी उपग्रह (मल्लीगयोंग-1) सफलतापूर्वक लॉन्च किया था।

कार्यालय संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल संभाग खण्डवा

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मंडल द्वारा विकसीत कालोनी हुडको योजना जसवाड़ी रोड़ खण्डवा में स्थित भवन/भूखण्ड क्रमांक **AMI-92** मंडल द्वारा रूचि किरार पति श्री विनीत किरार के नाम से आवंटित है। उक्त संपत्ति का विक्रय विलेख पंजीयन कार्यालय से दिनांक 08.03.2020 को पंजीकृत है। रूचि किरार से उक्त संपत्ति श्रीमती ज्योति माली पति श्री उमाशंकर माली ने क्रय कर विक्रय विलेख का पंजीयन दिनांक 22.07.2024 को अपने पक्ष में करा दिया है।

क्रेता/विक्रेता द्वारा आवेदन शपथ पत्र/संयुक्त शपथ पत्र/विक्रय विलेख की छायाप्रति एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत करते हुए उक्त संपत्ति श्रीमती ज्योति माली पति श्री उमाशंकर माली की ओर हस्तांतरण करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त दस्तावेजों के आधार पर उक्त संपत्ति के हस्तांतरण की कार्यवाही की जा रही है।

उक्त संपत्ति के संबंध में किसी भी व्यक्ति /उत्तराधिकारी/वित्तीय संस्था इत्यादि को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस के अंदर लिखित रुप में मय सबूत के साथ इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। समयावधि समाप्त होने के पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार नहीं कि जावेगी एवं मंडल नियमानुसार कार्यवाही करने को स्वतंत्र रहेगा।

संपदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधो, विकास मंडल
संभाग खण्डवा

एंकर यूक्रेन ने ड्रोन हमला कर रूस के कजान शहर में मचाई अफरा-तफरी

मानवरहित हवाई वाहनों ने ऊंची इमारतों को बनाया निशाना

मॉस्को ■ एजेंसी

रूस के कजान में आज सुबह किए गए ड्रोन हमले से अफरातफरी मच गई। मानवरहित ड्रोन आवासीय ऊंची इमारतों से टकरा गए। इससे आग लग गई। कजान मेयर कार्यालय ने इसकी पुष्टि की।

रूस की सरकारी न्यूज एजेंसी तास के अनुसार, कजान मेयर कार्यालय ने कहा कि तातारस्तान की राजधानी कजान शहर के तीन जिलों में मानवरहित हवाई वाहनों ने आवासीय भवनों पर हमला किया। इसके बाद इन इमारतों को खाली करा लिया गया। तातारस्तान के प्रमुख रुस्तम मिन्निकानोव मौके पर हैं। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि मॉस्को समयानुसार सुबह 7.50 बजे तातारस्तान क्षेत्र में एक ड्रोन को नष्ट कर दिया गया।

मगर इस हमले के बाद कजान के सोवेत्स्की, किरोव्स्की और प्रिवोलज्स्वकी जिलों में आवासीय इमारतों में आग लग गई। राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया गया है। नगर निगम की आपातकालीन सेवाओं को हाई अलर्ट पर रखा गया है। एक नियंत्रण कक्ष भी स्थापित किया गया है। कजान के मेयर इल्सुर मेत्शिन ने प्रभावित लोगों को अस्थायी आवास, गर्म कपड़े और भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। कुछ रिपोर्ट्स में इस हमले को अमेरिका के 9/11 जैसा बताया गया है। कजान एयरपोर्ट को भी अस्थायी रूप से बंद करने का दावा किया गया है। रूस की विमानन निगरानी संस्था रोसावियात्सिया ने टेलीग्राम मैसेजिंग ऐप के माध्यम से कहा, कजान पर यूक्रेनी ड्रोन हमले के बाद यह कदम उठाया गया है। दो अन्य हवाई अड्डों पर भी अस्थायी प्रतिबंध लगा दिया गया है। कजान मॉस्को से लगभग 800 किलोमीटर दूर पूर्व में स्थित है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने हमले के बाद आरोप लगाया कि इसके पीछे यूक्रेन का हाथ है।

रूस ने 19 ड्रोन को मार गिराया

रूस का कजान शहर 2024 ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के आयोजन के लिए चर्चा में रहा है। इसे रूस की तीसरी राजधानी भी कहा जाता है। वर्ष 2018 में यहीं पर फीफा वर्ल्ड कप आयोजित किया गया था। यहां भारत भी अपना दूतावास खोलने वाला है। यूक्रेन की राजधानी कीव से कजान की दूरी करीब 1400 किमी है। तास के अनुसार, रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रात को यूक्रेन के 19 मानव रहित ड्रोन को मार गिराया गया। यूक्रेन ने बेलगोरोड क्षेत्र में नौ, वोरोनिश क्षेत्र में पांच, काला सागर के ऊपर तीन, कुर्स्क में एक और क्रास्नोडार में एक ड्रोन भेजकर हमले की कोशिश की। रूस ने इन सभी को मार गिराया। दक्षिण-पश्चिमी रूस के कुर्स्क क्षेत्र के एक शहर पर यूक्रेनी रॉकेट हमले में एक बच्चे सहित कम से कम 6 लोग मारे गए।

नर्मदापुरम। मध्यप्रदेश शासन द्वारा स्वास्थ्य हित में चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं में से एक राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत जिले के माखन नगर ब?लाक के ग्राम बागरातवा निवासी वीरेन्द्र कतिया की 6 माह की बेटी भाव्या को आरबीएसके. योजना का लाभ मिला। आरबीएसके टीम माखननगर जिसमें डॉ. गुलाबदास यादव, पूजा शुक्ला एवं टीना गुलाटी द्वारा ग्राम की आगनबाड़ी केन्द्र में 11 मई 2024 को बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

व्यवसाय विस्तार के लिए वरदान साबित हो रही पीएमएफएमई योजना

डेयरी उद्योग को दी नई ऊंचाई अपने सपनों को साकार कर औरो को जोड़ा रोजगार

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

प्रधानमंत्री सूक्ष्मखाद्य प्रसंस्करण उद्योग उन्नयन योजना ने न केवल छोटे उद्यमियों को आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में मदद की है, बल्कि इससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और सामाजिक बदलाव भी आए हैं। एक ऐसी ही सफलता की कहानी है सत्यम बाथरी की, जो नर्मदापुरम जिले के माखननगर विकासखंड के निवासी हैं। सत्यम बाथरी की सफलता की कहानी प्रेरणादायक है, और यह क्व्वन्स्ध योजना के प्रभावी क्रियान्वयन का एक बेहतरीन उदाहरण है, जिसने उन्हें और उनके समुदाय को न सिर्फ आर्थिक रूप से सशक्त किया, बल्कि उनकी दिशा में सकारात्मक बदलाव भी लाया।

अपने बारे में बताते हुए सत्यम बाथरी ने कहा कि उन्होंनें अपने परिवार के सहयोग से दुग्ध उत्पाद उद्योग की शुरुआत की, जो अब उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के साथ-साथ क्षेत्रीय रोजगार का एक महत्वपूर्ण स्त्रोत बन चुका है। उन्होंने अपनी मेहनत और समर्पण से 11 लाख रुपए की सालाना आय अर्जित की, जो अब बढ़कर 84 लाख रुपए प्रति वर्ष हो गई है। सत्यम बाथरी का उद्देश्य अपने व्यवसाय को और विस्तार देना था, लेकिन इसके लिए उन्हें संसाधनों और उपकरणों की आवश्यकता थी। उन्होंने प्रधानमंत्री सूक्ष्मखाद्य प्रसंस्करण उद्योग उन्नयन योजना के बारे में जाना और इस योजना के तहत 30 लाख रुपये का ऋण प्राप्त किया। इस राशि का उपयोग उन्होंने विभिन्न दुग्ध उत्पाद बनाने वाली मशीनें खरीदने और उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए किया। इसके परिणामस्वरूप, उन्होंने पनीर, दही, घी, मावा, मलाई जैसे विभिन्न दुग्ध उत्पादों का उत्पादन शुरू किया, और उनकी उत्पादन क्षमता प्रतिदिन लगभग 500 लीटर तक पहुंच गई।

सत्यम बाथरी के व्यवसाय ने न केवल उनकी खुद की आय को दोगुना किया, बल्कि उन्होंने 5 अन्य ग्रामीणों को रोजगार भी प्रदान किया। इससे स्थानीय समुदाय की आर्थिक स्थिति में भी सुधार हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

"प्रशासन गांव की ओर" अभियान के तहत आज इन गांवों में आयोजित होंगे शिविर

हरदा। प्रत्येक वर्ष 25 दिसम्बर को सुशासन दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष भारत सरकार द्वारा 19 से 24 दिसम्बर तक 'सुशासन सप्ताह' मनाया जा रहा है। सुशासन सप्ताह के तहत 'प्रशासन गांव की ओर' अभियान 25 दिसंबर तक जारी रहेगा। सुशासन सप्ताह के तहत प्रशासन की टीम गांव-गांव जाकर ग्रामीणों के आवेदन प्राप्त कर उनका निराकरण करेगी। कलेक्टर आदित्य सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि ग्रामीणों को अपने आवेदनों के निराकरण के लिये विकासखण्ड या जिला स्तर पर आकर सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें, यह सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर सिंह ने बताया कि सुशासन सप्ताह के तहत ''प्रशासन गांव की ओर'' अभियान के तहत 22 दिसंबर को हरदा विकासखंड के ग्राम जामली दमामी में शिविर आयोजित होगा। इसके अलावा 22 दिसंबर को ही खिरकिया विकासखंड के ग्राम मरदानपुर व जामन्याखुर्द में शिविर आयोजित होंगे। सुशासन सप्ताह के तहत 22 दिसंबर को ही टिमरनी विकासखंड के धौलपुरकला, गोंदागांवखुर्द व छिदगांव तमोली में शिविर आयोजित होंगे।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह एवं निकाह के लिए तिथियां निर्धारित

हरदा। मुख्यमंत्री कन्या विवाह एवं निकाह योजना के तहत जिले में आयोजित होने वाले सामूहिक विवाह के लिये तिथियां निर्धारित की गई है। जारी कार्यक्रम अनुसार नगर पालिका परिषद हरदा द्वारा 18 जनवरी को महारानी लक्ष्मीबाई मिडिल स्कूल हरदा में मुख्यमंत्री कन्या विवाह कार्यक्रम तथा 8 फरवरी को कृषि उपज मण्डी प्रांगण हरदा में मुख्यमंत्री कन्या निकाह कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसके अलावा जनपद पंचायत हरदा द्वारा 2 फरवरी को ग्राम पंचायत बूंदड़ा, 3 फरवरी को ग्राम पंचायत हंडिया तथा 30 अप्रैल को ग्राम पंचायत अबगांवखुर्द में मुख्यमंत्री कन्या विवाह कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। इसी तरह नगर पालिका टिमरनी द्वारा 20 फरवरी को कृषि उपज मण्डी प्रांगण टिमरनी में मुख्यमंत्री कन्या विवाह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

उचित मूल्य की दुकान विहीन ग्राम पंचायतों के लिए आवेदन आमंत्रित

हरदा। जिले के हरदा अनुविभाग अंतर्गत उचित मूल्य दुकान विहीन ग्राम पंचायत कड़ोला उबारी, रेहटा खुर्द, अबगांव कला, जिजगांव खुर्द, छिड़गांव, रूपीपरेटिया, सिरकम्बा, धनगांव, उवा एवं बीड़ में उचित मूल की दुकान प्रारंभ करने के लिये 30 दिसम्बर तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किये गये है। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व हरदा श्री कुमार शानु देवड़िया ने बताया कि खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा विभागीय बेवसाईट https://rationmitra.nic.in/NewShop पर दुकान आवंटन हेतु ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किये गये है।

शिविर में ग्रामीणों को विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी

कमिश्नर रानी पिपरिया में सुशासन सप्ताह के अंतर्गत मुख्यमंत्री जनकल्याण शिविर में हुए शामिल

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

नर्मदापुरम संभाग कमिश्नर के जी तिवारी शनिवार को सोहागपुर तहसील के ग्राम रानी पिपरिया में सुशासन सप्ताह के अंतर्गत आयोजित मुख्यमंत्री जन कल्याण शिविर में शामिल हुए। कमिश्नर ने रानी पिपरिया के ग्रामीणों को शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी एवं ग्राम में हो रहे विकास कार्यों की जानकारी भी ली। कमिश्नर ने ग्रामीणों से कहां की शिविर में अपनी शिकायतों एवं समस्याओं के संबंध में आवेदन दें सभी आवेदनों का प्राथमिकता से यथोचित निराकरण किया जाएगा।

कमिश्नर ने शिविर में आए ग्रामीणों को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना एवं अटल पेंशन योजना की जानकारी दी, साथ ही संबल योजना से मिलने वाले लाभ की जानकारी दी और कहां की सभी पात्र व्यक्ति संबल योजना का लाभ अवश्य लें। कमिश्नर ने बताया की जगह-जगह शिविर आयोजित कर 15 विभागों की 45 योजनाएं एवं 14 विभागों की 63 सेवाओं का लाभ आम जनता को प्राथमिकता से दिलाया जा रहा है। उन्होंने शिविर में आए ग्रामीणों को निश्शक्त विवाह प्रोत्साहन योजना, विधवा विवाह प्रोत्साहन योजना, दिव्यांग पेंशन, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, कल्याणी पेंशन आदि के संबंध में जानकारी दी। शिविर में मौजूद ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं से कमिश्नर को अवगत कराया। राजेश कुशवाहा ने बताया कि उनके जमीन का नामांतरण होना है, वही सीताबाई ने बताया कि अब तक उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं मिला है। साथ ही उनकी पोती 4 माह की हो चुकी है लेकिन अभी भी जननी सुरक्षा का पैसा उन्हें प्राप्त नहीं हुआ है। मौके पर मौजूद अधिकारियों ने बताया कि जल्दी ही जननी सुरक्षा योजना का पैसा शीघ्र ही हितग्राही को दिलाया जाएगा। श्रीमती सीताबाई ने बताया कि अब तक उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं मिला है। सरपंच ने अवगत कराया की प्रधानमंत्री आवास योजना में सीताबाई का नाम हितग्राहियों की लिस्ट में 114 नंबर है। वर्तमान में 69 नंबर वाले प्रतिक्षा सूची वालों को प्रधानमंत्री आवास का लाभ मिला है। कुछ समय बाद जब इनका नंबर आएगा तो इन्हें भी प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाया जाएगा।

कमिश्नर ने शिविर में आए ग्रामीणों को बताया कि 11 दिसंबर से मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान प्रारंभ हो चुका है जो 26 जनवरी तक चलेगा। इस दौरान सभी योजनाओं का लाभ ग्रामीणों को प्राथमिकता से दिलाया जाएगा। कमिश्नर ने शिविर में ग्रामीणों से अविवादित नामांतरण, सीमांकन बंटवारा, एवं अन्य राजस्व मामलों को लेकर आ रही समस्याओं की जानकारी ली। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में पानी निकासी की व्यवस्था नहीं है विशेष तौर पर जीवन कॉलोनी में निकासी की कोई व्यवस्था नहीं है। विद्युत विभाग द्वारा मनमाना बिजली का बिल दिया जा रहा है। कमिश्नर ने पानी निकासी के लिए आवश्यक निर्देश जारी किए साथ ही विद्युत विभाग के यंत्री को निर्देश दिए कि वह सभी के मीटर चेक करें और देखें की क्षमता से ज्यादा बिजली बिल ग्रामीणों को क्यों दिए जा रहे हैं। ग्राम के सचिव ने बताया कि 70 प्लस वालों के सभी लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। साथ ही सामान्य आयुष्मान कार्ड भी बना दिए गए हैं। एक महिला ने बताया कि कागज पर उनके पास एक एकड़ जमीन है लेकिन दबंगो द्वारा उनकी जमीन धीरे-धीरे दबाई जा रही हैं। कमिश्नर ने तत्संबंध में जांच कर उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

कमिश्नर ने सरपंच की सराहना की

रानी पिपरिया के सरपंच दिनेश पटेल के द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों के नाम सूचना पटल पर इंद्राज किए जाने पर कमिश्नर ने सरपंच की सराहना की और जनपद पंचायत सोहागपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी संजय अग्रवाल को निर्देश दिए कि वह अपने सभी ग्राम पंचायतों में प्रधानमंत्री आवास योजना के आगे लाभ प्राप्त करने वाले हितग्राहियों के नाम अवश्य लिखें ताकि सभी को अपने नंबर का पता रहे। रानी पिपरिया में कमिश्नर तिवारी ने अशोक के पौधे का रोपण किया। इस दौरान उपायुक्त राजस्व गणेश जायसवाल, मुख्य अभियंता जल संसाधन विभाग राजाराम मीणा, नायब तहसीलदार श्रीमती नीरू जैन एवं अन्य संबंधित अधिकारी गण उपस्थित रहे।

सुशासन सप्ताह एवं मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान अंतर्गत

नगरीय निकायों में शिविरों का आयोजन 23 दिसम्बर को

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

भारत सरकार और राज्य सरकार की चिन्हित हितग्राही मूलक योजनाओं में शत-प्रतिशत संचुरेशन एवं लक्ष्य आधारित योजनाओं का पूरा लाभ उसके वास्तविक रूप से पात्र हितग्राही तक समय-सीमा में पहुँचे इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु सुशासन सप्ताह एवं मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान अंतर्गत नगरीय निकाय में प्रथम शिविर एवं द्वितीय शिविरों का आयोजन 18 दिसम्बर 2024 से 26 जनवरी 2025 किया जा रहा है।

तत्संबंध में सोमवार 23 दिसम्बर को नगर पालिका परिषद नर्मदापुरम के वार्ड 07, देवा माई समाधि के पास एवं वार्ड क्रं 08, पोस्ट ऑफिस के सामने कोठी बाजार में प्रातः 11ः00 बजे से दोपहर 03ः00 बजे तक, नगर पालिका परिषद माखनगर के वार्ड क्रं 04 तिलक वार्ड आंगनबाडी केन्द्र के पास में, नेहरू वार्ड 05 गणेश मंदिर आवास कॉलोनी में एवं शास्त्री वार्ड 06 दुर्गा मंदिर के पास आवास कॉलोनी में तथानगर पालिका परिषद सोहागपुर के गांधी वार्ड 05 अंजुमनवाड़ा गांधी वार्ड में, किलापुरा वार्ड 6 सब्जी बाजार पंप हाउस के पास किलापुरा वार्ड में प्रातः 10ः00 बजे से शाम 6ः00 तक, नगर पालिका परिषद पिपरिया के जय प्रकाश वार्ड 06 गांधी शाला स्कूल के पास, अम्बेडकर वार्ड 07 गांधी शाला स्कूल के पास एवं विनोबा वार्ड 08 गांधी स्कूल के पास प्रातः 11ः00 बजे से शाम 05ः00 बजे तक, नगर पालिका परिषद बनखेडी के शहीद भगतसिह वार्ड 05 आंगनबाडी के पास, कुंआ के पास एवं संत रैदास वार्ड 06 काली मंदिर के पास न.प. भवन के सामने प्रातः 11ः00 बजे से सायं 04ः00 बजे तक, नगर पालिका परिषद सिवनीमालवा के नेहरू वार्ड 06 भीलपुरा मांगलिक भवन में एवं राजेन्द्र वार्ड 07 भीलपुरा मांगलिक भवन में प्रातः 10ः00 बजे से दोहपर 03ः00 बजे तक एवं नगरपालिका परिषद इटारसी के वार्ड क्रं 09 इकबालगंज शासकीय बालक शाला पीपल मोहल्ला में, वार्ड क्रं 10 तिलक नगर शासकीय बालक शाला पीपल मोहल्ला में, वार्ड क्रं 11 रैदास नगर सरदार बल्लव भाई पटेल चौराहा न्यास कॉलोनी में एवं वार्ड क्रं 12 प्रियदर्शिनी नगर सरदार बल्लव भाई पटेल चौराहा न्यास कॉलोनी में प्रातः 10ः00 बजे से शाम 05ः00 बजे तक प्रथम शिविरों का आयोजन किया जाएगा।

गोद ग्राम बिल्धी में एड्स जागरूकता रैली निकालकर दिया संदेश

सिवनी मालवा। शासकीय कुसुम स्नातकोत्तर महाविद्यालय सिवनी मालवा ने मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग एवं मुख्यमंत्री जन कल्याण पर्व को दृष्टिगत रखते हुए महाविद्यालय प्राचार्य डॉ राजेश कुमार रघुवंशी के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सेवा योजना व रेड क्रॉस यूथ विंग के संयुक्त तत्वाधान में गोद लिए गए ग्राम बिल्धी में एड्स जागरूकता रैली निकालकर सभी ग्रामवासियों को एचआईवी से होने वाले संक्रमणों से बचने का संदेश दिया। छात्र-छात्राओं ने एचआईवी एड्स से बचने के लिए एक नुक्कड़ नाटक भी किया। इस दौरान डॉ मोहन गुर्जर ने बताया कि आज एचआईवी एड्स जैसी बीमारी बहुत तेजी से फैल रही है।

एसटीआर में सूअर ने रफ्तार से बाघ को दिया चकमा

घात लगाकर बैठा था टाइगर, तेज भागकर बचाई जान

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

नर्मदापुरम के सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के मढ़ई से बाघ और जंगली सूअर का रोमांचित करने वाला वीडियो सामने आया है। शिकार के लिए बाघ जंगली सूअर के पीछे भागा, लेकिन अपनी तेज रफ्तार की वजह से जंगली सूअर भागने में सफल हो गया।

जंगल सफारी करने आए पर्यटकों ने इस रोमांचित करने वाले नजारे को कैमरे में कैद किया। वीडियो को एसटीआर के स्टाफ ने सोशल मीडिया पर शेयर किया। वीडियो में साफ तौर पर देख सकते हैं कि बाघ एक जंगली सूअर का घात लगाकर शिकार करने का प्रयास कर रहा है। वीडियो 20 दिसंबर शुक्रवार का बताया जा रहा है।

जंगली सूअर इतना चुस्त चालाक निकला की बाघ की पकड़ में आने से पहले ही दौड़ लगा देता है और जंगल में रफू-चक्कर हो जाता है। पूरे वाकये का वीडियो अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

मकान की दीवार ढहने से मासूम की मौत

निर्माणकार्य के दौरान 2 साल का बालक मलबे में दबा

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

नर्मदापुरम के पिपरिया के पास कुटिया किशोर गांव में मकान की दीवार ढहने ???से दबकर 2 साल के मासूम की मौत हो गई। घटना शुक्रवार दोपहर की है। देर शाम को शव को परिजन पिपरिया अस्पताल लेकर आए। आज शनिवार को पोस्टमार्टम हो रहा है।

पुलिस के मुताबिक मृतक मासूम शेखर पिता घोपत अहिरवार निवासी कुटिया किशोर है। पड़ोस में सुमेर अहिरवार के मकान का निर्माण कार्य चल रहा है। मासूम शेखर का सुमेश अहिरवार का रिश्तेदार है। दोपहर करीब 3 बजे बालक खेल रहा था।

इस बीच निर्माणधीन मकान की दीवार ढह गई। जिसमें बालक शेखर दब गया। परिजन ने उसे निकाला। तब तक उसकी मौत हो गई थी। एसआई मानिक बट्टी ने बताया दीवार गिरने से उसमें दबने से बालक की मौत हुई। मर्ग कायम कर लिया है।

सिवनी मालवा में कलेक्टर के फर्जी हस्ताक्षर का मामला

सर्विस प्रोवाइडर पर दर्ज हुई एफआईआर, ज्ञापन सौंपकर एफआईआर निरस्त किए जाने की मांग

सिवनी मालवा ■ निसं

सिवनी मालवा में आदिवासी की जमीन की कलेक्टर के फर्जी सील साइन से हुई रजिस्ट्री के मामले में शनिवार को एक सर्विस प्रोवाइडर पर एफआईआर दर्ज की गई है। जिसके विरोध में शनिवार दोपहर सिवनी मालवा के सभी सर्विस प्रोवाइडरों ने एसडीओपी राजू रजक को ज्ञापन सौंपा है। जिसमें कहा गया कि इस ज्ञापन के माध्यम से हम समस्त सेवा प्रदाता हाल ही में सिवनी मालवा नगर के सेवा प्रदाता आशुतोष गुर्जर के खिलाफ हुई एफआईआर के विषय में ध्यान आकर्षित करना चाहते हैं।

सर्विस प्रोवाइडरों ने बताया कि विक्रय पत्रों के संबंध में क्रेता और विक्रेता कलेक्टर नर्मदापुरम से तीन अलग-अलग अनुमति लेकर आए थे। उपपंजीयक सिवनी मालवा ने सभी दस्तावेजों का अवलोकन करने के बाद ही उक्त तीनों विक्रय पत्रों का रजिस्ट्रेशन किया है।

कोई भी सेवा प्रदाता किसी भी संपत्ति का विक्रय पत्र तैयार करता है तो उसके सभी मूल दस्तावेज क्रेता-विक्रेता की ओर से उपलब्ध कराए जाते हैं।

सभी फसलों पर MSP की गारंटी का कानून बनाए सरकार

जयस्तंभ चौक पर 3 घंटे किसानों ने किया प्रदर्शन, प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा

इटारसी ■ निसं

क्रांतिकारी किसान मजदूर संगठन ने किसानों की सभी फसलों पर एमएसपी की गारंटी का कानून बनाए जाने की मांग को लेकर जय स्तंभ चौक पर शनिवार को 3 घंटे सांकेतिक धरना प्रदर्शन किया। किसानों ने इस संबंध में एक ज्ञापन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम नायब तहसीलदार एमएस रघुवंशी को सौंपा।

इस अवसर पर क्रांतिकारी किसान मजदूर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष लीलाधर सिंह राजपूत का कहना था कि पंजाब के खनौरी बॉर्डर पर आमरण अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल का आमरण अनशन 26वें दिन में पहुंच चुका है और लगातार उनकी सेहत नाजुक हो रही है, लेकिन सरकार उनकी सुध तक नहीं ले रही।

चुनाव के पहले सरकार ने एमएसपी लागू करने की बात की थी, लेकिन आज तक एमएसपी की गारंटी का कानून नहीं बनाया। किसान परिवार कल्याण संगठन उसका समर्थन करता है।

देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आग्रह करता है कि जो किसान आंदोलन चल रहे हैं, उनकी मांगों को गंभीरता से लेते हुए सभी मांगों को मानकर किसानों की सभी फसलों पर एमएसपी की गारंटी का कानून बनाया जाए। यदि सरकार किसानों की मांगें नहीं मानती है तो आंदोलन को व्यापक रूप दिया जाएगा।

किसानों ने कहा- आज हमारा सांकेतिक प्रदर्शन था, लेकिन जल्द ही सरकार ने निर्णय नहीं लिए तो उग्र आंदोलन होने में देरी नहीं लगेगी।

इस अवसर पर राष्ट्रीय संयोजक बबलू सिंह राजपूत, जिला अध्यक्ष हरपाल सिंह सोलंकी, यूथ विंग जिला अध्यक्ष अरुण पटेल समेत बड़ी संख्या में क्रांतिकारी किसान मजदूर संगठन के पदाधिकारी मौजूद थे।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी डी.पी.गोयल द्वारा प्रभा काम्पलेक्स के पास, मीनाक्षी चौक, आई.टी.आई. रोड, होशंगाबाद से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21-एच, इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल- 462023 (म.प्र.) से मुद्रित। संपादक- डी.पी.गोयल। मो.9827054436 भोपाल कार्यालय : 4240007.
डाक पंजीयन - MP/HSD04/2023-2025 व्यवस्थापक- डी.सी. पारे, मो. 8878623331 Email: amritdarshan@yahoo.com (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल रहेगा।)।